MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 21 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-318

नीतीश कुमार 10वीं बार बने बिहार के मुख्यमंत्री, 26 मंत्रियों ने ली शपथ

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
बिहार के राजनैतिक परिदृश्य में आज एक महत्वपूर्ण दिन रहा। नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली, जिनमें बीजेपी के 14, जदयू के 8 और चिराग पासवान की पार्टी के 2 मंत्री शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय शक्ति के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित थे।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को जगह मिली है। मुख्यमंत्री ने अपने 8 मंत्रियों को रिपीट किया, जबकि बीजेपी से 7 नए चेहरे पहली बार मंत्री बने हैं। नए मंत्रियों में संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, नारायण प्रसाद और प्रमोद चंद्रवंशी शामिल हैं।

चिराग पासवान की पार्टी से संजय कुमार पासवान और संजय सिंह मंत्री बने हैं। इसके अलावा रालोमा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, हालांकि वे फिलहाल न विधायक हैं और न एमएलसी।

बीजेपी ने रामकृपाल यादव को मंत्री बनाया है, जो पहले लालू सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

नीतीश कैबिनेट में 3 महिलाएं शामिल हैं, जिनकी हिस्सेदारी 11% है। महिलाओं में लेसी सिंह, रमा निषाद और श्रेयसी सिंह को कैबिनेट में जगह मिली है।लेसी सिंह धमदाहा से 6 बार की विधायक हैं और पिछली सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री थीं।

रमा निषाद चैनपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनी हैं।

श्रेयसी सिंह जमुई सीट से बीजेपी विधायक और नेशनल-लेवल की शूटर हैं।

2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीत चुकीं श्रेयसी सिंह युवा और महिला चेहरा होने के कारण जिम्मेदारी दी गई।

नीतीश कैबिनेट में पहली बार मंत्री बने दीपक प्रकाश ने कहा कि वे अपने नेता उपेंद्र कुशवाहा को धन्यवाद देते हैं और युवाओं के रोजगार के लिए सरकार काम करेगी।बिजेंद्र प्रसाद यादव, सुपौल से 9वीं बार विधायक चुने गए और उन्होंने पहले भी दर्जनों विभागों में मंत्री पद का अनुभव हासिल किया है।

विधायक प्रेम कुमार बिहार विधानसभा के अध्यक्ष होंगे। वे गया टाउन विधानसभा क्षेत्र से लगातार 9वीं बार विधायक बने हैं और पहले स्वास्थ्य, सड़क निर्माण और शहरी विकास विभाग के मंत्री रह चुके हैं।

इस कैबिनेट में नए और अनुभवी मंत्रियों का संतुलन बनाया गया है, जिससे राज्य के प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता और अनुभव दोनों का लाभ मिलेगा।

कोई पूर्व सीएम का बेटा, कोई पूर्व मंत्री का भाई...

बिहार में राजग के परिवारवाद पर आरजेडी का काउंटर अटैक

बिहार में नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद संभाला, जिससे एनडीए के समर्थक खुश हैं, लेकिन विपक्षी पार्टी आरजेडी ने नई सरकार पर परिवारवाद का आरोप लगाकर तीखा हमला किया। गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण के बाद आरजेडी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली, जिसमें कहा गया कि नीतीश सरकार के कई मंत्री परिवार में राजनीति से जुड़े हैं। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार के परिवारवाद के खिलाफ दिए गए बयानों पर भी चुटकी ली गई।आरजेडी ने जो पोस्ट डाली, उसमें सरकार के दर्जनों मंत्रियों को इस तरह बताया गया जैसे वे खुद अपनी राजनीतिक परिवार से जुड़ी पहचान दे रहे हों। पोस्ट में 10 मंत्रियों की राजनीतिक परिवार की जानकारी दी गई और अंत में लिखा गया कि ये मंत्री प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खास आशीर्वाद से परिवारवाद खत्म करके बिहार नया बनाएंगे।यह पोस्ट राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गई। आरजेडी समर्थकों ने इसे एनडीए की दोहराई गई परिवारवाद की पोल बताया, जबकि एनडीए नेताओं ने इसे हार के बाद की निराशा करार दिया।नई सरकार में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संतोष कुमार सुमन तीसरी बार मंत्री बनाए गए हैं।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी	14. सुनील कुमार
2. विजय कुमार सिन्हा	15. मो० जमा खान
3. विजय कुमार चौधरी	16. संजय सिंह 'टाइगर
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव	17. अरुण शंकर प्रसाद
5. श्रवण कुमार	18. सुरेन्द्र मेहता
6. मंगल पाण्डेय	19. नारायण प्रसाद
7. डॉ० दिलीप जायसवाल	20. रमा निषाद
8. अशोक चौधरी	21. लखेन्द्र कुमार रौशन
9. लेशी सिंह	22. श्रेयसी सिंह
10. मदन सहनी	23. डॉ० प्रमोद कुमार
11. नितिन नवीन	24. संजय कुमार
12. राम कृपाल यादव	25. संजय कुमार सिंह
13. संतोष कुमार सुमन	26. दीपक प्रकाश

सुप्रीम कोर्ट बोला-राज्यपाल विधानसभा से पास बिलों को न लटकाएं

बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें; डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे
मुख्य न्यायाधीश की अगुआई में 5 जजों की बेंच ने सुनवाई की

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं।यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। न्यायपालिका भी ऐसे मामलों में अनुमानित स्वीकृति (डीम्ड असेंट) नहीं दे सकती। डीम्ड असेंट को आसान भाषा में कहा जाए तो अगर राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास कोई बिल मंजूरी के लिए गया है और वे समय पर जवाब नहीं देते, तो कानून यह मान लेता है कि मंजूरी दे दी गई है। यानी, बिना बोले भी हां मान ली जाती है।गवर्नर के पास 3 संवैधानिक विकल्प हैं- मंजूरी, असेंबली को दोबारा विचार के लिए लौटाना और मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजना। गवर्नर 3 विकल्पों का इस्तेमाल करते समय अपनी समझ का इस्तेमाल करते हैं।संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल की शक्तियां उनके विवेक पर निर्भर हैं। किसी विधेयक पर फैसला लेते समय राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे नहीं हैं।कोर्ट मेरिट में नहीं जा सकता, लेकिन लंबे समय तक, बिना किसी वजह के, या अनिश्चित देरी होने पर, कोर्ट सीमित निर्देश जारी कर सकता है। राष्ट्रपति के साथ भी ऐसा ही है। न्यायिक समीक्षा पर पूरी तरह रोक है, लेकिन लंबे समय तक कार्रवाई न करने की स्थिति में, संवैधानिक कोर्ट अपने संवैधानिक पद का इस्तेमाल कर सकता है।बेंच ने कहा- गवर्नर या राष्ट्रपति के लिए न्यायिक रूप से समय सीमा तय करना सही नहीं है। राज्यपाल की मंजूरी को कोर्ट नहीं बदल सकता।

350% टैरिफ की धमकी पर मोदी का फोन आया : ट्रम्प

पहले ट्रम्प ने 250% टैरिफ लगाने वाला बयान दिया था

वॉशिंगटन डीसी, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने 350% टैरिफ लगाने की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई थी।ट्रम्प ने अमेरिका-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में बुधवार को बोलते हुए कहा, मुझे सबसे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का फोन आया था। उन्होंने शुक्रिया कहा और बताया कि मैंने लाखों जानें बचाई हैं।इसके बाद ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का फोन आया। मोदी ने कहा, हम खत्म कर चुके हैं। ट्रम्प ने पूछा, क्या खत्म कर चुके हो? इस पर मोदी ने बताया, हम जंग नहीं करने जा रहे हैं।ट्रम्प यह दावा 60 बार से ज्यादा दोहरा चुके हैं कि मई में भारत-पाकिस्तान के बीच जो तनाव कम हुआ, वह उनकी दखलअंदाजी की वजह से हुआ। जबकि भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर में कोई तीसरा देश शामिल नहीं था और संघर्ष विराम भारत और पाकिस्तान की सीधी बातचीत के बाद हुआ।इससे पहले ट्रम्प ने 29 अक्टूबर को साउथ कोरिया में हो रही एपेक सीईओ समिट में भी भारत-पाकिस्तान तनाव का जिक्र किया था। ट्रम्प ने कहा कि जब दोनों देश लड़ रहे थे तो मैंने दोनों से जंग रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों देशों पर 250% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद दोनों ने फोन किया और सीजफायर पर सहमति जता दी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी तारीफ की। मुनीर को उन्होंने जबरदस्त फाइटर बताया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 10 नवंबर को कहा था कि भारत और अमेरिका एक नए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत पर लगे टैरिफ को धीरे-धीरे कम करेगा।

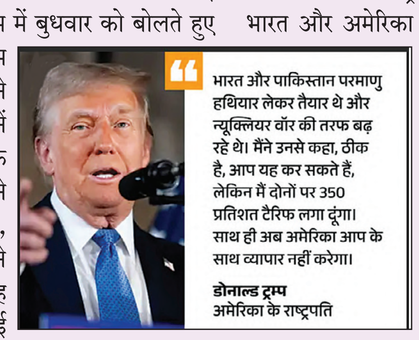

ट्रम्प ने कहा, 'वे मुझसे अभी प्यार नहीं करते, लेकिन वे मुझसे फिर प्यार करेंगे। हमें एक अच्छा सौदा मिल रहा है।'भारत पर टैरिफ कम करने के सवाल पर ट्रम्प ने कहा कि भारत पर ऊंचे टैरिफ रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे, लेकिन अब भारत ने रूसी तेल की खरीद बहुत कम कर दी है। उन्होंने कहा, 'हां, हम टैरिफ कम करेंगे।'ट्रम्प ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, दुनिया का सबसे बड़ा देश है और इसकी आबादी 1.5 अरब से ज्यादा है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे शानदार संबंध हैं और सर्जियो ने इसे और बढ़ाया है।'ट्रम्प ने आगे कहा, 'भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला वर्ग भी है, और यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्व-पूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार है। राजदूत के रूप में सर्जियो हमारे देश के बंधन को मजबूत करने, प्रमुख अमेरिकी उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने, अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ाने और हमारे सुरक्षा सहयोग का विस्तार करने के लिए काम करेंगे।'

बंगाल में फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा एआई

कोलकाता, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फर्जी मतदाताओं की पहचान करने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस) आधारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करेगा। एआई प्रणाली मतदाता डाटाबेस में तस्वीरों का विश्लेषण करके फर्जी मतदाताओं की पहचान करने में मदद करेगी।

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सॉफ्टवेयर फर्जी फोटो वाले मतदाता का पता लगाने के लिए 'चेहरे की पहचान ' फीचर का इस्तेमाल करेगा। अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, एआई-आधारित सॉफ्टवेयर फेस रिकग्निशन फीचर के जरिए फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा।अधिकारियों के अनुसार बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया जिसमें एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) बांटना, इकट्ठा करना और डिजिटाइजेशन का काम 25-26 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन होगा। सीईओ कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि एआई प्रणाली उन मामलों का पता लगाने में मदद करेगी जहां एक ही फोटो का इस्तेमाल कई मतदाताओं का प्रमाणपत्र बनाने के लिए किया गया है।विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि प्रवासी मजदूरों के नामांकन के दौरान ऐसा फर्जीवाड़ा आम बात है और उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल मरे हुए या नकली वोटरों को रजिस्टर करने के लिए किया जाता है। जबकि नेशनल पोल पैनल का मानना है कि एआई इस समस्या को रोकने में मदद कर सकता है।अधिकारियों ने बल दिया कि केवल एआई पूरी पारदर्शिता पक्का नहीं कर सकता। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) डोर-टू-डोर चेकिंग के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें हर मतदाता का विवरण और तस्वीर सत्यापित करनी होगी।उल्लेखनीय है कि 4 नवंबर को शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया से पता चला है कि बंगाल में लगभग दो करोड़ मतदाताओं को अभी भी 2002 की निर्वाचक नामावली से अपना लिंक जोड़ना है।

चालू वित्त वर्ष में रक्षा उत्पादन 1.75 लाख करोड़ रुपए ले जाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक का सर्वाधिक 1.54 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन किया गया है। वहीं भारत का चालू वित्त वर्ष मंर रक्षा उत्पादन को 1.75 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य है। केंद्र सरकार के मुताबिक वह यह लक्ष्य हासिल करने की राह पर है। इसके साथ ही सरकार ने 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इससे देश स्वयं को वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर सकेगा। केंद्र सरकार के मुताबिक यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत का प्रमाण है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीप-टेक एवं अत्याधुनिक परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने हेतु 500 करोड़ रुपए के विशेष कोष को मंजूरी दी है। यह पहल शिक्षा जगत, स्टार्टअप्स और उद्योगों के बीच सीधा सहयोग स्थापित कर

रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बना रही है। आयुध कारखानों का पुनर्गठन और सात नई रक्षा कंपनियों का गठन कार्यात्मक स्वायत्तता बढ़ाने, दक्षता सुधारने और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। निजी क्षेत्र रक्षा उद्योग में ड्रोन, एवियोनिक्स और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार लगभग 16,000 एमएसएमई देश के रक्षा नवाचार परिदृश्य में गेम-चेंजर के रूप में उभर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार साल 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया गया है। इन गतिविधियों का उद्देश्य सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत, युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है, जो मल्टी-डोमेन एकीकृत संचालन में सक्षम हो। साथ ही रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाना और 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करना है।

भारत का स्वदेशी रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 1,27,434 करोड़ रुपए पहुंचा है। यह वर्ष 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपए की तुलना में 174 प्रतिशत की वृद्धि है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत नीति और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली सशक्त नीतिगत पहलों का परिणाम मानी जा रही है। वर्तमान में भारत अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया सहित 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। कुल रक्षा उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान लगभग 77 प्रतिशत है, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत तक पहुंच गया है। पिछले दशक में आरंभ किए गए नीतिगत सुधारों से पहले भारत का रक्षा क्षेत्र अनेक संरचनात्मक चुनौतियों से जूझ रहा था।रक्षा खरीद प्रक्रियाएं अत्यंत धीमी थीं, जिसके कारण आवश्यक क्षमताओं में गंभीर परेशानियां उत्पन्न हो रही थीं। अत्यधिक आयात निर्भरता ने न केवल देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ाया, बल्कि वैश्विक अस्थिरता के समय भारत की सामरिक कमजोरियों को भी उजागर किया।

निजी क्षेत्र की भागीदारी नगण्य थी। परिणामस्वरूप, रक्षा निर्यात का स्तर अत्यंत निम्न रहा था।

8वें सीपीसी में गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत, इससे चिंतित हुए 65 लाख पेंशनर

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
भारत पेंशनभोगी समाज (बीपीएस) ने केंद्र सरकार के आठवें वेतन आयोग के लिए जारी संदर्भ की शर्तें यानी 'टीओआर' में लिखे कुछ शब्दों को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह चिंता केंद्र सरकार के 65 लाख पेंशनर, जिनमें पारिवारिक पेंशनर भी शामिल हैं, को हो रही है। टीओआर में लिखा है 'गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत', यही वो शब्द हैं, जिसे हटाने के संबंध में भारत पेंशनभोगी समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित, डीओपीटी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सचिव (डीओपी एंड पीडब्ल्यू), सचिव व्यय विभाग को 17 नवंबर को पत्र लिखा है। भारत पेंशनभोगी समाज के महासचिव अविनाश राजपूत द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि आठवें वेतन आयोग की 'संदर्भ की शर्तों' में पेंशन को लेकर आपत्तिजनक शब्दावली का इस्तेमाल हुआ है। पुरानी पेंशन योजना

(ओपीएस), एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत आने वाले वर्तमान 69 लाख पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए पेंशन, समानता और अन्य पेंशन लाभों में संशोधन के बारे में मौजूदा टीओआर में स्पष्टता का अभाव है। बीपीएस ने टीओआर में कई संशोधनों की मांग की है। इनमें पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की संरचना को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों की जांच करना, जिसमें पेंशन में संशोधन, किसी भी तिथि को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों (अर्थात, जो 01.01.2026 से पहले या 01.01.2026 के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं) के मामले में पेंशन में समानता शामिल है। आठवें वेतन आयोग के संदर्भ-विषयों के कुछ महत्व-पूर्ण पहलू, जिन पर सेवारत कर्मचारियों और पेंशनभोगियों, दोनों के व्यापक हित में पुनर्विचार व उचित संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। यह एक स्थापित मानदंड है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन संबंधी लाभों का संशोधन हर दस वर्ष में एक बार, एक निश्चित कार्यान्वयन तिथि के साथ होता है। चौथा वेतन आयोग 01.01.1986, पांचवां वेतन आयोग 01.01.1996, छठा वेतन आयोग 01.01.2006 और सातवां वेतन आयोग 01.01.2016 से लागू हुआ है। इस स्थापित मिसाल को देखते हुए, यह स्वतः और न्यायोचित है कि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को 01.01.2026 से लागू किया जाए। सबसे गंभीर चिंता, कार्य-दिवस के पैरा (ई)(ळळ) में गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत वाक्यांश के प्रयोग से उत्पन्न होती है। यह शब्दावली आयोग के दायरे में पेंशनभोगियों के अधिकारों और हितों को स्वीकार नहीं करती है। संवैधानिक तथा न्यायिक रूप से संरक्षित पेंशन अधिकारों को अनुचित रूप से केवल वित्तीय दायित्वों के बराबर मानती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पेंशन की प्रकृति की बार-बार पुष्टि करते हुए यह निर्णय दिया है कि पेंशन कोई उपहार नहीं, बल्कि एक अधिकार है। डीएस नाकारा निर्णय में, न्यायालय ने कहा कि पेंशन एक सामाजिक कल्याणकारी उपाय है जो उन लोगों को सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करता है जिन्होंने अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ समय में नियोक्ता के लिए निरंतर परिश्रम किया। विजय कुमार बनाम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया मामले में, न्यायालय ने निर्णय दिया कि पेंशन अनुच्छेद 300ए के तहत एक संवैधानिक अधिकार है। यह ध्यान देने योग्य है कि सांसदों, सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, या अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों की पेंशन के संदर्भ में ऐसी शब्दावली का कभी भी उपयोग नहीं किया गया है, जिनकी पेंशन भी गैर-अंशदायी है और भारत की संचित निधि से प्राप्त होती है।

ईडी ने नकली समन के मामलों से निपटने के लिए क्यूआर कोड सत्यापन शुरू किया

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नाम पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली के लिए नकली समन भेजे जाने की बढ़ती खबरों के बीच ईडी ने नागरिकों को समन नोटिस की असलियत सत्यापित करने में मदद करने के लिए नए तरीके लागू किए हैं।

वित्त मंत्रालय ने आज अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिये इसकी घोषणा की।नकली ईडी समन असली नोटिस जैसे ही होते हैं, जिससे पाने वालों के लिए सही और गलत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ईडी अब सिस्टम से बनने वाले समन जारी कर रहा है जिसमें एक क्यूआर कोड और एक यूनिक पासकोड होता है।वित्त मंत्रालय ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी किए गए समन को उन पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करके या आधिकारिक ईडी वेबसाइट पर जाकर सत्यापित किया जा सकता है। ईडी ने यह भी साफ़ किया कि वह डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी नहीं करता है। ईडी ने नागरिकों को नकली लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है।

ईडी ने नागरिकों से अपील है कि वे कोई भी कदम उठाने से पहले सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध समन को सत्यापित करें, ताकि वे ईडी अधिकारी बनकर धोखा देने वालों का शिकार न बनें। इ

स पहल का मकसद लोगों का भरोसा वापस लाना और ईडी के कानूनी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाना है।

कार्टून कॉर्नर

तुर्किये व यूक्रेन की रूस से इस्तांबुल शांति वार्ता में लौटने की अपील

अंकारा (तुर्किये), 20 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस के साथ युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की तुर्किये पहुंचे हैं। उन्होंने बुधवार देरशाम यहां

राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से प्रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रूस से फौरन इस्तांबुल शांति वार्ता को फिर शुरू करने के महत्व पर जोर दिया। एर्दोगन और जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए इस समय ठोस कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत है। इसलिए 2022 से रुकी इस्तांबुल शांति वार्ता को तत्काल शुरू करने का वक्त आ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एर्दोगन ने कहा कि तुर्किये रूस के साथ किसी भी ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है जो संघर्ष विराम का मजबूत आधार तैयार करेग। उन्होंने कहा कि न्यायसंगत और स्थायी शांति का रास्ता बातचीत से ही निकलेगा। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें तुर्किये की मध्यस्थता पर पूरा भरोसा है। उन्हें यह भी उम्मीद है कि रूस इस मध्यस्थता को स्वीकार करेगा।

एर्दोगन ने कहा कि इस्तांबुल में तीन दौर की बातचीत में काफी प्रगति हुई थी। अचानक वार्ता में व्यवधान आ गया। जेलेंस्की ने कैदियों की अदला-बदली में तुर्किये की भूमिका पर कहा कि अंकारा ने इस मुद्दे पर बहुत अच्छा सहयोग किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह की अदला-बदली साल के आखिर तक फिर से शुरू हो सकती है। इस्तांबुल वार्ता के दौरान 2,000 सैनिकों की वापसी हो चुकी है। सनद रहे, तुर्किये ने पूरे संघर्ष के दौरान यूक्रेन और रूस दोनों के साथ कूटनीतिक रिश्ते बनाए रखे हैं।

तुर्किये के राष्ट्रपति ने खून-खराबा खत्म करने की कोशिश कर रहे सभी सहयोगियों से इस्तांबुल वार्ता के प्रति सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि तुर्की के साथी शांति की कोशिशों में शामिल होंगे। इस दौरान जेलेंस्की और एर्दोगन ने आपसी रिश्तों पर भी चर्चा की। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 10 बिलियन डालर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप और पुतिन ने मिलकर बनाया सीक्रेट प्लान, अब रुकेगी रूस-यूक्रेन की जंग

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन की जंग को लंबा समय हो गया है। कई प्रयासों के बाद भी ये युध्द थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक सीक्रेट प्लान तैयार किया गया है। हो सकता है कि आने वाले समय में इस प्लान सफल हो जाए और दोनों देशों की जंग रुक जाए। ट्रंप ने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही कहा था कि वे 6 महीने के अंदर रूस-यूक्रेन का युद्ध बंद करवा देंगे। हालांकि अब तक उनके कई प्रयास खाली जा चुके हैं, जबकि रूस-यूक्रेन समझौता करने को तैयार नहीं हुए हैं। हालांकि बता दें की यूक्रेन को लेकर ट्रंप-पुतिन की अलास्का वार्ता असफल होने की वजहें कई थीं। यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता पर सहमति नहीं बन पाई क्योंकि रूस युद्धबंदी के लिए अपने कब्जे वाले क्षेत्रों की मान्यता चाहता था, जबकि अमेरिका यह स्वीकार नहीं कर सकता था। यूरोपीय देश इस मुद्दे पर यूक्रेन के साथ आ गए थे और किसी भी ऐसे मसौदे को मानने से इनकार कर दिया, जिसमें यूक्रेन शामिल न हो। रूस अपने ऊपर लगे प्रतिबंधों में ढील चाहता था, लेकिन अमेरिका युद्धविराम के लिए ठोस कदम चाहता था, जिस पर रूस तैयार नहीं था। अब अमेरिकी मीडिया के हवाले से खबर है कि ट्रम्प प्रशासन यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए एक नई योजना पर चुपचाप रूस से बात कर रहा है। दोनों मिलकर इसके लिए 28 सूत्रीय मसौदा भी तैयार कर लिया है।

अब जंग मानव-चलित जेट से नहीं, हाई-टेक एआई-संचालित ड्रोन से होंगी

सिडनी। दुनिया अब कॉम्बैट एविएशन के एक नए युग में प्रवेश करने जा रही है, जहां लड़ाई का मैदान किसी मानव-चलित जेट नहीं, बल्कि एक हाई-टेक एआई-संचालित ड्रोन तय करेगा। बोइंग ने पुष्टि की है कि उसका एमक्यु-28 घोस्ट बैट अगले महीने पहली बार असली एआईएम-120 एमरॉम मिसाइल दागने का परीक्षण करेगा और एक लाइव एयरबोर्न टारगेट को निशाना बनाएगा। यह सिर्फ एक तकनीकी ट्रायल नहीं, बल्कि मानव-रहित हवाई युद्ध की शुरुआत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एयर वॉरफेयर की परिभाषा बदल देगा। रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स पहले से एमक्यु-28 का परीक्षण कर रही है और बोइंग इसे एक कॉम्बैट-रेडी, मल्टी-डोमेन फाइटर के रूप में वैश्विक मंच पर पेश कर रहा है। दुबई एयरशो से पहले कंपनी के डिफेंस प्रमुख स्टीव पार्कर ने घोषणा की कि ड्रोन लाइव-फायर के लिए तैयार है। इस बयान के बाद विशेषज्ञों के बीच यह सवाल उभरा है कि क्या अब पहली बार दुनिया एक ऐसे ड्रोन को देखेगी जो स्वयं लक्ष्य ढूंढेगा, विश्लेषण करेगा और पूरी हवाई लड़ाई को खुद संचालित करेगा। टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के विशाल वूमेरा रेंज कॉम्प्लेक्स में होगा, जहां एमक्यु-28 खुद लक्ष्य को लॉक कर एआईएम-120 से उसे गिराने की कोशिश करेगा। यह इतिहास का पहला मौका होगा जब किसी सीसीए श्रेणी के स्टील्थ एआई ड्रोन द्वारा वास्तविक लक्ष्य पर मिसाइल दागी जाएगी।

बलोचिस्तान में अगवा शिक्षक का शव नदी में मिला

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के केच जिले की बुलाइदा तहसील में शब रिको नदी में

मिले शव की पहचान निजी स्कूल के शिक्षक अयाज बलोच के रूप में हुई है। मोहम्मद अकबर के बेटे अयाज मिनाज के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर को अगवा किया गया था। उनका अंतिम संस्कार (सुपुर्द-ए-खाक) किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पारिवारिक और क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि अयाज बलोच को 12 नवंबर को स्कूल से घर लौटते समय सरकार समर्थित सशस्त्र समूह के लोगों ने जबरन गायब कर दिया था। परिवार ने घोषणा की है कि गुरुवार सुबह 11 बजे मिनाज में अंतिम संस्कार किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, सरकार समर्थित सशस्त्र समूहों को स्थानीय लोग मौत के दस्ते के नाम से संबोधित करते हैं। मौत के दस्ते में शामिल बदमाश और गुंडे अकसर नागरिकों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, मानवाधिकार प्रतिनिधियों या असंतुष्टों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रवादी हलकों का मानना है कि इन समूहों को न केवल सरकारी और सैन्य संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है, बल्कि अधिकांश पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इनके खिलाफ कार्रवाई करने से बचती हैं। इन समूहों पर हत्या, अपहरण, बम हमले और नागरिकों को आतंकित करने का आरोप है।

नेपाल में जेन जी समूह ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा, अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी

काठमांडू, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में छह से अधिक जेन जी समूह ने गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ एक बार फिर विद्रोह की चेतावनी दी है। इन जेन जी समूहों ने आने वाले दिनों में अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी दी है। जेन जी समूहों ने गृहमंत्री अर्याल पर जेन जी की मांग के मुताबिक एक भी काम नहीं करने और सितंबर में हुए विद्रोह में सहभागी युवाओं को गिरफ्तार कर माहौल को बिगाड़ने का आरोप लगाया है। यह समूह पिछले कई दिनों से गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बारा जिले में जेन जी के शांतिपूर्ण कार्यक्रम के दौरान हुई हिंसाा के बाद आंदोलन के अगुवा तथा 'हामी नेपाल' के संस्थापक सुदन गुरुड ने 'मुझे भी गिरफ्तार करो' अभियान शुरू करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि बारा जिला संयोजक सम्राट उपाध्याय के नेतृत्व में हो रहे कार्यक्रम में एमाले समर्थित समूह ने घुसकर जेन जी युवाओं का अपमान करते हुए मारपीट की। सुदन ने गृहमंत्री पर मारपीट की शुरुआत करने वाले एमाले कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाने के बजाए शांतिपूर्ण तरीके से अपना कार्यक्रम कर रहे जेन जी युवाओं को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर बुधवार को लिखे एक स्टेटस में गुरुड ने गृहमंत्री की देरी और 'असमर्थता' को इस घटना का मुख्य कारण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि गृहमंत्री ने आंदोलन, सड़कों पर बहा खून और युवाओं के बलिदान को भुला दिया है। एक अन्य जेन जी नेता रक्षा बम ने कहा है कि यदि गृहमंत्री इस्तीफा नहीं देते, भ्रष्टाचारियों और हत्यारों पर कार्रवाई नहीं कर सकते, देश के परिवर्तन के लिए लड़ने वाले योद्धाओं पर हमला होने पर भी कानों में तेल डालकर और हाथ बांधकर बैठे रहते हैं, और उल्टे देशप्रेमी भाइयों-बहनों को गिरफ्तार करते हैं, तो मैं 'मुझे भी गिरफ्तार करो' राष्ट्रीय शुरू करने की चुनौती देती हूं। एक और जेन जी नेता मिराज ढुंगाना ने कहा कि यदि हत्यारे हमें खुली चुनौती देते रहेंगे और सरकार चुप रहेगी, तो यह ज्वालामुखी का विस्फोट और बड़ा होगा। यह सुशीला कार्की सरकार को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने देशव्यापी अरेस्ट मी कैंपेन चलाने का आह्वान किया है। जेनजी युवाओं ने एमाले नेताओं को रोकने के प्रयास में बुधवार को बारा जिले के सिमरा क्षेत्र में प्रदर्शन किया।

नेपाल में चुनाव के समय सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों पर लगेगा प्रतिबंध

काठमांडू। निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के खिलाफ गाली-गलौज और अपमानजनक टिप्पणियों पर रोक लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। फेसबुक, यू-ट्यूब, टिकटॉक और एक्स के बढ़ते दुरुपयोग को लेकर चिंतित आयोग ने आचार संहिता के मसौदे में विशेष प्रावधान शामिल किया है। प्रस्तावित आचार संहिता के लागू होने पर उम्मीदवारों और राजनीतिक नेताओं को इससे राहत मिलने की उम्मीद है। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ प्रावधान आचार संहिता में पहले से ही मौजूद हैं। नए प्रस्तावित मसौदे के अनुसार, सोशल मीडिया पर चुनाव को प्रभावित करने वाले, किसी को नीचा दिखाने वाले, अपमानजनक और घृणास्पद (हेट स्पीच) पोस्ट करना प्रतिबंधित होगा। केवल पोस्ट ही नहीं, बल्कि ऐसे कंटेंट को टैग करने, शेयर करने, उस पर टिप्पणी या प्रति कमेंट करने पर भी रोक रहेगी। सरकारी, अर्धसरकारी, संघीय, प्रांतीय और स्थानीय स्तर के कर्मचारियों के लिए आचार संहिता को और अधिक कड़ा बनाया गया है। सुरक्षा कर्मियों को भी फेसबुक सहित सोशल मीडिया का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी। आचार संहिता की धारा 8 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 'सुरक्षा कर्मियों को सोशल मीडिया पर किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार के पक्ष या विपक्ष में संदेश, सूचना, सामग्री पोस्ट या शेयर करने अथवा टिप्पणी लिखने की अनुमति नहीं होगी।' सरकारी, अर्धसरकारी, संघीय, प्रांतीय और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों पर भी यही कठोर नियम लागू होंगे।

चीन में युवा लडके देते है महिलाओं को 5 मिनट की झप्पा

बीजिंग, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

पडोसी देश चीन में जिम जाने वाले युवा लड़के महिलाओं को 5 मिनट की झप्पी (हग) देकर इमोशनल सपोर्ट देते हैं। चीन में यह नया और अनोखा ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे 'मैन मम' कहा जा रहा है। यह कोई रोमांटिक डेट नहीं होती, बल्कि महिलाओं के मानसिक तनाव और काम या पढ़ाई के प्रेशर को कम करने के लिए यह सेवा दी जाती है।

इस काम के बदले युवाओं को 20 से 50 युआन, यानी करीब 250 से 600 रुपये मिलते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रेंड की शुरुआत एक कॉलेज छात्रा की सोशल मीडिया पोस्ट से हुई थी। उसने लिखा कि थिसिस का स्ट्रेस इतना बढ़ गया है कि बस किसी से गले लगना चाहती हूं। इस पोस्ट को लाखों लोगों ने पढ़ा और कमेंट किया, जिससे 'हग थैरेपी' तेजी से वायरल हो गई।

पहले यह फ्री में दोस्तों के बीच होती थी, लेकिन अब प्रोफेशनल सेवाओं के रूप में विकसित हो गई है। लड़कियां चैट ऐप्स के माध्यम से इन लड़कों से संपर्क करती हैं और पार्क, मेट्रो स्टेशन या शॉपिंग मॉल जैसी सार्वजनिक जगहों पर मिलती हैं। इस ट्रेंड में शामिल लड़के केवल मजबूत शरीर वाले नहीं होते, बल्कि धैर्यवान और मां जैसे भाव रखने वाले होते हैं। महिलाओं को इन्हें चुनते समय लुक, बिहेवियर, बातचीत करने का अंदाज और एटीट्यूड देखा जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, झोउ नाम के एक मैन मम ने 34 हग्स देकर 1758 युआन कमाए। अधिकांश लड़के इसे फुल-टाइम जॉब नहीं मानते, बल्कि साइड बिजनेस के तौर पर करते हैं।

'मैन मम' ट्रेंड का मुख्य मकसद पैसा कमाना नहीं, बल्कि महिलाओं को मानसिक राहत देना है। महिलाएं इसमें अपने वर्क स्ट्रेस, बॉडी इमेज प्रेशर और पारिवारिक परेशानियां साझा कर पाती हैं। कुछ महिलाएं इन लड़कों को कॉफी या किताबें भी गिफ्ट करती हैं। हालांकि, इस ट्रेंड को लेकर विवाद भी है। कुछ लोग इसे फिजिकल डिजायर का बहाना बताते हैं, जबकि एक वकील ने चेताया कि कुछ लोग इसे सेक्शुअल हैरासमेंट का जुगाड़ बना सकते हैं। फिर भी, चीन के बड़े शहरों में यह ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है।

बांग्लादेश का सुप्रीम कोर्ट खुद के 2011 के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका पर सुनाएगा निर्णय

ढाका। बांग्लादेश का उच्चतम न्यायालय अपने 2011 के फैसले के खिलाफ अपील और पुनर्विचार याचिका पर अपना निर्णय सुनाएगा। 2011 में न्यायालय ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली (नॉन-पार्टी केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम) को खत्म कर दिया था। न्यायालय की वेबसाइट पर 19 नवंबर की दोपहर अपलोड की गई सूचना के अनुसार, अपील और याचिका को 20 नवंबर को फैसले की घोषणा के लिए वाद सूची के क्रम एक और दो पर रखा गया है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 11 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अगुवाई वाली उच्चतम न्यायालय के सात सदस्यों वाली बेंच ने सुनवाई पूरी की और फैसला सुनाने के लिए तय किया। सुनवाई के दौरान अपील करने वालों और याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय से अपने 2011 के फैसले को पलटने और देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने और लोकतंर्त स्थापित करने के लिए संविधान में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को बहाल करने की अपील की। सनद रहे कार्यवाहक सरकार को कार्यवाहक शासन के रूप में भी जाना जाता है। यह एक अस्थायी तदर्थ सरकार होती है। यह कुछ सरकारी कर्तव्यों और कार्यों को तब तक करती है जब तक कि एक नियमित सरकार निर्वाचित या गठित नहीं हो जाती।

लातविया, लिथुआनिया और यूक्रेन में बढ़ रहा महिलाओं का अनुपात

लंदन, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

कई देशों में अब पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हो चुकी है। दुनिया में एक और बड़ा जनसांख्यिकीय परिवर्तन चुपचाप आकार ले रहा है। विश्व बैंक के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, पूर्वी यूरोप, एशिया के कुछ क्षेत्रों और दक्षिणी अफ्रीका में महिलाओं की हिस्सेदारी पुरुषों से स्पष्ट रूप से अधिक है।

यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि आबादी के बूढ़े होने, पुरुषों के प्रवासन और जीवनशैली संबंधी कारकों के चलते धीरे-धीरे विकसित हुआ है। यूरोप में यह बदलाव सबसे ज्यादा स्पष्ट दिखाई देता है। लातविया, लिथुआनिया और यूक्रेन में हर 100 पुरुषों पर 116 से 118 महिलाएं मौजूद हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक लैंगिक असमानता वाला अनुपात है।

इसके पीछे प्रमुख कारण पुरुषों की औसतन कम जीवन प्रत्याशा और बड़े पैमाने पर उनका विदेशों में रोजगार हेतु प्रवास है। उम्रदराज आबादी में भी महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक संख्या में बची रहती हैं। रूस और बेलारूस जैसे देशों में भी यही पैटर्न देखने को मिलता है। पश्चिमी यूरोप जैसे पुर्तगाल, फ्रांस और जर्मनी में भी महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है, हालांकि यह अंतर अपेक्षाकृत कम है। यहां भी महिलाओं की औसत आयु पुरुषों से 4-6 वर्ष अधिक होना मुख्य वजह है। एशिया में नेपाल और हांगकांग दो प्रमुख उदाहरण हैं जहां यह लैंगिक असंतुलन साफ दिखता है। नेपाल में रोजगार के लिए पुरुषों का बड़े पैमाने पर विदेश जाना महिलाओं की आबादी को अनुपातिक रूप से अधिक बनाता है। हांगकांग में महिलाओं की लंबी आयु और पुरुषों की कम सर्वाइवल दर इस प्रवृत्ति को वर्षों से कायम रखे हुए है।

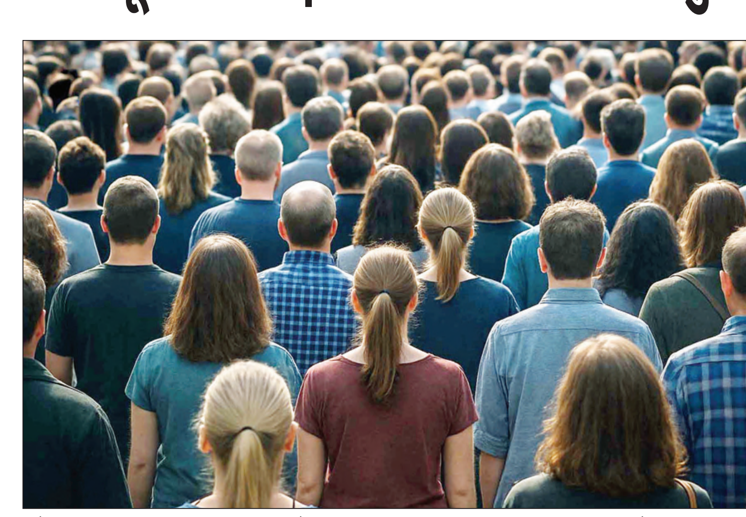

अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में भी यही रुझान उभर रहा है। लेसोथो और नामीबिया में पुरुषों का दक्षिण अफ्रीका की खदानों और उद्योगों में काम करने जाना आम बात है, जिससे स्थानीय आबादी में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ जाता है। दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना और उरुग्वे में उम्रदराज आबादी में महिलाओं की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है क्योंकि बुजुर्ग आयु वर्ग में महिलाएं अधिक समय तक जीवित रहती हैं। वैश्विक स्तर पर हालांकि पुरुषों और महिलाओं का अनुपात लगभग संतुलित है हर 100 महिलाओं पर लगभग 101 पुरुष लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह संतुलन महिलाओं की ओर झुक जाता है।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर मचा हड़कंप

कैनबरा, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर हड़कंप मच गया है। दावा किया गया है कि इस सौदे में जासूसी का साया है। अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अकुस मंच के तहत आठ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण को लेकर समझौता किया है। ऑस्ट्रेलिया का मकसद इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के दो स्तंभ हैं। पहले स्तंभ के तहत ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका से 3-5 वर्जीनिया-क्लास की एसएसएन पनडुब्बी खरीदना है और स्तंभ-2 के तहत ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम को संयुक्त रूप से एक नई एसएसएन-अकुस पनडुब्बी को डेवलप करना है। इसमें अमेरिका अपनी टेक्नोलॉजी देगा और इस प्रोजेक्ट के तहत साल 2040 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की नौसेना को पनडुब्बियों की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। हालांकि करीब 4 साल पहले ही पनडुब्बियों के डेवलपमेंट के लिए तीनों देशों के बीच 368 अरब डॉलर का समझौता हुआ था, लेकिन अभी तक इसमें कुछ खास डेवलपमेंट नहीं हुआ है। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने इस साल जून में इस कॉन्ट्रैक्ट की औपचारिक समीक्षा शुरू करने के भी आदेश दिए थे, लेकिन बाद में ट्रंप ने अक्टूबर महीने में समझौते को हरी झंडी दे दी और ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया कि उन्हें परमाणु पनडुब्बी मिल जाएगी। ट्रंप से हरी झंडी मिलने के कुछ ही हफ्तों बाद ऑस्ट्रेलिया में इस सौदे को लेकर नई चिंता का जिक्र किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में इन पनडुब्बियों को लेकर जासूसी की बात की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की कुछ एजेंसियों को आशंका है कि चीन समेत कुछ प्रतिद्वंद्वी देश संवेदनशील न्यूक्लियर प्रणोदन तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि अकुस सबमरीन प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए योग्य आवेदकों में से हर दस में से एक व्यक्ति के एप्लीकेशन को सुरक्षा कारणों से खारिज कर दिया है। इसके पीछे बड़ी वजहों में संदिग्ध विदेशी संबंध और डुएल सिटिजनशिप को तो ध्यान में रखा जा रहा है, खासकर ऐसे एप्लीकेशन खास तौर पर खारिज किए जा रहे हैं, जिनके संबंध चीन या भारत से हैं। बता दें इस प्रोजेक्ट के लिए कम से कम 20 हजार योग्य इंजीनियरों और टेक्निकल लोगों की जरूरत है लेकिन अमेरिका के सख्त नियम और सख्त सुरक्षा जांच की वजह से भर्ती प्रक्रिया काफी मुश्किल हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा संस्थान ने चेतावनी दी है, कि विदेशी एजेंसियां लिंक्डइन जैसी साइटों पर फर्जी जॉब पोस्ट डालकर रक्षा-क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स के जरिए संवेदनशील जानकारी निकालने की कोशिश कर रही हैं। बर्गेस ने कहा कि करीब 7,000 ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस प्रोफेशनल्स ने अपने प्रोफाइल लिंक्डइन पर शेयर किए हैं, जिनमें से 400 से ज्यादा ने अकुस प्रोजेक्ट का खुलकर जिक्र किया है। इसीलिए वे जासूसी नेटवर्क के आसान लक्ष्य बन जाते हैं। ऑस्ट्रेलियन मीडिया में चीन के साथ भारत का नाम आना चौंकाने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया खुद क्वाड पार्टनर्स हैं और दोनों देशों के बीच गहरे संबंध हैं, जिस वक्त ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने इसका खुलासा किया है, उस वक्त भी भारत और ऑस्ट्रेलिया की नौसेना जापान की नौसेनाओं के साथ गुआम में युद्धाभ्यास कर रही हैं।

केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार में राजग की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी : नीतीश

पटना, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी।

राजग के नेता नीतीश कुमार ने आज दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।श्री कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ली। श्री कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रदेश की जनता का आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया है।

श्री कुमार ने एक्स पर लिखा, आज पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज के इस विशेष अवसर पर बिहार के लोगों को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

श्री कुमार ने लिखा, आज शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से धन्यवाद एवं आभार।साथ ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राज्यों से आए मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, सभी गणमान्य लोगों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी हार्दिक अभिनंदन। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा, बिहार के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार में राजग की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि बिहार के लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से राजग सरकार बिहार को देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करेगी।

जोश और अभिवादन का प्रतीक बना गमछा

पटना,20 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दसवें शपथग्रहण समारोह में बिहारी गमछा जोश औए अभिवादन का प्रतीक बन गया।बिहार में सम्पन्न हुए चुनाव के दौरान आयोजित रैलियों में गमछा लहराना एक फैशन बन गया था और जब से प्रधानमंत्री मोदी ने गमछे को लहराया, इसकी तो पौ बारह हो गयी है। बस इसे गले मे लटकाओ और जब मन प्रसन्न हो जाये, तालियां बजाने की जगह इसी को लहराओ।

गमछा लहर रहे युवक राजीव तिवारी से पूछा तो पता चला जनाब भाजपा युवा मोर्चा के क्षेत्रीय पदाधिकारी हैं। यूनीवार्ता ने पूछा बड़े खुश नजर आ रहे हैं, गमछा लहरा रहे हैं। श्री तिवारी ने जवाब दिया गमछा प्रधानमंत्री को बहुत पसंद है और अब यह खुशी के साथ सम्मान का प्रतीक बन गया है। श्री तिवारी ने कहा कि कुछ लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का विरोध करने की मनसा से गमछे का भी विरोध करने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि गमछा तो हमारी समृद्ध गंवाई संस्कृति का प्रतीक है। इसे, गले मे लटकाओ, जमीन पर बिछाओ या भूख लगे तो इसी में सतुआ सान के खाओ।

मंत्री शपथ ले रहे थे और जिन्हें भी दर्शक दीर्घा से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का अभिवादन करना था, बस गमछे को लहरा रहा थे। देखते देखते गमछा जोश का प्रतीक बन गया था। अब क्या कहें भाई गमछा, तू अतीत है, वर्तमान है, सभ्यता है, संस्कृति है, एक सोच है या जोशोखरोश है।

यूपी : पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का मसौदा अब 23 दिसंबर को होगा प्रकाशित, राज्य निर्वाचन आयोग ने बढ़ाई डेट

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)।

पंचायत चुनावों की मतदाता सूची को लेकर स्थानीय प्रशासन गंभीर नहीं दिख रहा है। यही वजह है कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अब मतदाता सूची जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर छह फरवरी 2026 कर दी गई है। पहले 15 जनवरी 2026 को यह मतदाता सूची जारी की जानी थी। अभी तक डुप्लीकेट मतदाता भी सूची से नहीं हटाए गए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, अब मतदाता सूची का ड्राफ्ट 23 दिसंबर को जारी होगा। पहले इसे पांच दिसंबर को जारी किया जाना था। यही नहीं मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से छह जनवरी तक किया जाएगा। पहले यह कार्य 13 से 19 दिसंबर के बीच किया जाना था।

प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ धन शोधन मामले में नयी चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक नयी चार्जशीट दाखिल की जिसमें उन्हें ब्रिटेन के हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली बार औपचारिक तौर पर आरोपी बनाया गया है।

ईडी के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता को बताया, संजय भंडारी धनशोधन मामले में उसकी मदद करने के लिए श्री वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी है। इस मामले में अगली तारीख छह दिसंबर है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट छह दिसंबर को चार्जशीट पर विचार करेगा।

वाड्रा इस केस में नामजद नौवें व्यक्ति बन गये हैं। दूसरे आरोपियों में संजय भंडारी, सुमित चड्ढा, संजीव कपूर, अनिरुद्ध वाधवा और कई कंपनियां शामिल हैं।

जुलाई में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत श्री वाड्रा का बयान रिकॉर्ड करने के बाद एजेंसी ने यह कार्रवाई की है। पिछले महीने उन्हें पूछताछ के लिए दो बार बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने बीमारी और पहले से निर्धारित विदेश यात्रा का हवाला देते हुए मोहलत मांगी थी।

यह केस श्री वाड्रा के खिलाफ चल रहे तीन धनशोधन मामलों की जांचों में से एक है। दो अन्य मामले हरियाणा और राजस्थान में ज़मीन के सौदों में कथित गड़बड़ियों से जुड़े हैं।

ईडी का केस उन आरोपों पर केंद्रित है कि संजय भंडारी ने 2009 में लंदन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और श्री वाड्रा के निर्देशों के अनुसार उसका रेनोवेशन करवाया था और इस काम के लिये श्री वाड्रा ने धनराशि उपलब्ध करायी थी। श्री वाड्रा ने लंदन में किसी भी प्रॉपर्टी के मालिक होने से इनकार करते हुए ऐसे आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 में भारत से भागने वाले संजय भंडारी को इस साल भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। ब्रिटेन की एक अदालत में हाल के घटनाक्रमों ने उसके भारत में प्रत्यर्पण की संभावना को काफी कम कर दिया है।

बंगाल में फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा एआई

कोलकाता, 20 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फर्जी मतदाताओं की पहचान करने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस) आधारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करेगा। एआई प्रणाली मतदाता डाटाबेस में तस्वीरों का विश्लेषण करके फर्जी मतदाताओं की पहचान करने में मदद करेगी।

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सॉफ्टवेयर फर्जी फोटो वाले मतदाता का पता लगाने के लिए 'चेहरे की पहचान ' फीचर का इस्तेमाल करेगा। अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, एआई-आधारित सॉफ्टवेयर फेस रिकग्निशन फीचर के जरिए फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा।

अधिकारियों के अनुसार बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया जिसमें एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) बांटना, इकट्ठा करना और डिजिटाइजेशन का काम 25-26 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन होगा। सीईओ कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि एआई प्रणाली उन मामलों का पता लगाने में मदद करेगी जहां एक ही फोटो का इस्तेमाल कई मतदाताओं का प्रमाणपत्र बनाने के लिए किया गया है।

विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि प्रवासी मजदूरों के नामांकन के दौरान ऐसा फर्जीवाड़ा आम बात है और उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल मरे हुए या नकली वोटरों को रजिस्टर करने के लिए किया जाता है। जबकि नेशनल पोल पैनल का मानना है कि एआई इस समस्या को रोकने में मदद कर सकता है।

अधिकारियों ने बल दिया कि केवल एआई पूरी पारदर्शिता पक्का नहीं कर सकता। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) डोर-टू-डोर चेकिंग के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें हर मतदाता का विवरण और तस्वीर सत्यापित करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि 4 नवंबर को शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया से पता चला है कि बंगाल में लगभग दो करोड़ मतदाताओं को अभी भी 2002 की निर्वाचक नामावली से अपना लिंक जोड़ना है।

केंद्रीय चुनाव आयोग इस बड़े ग्रुप के लिए सुनवाई और सत्यापन करेगा। अब तक लगभग 2.4 करोड़ मतदाताओं ने अपना विवरण 2002 की निर्वाचक नामावली से मैच कर ली हैं और अधिकारियों को उम्मीद है कि अगर 2002 के बाद की सूची में कम से कम एक माता-पिता का नाम आता है, तो और 2.5 करोड़ मतदाता ऐसा कर पाएंगे। इन मतदाताओं को आगे सत्यापन की जरूरत नहीं होगी।

गौरतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रतिनिधियों का एक दल बंगाल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को कोलकाता पहुंचा। बंगाल अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा है। चुनाव की तारीखों की घो-षणा फरवरी में होने की उम्मीद है।

दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े आरोपी जावेद सिद्दीकी पर 2 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप, 24 साल पुराना मामला

भोपाल, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकियों को पनाह देने वाली अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी और उसके भाई हमूद सिद्दीकी के खिलाफ पहले से ही भोपाल में 2 करोड़ रुपए की ठगी का केस दर्ज है। यह मामला करीब 24 साल पुराना है। दोनों भाई लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर थे और फरार चल रहे थे। वहीं, दिल्ली ब्लास्ट के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को जावेद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक, जावेद और हमूद सिद्दीकी ने 1997 से 2001 के बीच भोपाल में लोगों को ठगने का काम किया।

उन्होंने एक चिटफंड कंपनी का ऑफिस खोला और लोगों को लालच दिया कि उनके पैसे दोगुने कर देंगे। उन्होंने मुस्लिम लोगों से ठगे पैसों को आतंकी साजिश में लगाया था। 2001 तक जनता को चूना लगाकर दोनों भाई फरार हो गए थे। इस बीच तलैया और शाहजहानाबाद थाने में शिकायत पर एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि गैस पीड़ितों के पैसे भी ठगी में शामिल थे।

जावेद सिद्दीकी ने इस मामले में अग्रिम जमानत ले रखी थी, जबकि उनके भाई हमूद सिद्दीकी को कोर्ट ने पहले ही बरी कर दिया था। इसके अलावा, इनके खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में भी धोखाधड़ी और चिटफंड के कई केस दर्ज हैं।बता दें कि प्रार्थी जुनेद कुरैशी ने 5 दिसंबर 1999 को शाहजहानाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कंपनी ने 1998 में उनके और अन्य लोगों के जमा किए पैसे हड़प लिए। जुनेद ने बताया था कि उसने 15 जून और 15 नवंबर 1998 को कुल 75,000 रुपए जमा किए थे, लेकिन कंपनी के पदाधिकारी कार्यालय बंद कर फरार हो गए।

शिकायत पर एफआईआर 7 दिसंबर 1999 को दर्ज की गई। जांच में पता चला कि कुल 147 लोग प्रभावित हुए और लगभग 15.32 लाख रुपए की ठगी हुई। प्रकरण में कुल 24 आरोपी थे, जिनमें हमूद सिद्दीकी, हुस्ना सिद्दीकी, सूबा सिंह, शाहबुद्दीन चौधरी, मसूद अहमद, जेबा सिद्दीकी, परवीन सुल्तान और अन्य शामिल थे। जांच और अभियोग पत्र के अनुसार, कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए, जबकि अधिकांश फरार हैं। फरार आरोपियों की पकड़ के लिए पुलिस लगातार उनके पते पर रेड डाल रही है और सूचना देने वाले को 5,000 से 10,000 रुपए का ईनाम घोषित किया गया है। फरार आरोपियों की संपत्ति की जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन कई के पास कोई चल-अचल संपत्ति का रिकॉर्ड नहीं मिला।

इस मामले में न्यायालय में पेशी 29 अगस्त 2019 को तय थी। उस दौरान 24 आरोपियों में से एक की मौत हो चुकी थी और एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण वापस कर दिया गया था। बाकी आरोपियों में कुछ को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जबकि 16 आरोपी फरार थे।

सहजनवा उप निबंधक कार्यालय पर पहुंची आयकर की टीम- सर्वे से मचा हड़कंप

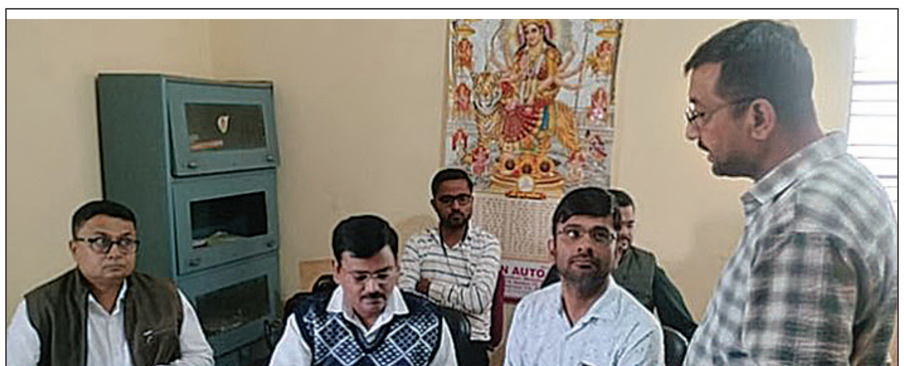

गोरखपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सहजनवा उप निबंधक कार्यालय पर बृहस्पतिवार को आयकर विभाग की इंटेलीजेंस और क्रिमिनल इंटेलिजेंस यूनिट ने औचक सर्वे किया। इस कार्रवाई से पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी जमीन की खरीद-बिक्री में पैन कार्ड के सही उपयोग को लेकर की जा रही है। टीम आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है, जिसमें पिछले कुछ वर्षों के रजिस्ट्री रिकॉर्ड शामिल हैं।

सर्वे की कार्रवाई सुबह करीब 11:20 बजे शुरू हुई, जब आयकर विभाग की टीम कार्यालय पहुंची। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह अभियान कर चोरी और काले धन को सफेद करने के संदेह पर आधारित है। विशेष रूप से, 30 लाख रुपये तक कीमत वाली संपत्तियों की रजिस्ट्री में पैन कार्ड की जानकारी छिपाने के मामलों पर नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि पैन कार्ड का उपयोग सही नहीं पाया गया, तो संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त कमिश्नर सोनल सिंह के निर्देशन में आयकर अधिकारी बिनीत श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक अमित गुप्ता, वशिष्ठ गिरी, अवनीश सिंह और रुपेश कुमार शामिल हैं। इन अधिकारियों ने कार्यालय के स्टाफ से पूछताछ कर रही है।

टक्कर के बाद कार और ट्रक के टायरों में ब्लास्ट, दरवाजा टूटते ही हाईवे पर गिरी एमडीएस छात्रा की मौत

मेरठ, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात सड़क हादसे में कार सवार दिल्ली के वैशाली एंक्लेव निवासी डॉक्टर अरुण मेहरा की बेटी अनुराधा मेहरा (28) की मौत हो गई। वह एमडीएस (डेंटल) की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। कार सवार तीन साथी रूपाली राज, निखिल धामा व देवांश को अस्पताल में भर्ती कराया। देवांश के पैर की हड्डी टूट गई। अन्य दो मामूली रूप से घायल हैं।

दिल्ली के वैशाली एंक्लेव निवासी अनुराधा मेहरा सुभारती विश्वविद्यालय में एमडीएस (डेंटल) की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। बुधवार रात वह अपनी दोस्त रूपाली राज निवासी मणिकपुर बिहार, निखिल धामा निवासी सदतपुर दिल्ली व देवांश निवासी विद्यावासनी कॉलोनी वाराणसी के साथ खाना खाने के लिए कंकरखेड़ा की तरफ गई थी। देर रात खाना खाने के बाद चारों कार से वापस लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार खड़ौली चौराहे से आगे राज रिसॉर्ट के सामने कार चला रहे निखिल ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया तो उनकी कार आगे चल रहे ट्रक के पिछले पहिए से टकरा गई। इससे ट्रक और कार के पहिए फट गए। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

डिवाइडर से टकराते ही अनुराधा कार से निकलकर सड़क पर गिर गई। हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अनुराधा की मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर थाने आ गई। सीओ दौराला प्रकाशचंद्र अग्रवाल का कहना है कि तहरीर आने पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

लावारिश मिला महिला का शव, क्षत-विक्षत था शरीर- सिद्धार्थनगर की थी रहने वाली, हत्या कर फेंका गया था

बस्ती, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र से दो साल के बेटे के साथ घर से निकली 30 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका बेटा रात नौ बजे लावारिस हालत में पुलिस को मिला, मगर उसके कुछ न बता पाने की वजह से पुलिस असमंजस में थी।

इसी बीच बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे रुधौली नगर पंचायत के कामता प्रसाद नगर वार्ड स्थित लक्ष्मी देवी कन्या इंटर कॉलेज के बगल स्थित बगीचे में महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने की सूचना मिली। शव पर गला रेतने सहित चेहरे और पेट पर गहरे घाव के निशान पाए गए।शव के पास से मिला आधार कार्ड उसकी पहचान प्रीति मौर्य पत्नी बाबूलाल मौर्य के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे उसके पति व सास ज्ञानमति ने बताया कि बुधवार को करीब तीन बजे घर से बच्चे को लेकर निकली थी।पुलिस ने बच्चे को उसके पिता के सुपुर्द कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसकी मोबाइल आदि पुलिस को नहीं मिली। एएसपी कृष्णकांत ने बताया कि बाबूलाल मिठाई का कारीगर है। परिवार के लोगों से बात की जा रही है। अभी हत्या का मोटिव पता नहीं चल पाया है।

कानपुर में एक ही कमरे में देवरिया के चार युवकों की मौत, खाना खाकर सोने गए...उठे ही नहीं

देवरिया, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

कानपुर में पनकी आयल सीड्स कंपनी के परिसर में एक कमरे में सो रहे तवक्कलपुर गांव के चार युवकों की मौत से बृहस्पतिवार की सुबह गांव में कोहराम मच गया। एक ही गांव के चारों युवकों की मौत से सुबह-सुबह ही गांव में चारों तरफ चित्कार सुनाई देने लगा। तवक्कलपुर गांव के रहने वाले अमित कुमार बरनवाल (24) पुत्र अयोध्या, संजू सिंह (24) पुत्र फतेह बहादुर सिंह, दाऊद अंसारी (25) पुत्र यासीन, राहुल सिंह(23) पुत्र लल्लन सिंह, अमित का भाई अरुण व नागेंद्र एक ही साथ कानपुर के पनकी इंडस्ट्रियल साइड नंबर दो के डी 58 में आयल सीड्स कंपनी में वेल्डर का काम करते थे।

रोज की तरह अमित, संजू, दाऊद और राहुल बुधवार की रात खाना खाकर फैक्टरी परिसर में बने एक कमरे में सो गए। अमित का भाई अरुण और नागेंद्र बगल में एक कमरे में सोने चले गए। नागेंद्र ने बताया कि सुबह देर तक चारों में से कोई नहीं दिखा। देर तक उनके नहीं उठने पर वह उन्हें जगाने पहुंचा।

उसने काफी आवाज लगाई लेकिन भीतर से कोई आवाज नहीं आई। इसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो चारों के शव कमरे में पड़े थे। कमरे में एक कोयले की अंगीठी जल रही थी। बताते हैं कि कमरे में जल रही अंगीठी के धुएं के कारण दम घुटने से उसकी मौत हो गई। घटना का असली कारण तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

इस हृदयविदारक हादसे में जहां राहुल के रूप में घर का इकलौता चिराग बुझ गया, वहीं दाऊद के रूप में एक साल की दुधमुही बच्ची के सिर से पिता का साया उठ गया। जिस घर में सहनाई की गूंज सुनाई दे रही थी, अचानक वहां चीख और पुकार सुनाई देने लगी।

अमित बृहस्पतिवार को जिम्बाबे तो अन्य युवक

कॉमेडी टाइमिंग की क्वीन गुड्डी मारुति ने दिखाई अपने बचपन की फोटो

हिंदी सिनेमा का हंसाने और गुदगुनाने पर मजबूर कर देने वाला चेहरा गुड्डी मारुति सभी को याद होगीं। डायलॉग बोलकर कॉमेडी करना आसान होता है, लेकिन गुड्डी के चेहरे के एक्सप्रेशन ही दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देते थे। बुधवार को गुड्डी ने अपने बचपन की प्यारी सी फोटो फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसे देखकर किसी के लिए भी उन्हें पहचान पाना मुश्किल होगा। कॉमेडी टाइमिंग की क्वीन गुड्डी मारुति ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है और अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है। एक्ट्रेस ने फोटो के कोलाज में एक तरफ अपने बचपन की तो दूसरी तरफ अपनी यंग एज की फोटो पोस्ट की है। बचपन की फोटो में गुड्डी खिलकर मुस्कुराती दिख रही हैं और माथे पर लाल बिंदी भी लगा रही हैं, जबकि दूसरी फोटो में वे बहुत शांत और प्यारी लग रही हैं। एक्ट्रेस ने फोटो के कैप्शन में लिखा, मेरी बचपन की तस्वीर, तब और अब।

गुड्डी मारुति भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर हिंदी सिनेमा जगत की पुरानी यादों को ताजा करती रहती हैं। इससे पहले अपने पोस्ट में उन्होंने जूही चावला और अक्षय कुमार के साथ अपनी थ्रो-बैक फिल्मों का पोस्ट डाला था, जिस पर उन्होंने लिखा, एक 'किस' की कीमत तुम क्या जानो अक्षय बाबू।ये सीन 1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी'' का है, जिसमें वे अक्षय कुमार के साथ जबरदस्ती किस करती दिखी थीं।

गुड्डी मारुति ने हिंदी सिनेमा में लगभग हर बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर की थी। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'सौ दिन सास के' से की थी, जो साल 1980 में आई थी। जिसके बाद गुड्डी साल 1985 में आई 'बेवफाई', 'मां कसम', 1986 में आई 'आग और शोला', 'नगीना', 1987 में आई 'हुकूमत' समेत 'कसम', 'जैसी करनी वैसी भरनी' और 'बलवान' में दिखीं थी। फिलहाल एक्ट्रेस पर्दे से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया के जरिए आज भी अपने फैंस को गुदगुदाती रहती हैं।

त्रिशा कर मधु ने साड़ी में लगाए भोजपुरी ठुमके

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित और खूबसूरत अभिनेत्री त्रिशा कर मधु ने मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो गानों पर रील्स बनाकर पोस्ट की, जो अब फैंस के बीच खूब चर्चा बटोर रही है। वीडियो में वह डांस और अभिनय का जलवा बखूबी दिखा रही है। पहले वीडियो में वह साड़ी में ठुमके लगाती दिख रही हैं, जबकि दूसरे वीडियो में वह गाड़ी में बैठकर अपने एक्सप्रेशन से दर्शकों को अपना कायल बना रही हैं। इन पोस्ट्स ने सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स का ध्यान खींचा और फैंस ने उनके अंदाज और परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की। पहले वीडियो में त्रिशा कर मधु 'पतरे कमरिया बा' गाने पर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वह साड़ी पहने हुए ठुमके लगा रही हैं। उनकी डांस स्टेप्स और अदाएं देखने लायक हैं, जो गाने के म्यूजिक और बीट के साथ पूरी तरह मेल खा रही हैं। यह गाना शैलेन्द्र गौतम और शिवानी सिंह ने गाया है, जबकि इसके बोल राहुल खरवार ने लिखे हैं। म्यूजिक श्याम साइम का है और इसका कंपोजिशन भी राहुल खरवार ने किया है। त्रिशा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। उनके फैंस कमेंट सेक्शन के जरिए जमकर तारीफ कर रही हैं। दूसरे वीडियो में त्रिशा कर 'शीला हउ का' गाने पर रील बनाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वह एक गाड़ी में बैठी हुई हैं और अपने एक्सप्रेशन्स के जरिए से गाने की भावनाओं को दर्शकों तक पहुंचा रही हैं। वीडियो में उनकी अदाओं और चेहरे के हावभाव ने गाने को और भी मजेदार बना दिया है। यह गाना चंद जी और शिल्पी राज ने गाया है, जबकि इसके बोल मनु साहू ने लिखे हैं। म्यूजिक सतेन्द्र जी का है और इसका कंपोजिशन और मिक्सिंग गौरव रोशन ने किया है।

सिंगर शेखर रवजियानी ने बिगबी को बताया अपना गुरु

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से मिलने और उनसे बात करने का सपना हर किसी का होता है। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी का अमिताभ बच्चन से मिलने, बात करने और उनके साथ समय बिताने का सपना भी पूरा हो चुका है। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ कुछ फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। फोटो 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट की हैं। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट से फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वे अमिताभ बच्चन के साथ दिख रहे हैं। फोटो में वे कभी अमिताभ बच्चन को माइक दे रहे हैं, तो दूसरी फोटो में अमिताभ बच्चन सिंगर को आशीर्वाद दे रहे हैं। फोटोज देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों ने ही सेट पर ढेर सारी मस्ती की है। शेखर रवजियानी ने लिखा, जब मुझे केबीसी के डायरेक्टर का फोन आया और उन्होंने मुझे शो में आने के लिए कहा तो मैं अमिताभ बच्चन साहब के साथ केबीसी खेलने के लिए एक्साइटेड और घबराया हुआ था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या पहनूं।उन्होंने आगे लिखा, मैंने केबीसी के सेट पर पहले रिहर्सल की और क्रू मेंबर्स से मिला। फिर, बिगबी से मिलने का समय आ गया। मुझे उनसे आशीर्वाद और प्यार भरा हग मिला।

कर्म पर करें पूरा फोकस परिणाम पर नहीं

भगवदगीता के कोट्स शेयर कर रवीना टंडन ने किया फैंस को मोटिवेट

90 के दशक की एक्ट्रेस रवीना टंडन आज भी फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' में दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच रवीना ने सिंपल और अच्छी लाइफ जीने के लिए भगवद गीता के कुछ अनमोल वचन शेयर किए हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और भगवद गीता के अच्छे वचनों को शेयर किया है। पोस्ट में लिखा है, अपने कर्म पर पूरा फोकस करें, ये जाने बिना कि आगे इसका परिणाम क्या होगा। कर्म पर फोकस करें न कि उसके रिजल्ट पर। दूसरे पोस्ट में लिखा, जीत होने पर ज्यादा खुशी जाहिर न करें और अपनी हार पर ज्यादा दुखी न हों, जिंदगी को संतुलन के साथ चलाएं। एक अन्य पोस्ट पर लिखा है, ईमानदारी और दयालुता ही इंसान की असली ताकत होती है, हमेशा वहीं चुनें जो सही है, न कि सरल।

फैंस को भी एक्ट्रेस के ये विचार काफी पसंद आ रहे हैं। रवीना टंडन एक्ट्रेस होने के समाज सेविका भी हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पशु-पक्षियों पर दया दिखाने की अपील फैंस से करती हैं। दिल्ली में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में बंद करने के आदेश पर एक्ट्रेस ने अपनी भड़ास निकाली थी और फैसले को असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि कुत्तों को शेल्टर होम में बंद कर देना कोई स्थाई समाधान नहीं है। इसके बदले आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करने के बाद उन्हें छोड़ देना चाहिए।

रवीना टंडन को इसी महीने टेलीविजन सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में निगेटिव भूमिका के लिए दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पुरस्कार से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें साल 2022 में भी 'अरण्यक' वेबसीरीज के लिए भी दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। उन्होंने सीरीज में कस्तूरी डोगरा के किरदार के लिए ये अवॉर्ड जीता था। उन्होंने अपने करियर में तमाम अवॉर्ड जीते हैं इतना ही नहीं। उनकी बेटी राशा टंडन भी फिल्मों में कदम रख चुकी हैं।

शिल्पा-मिथुन की ऑनस्क्रीन जोड़ी आज भी फेवरेट, प्रशंसकों की डिमांड पर की नौ फिल्में

1990 और 2000 के दशक के बीच बॉलीवुड में कई अभिनेत्री आईं और चली गईं, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं, जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हैं। शिल्पा शिरोडकर उन्हीं में से एक हैं। अपनी खूबसूरती, अदाकारी और स्क्रीन पर सहज हाव-भाव के लिए प्रसिद्ध शिल्पा ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। लोगों ने उनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ बेहद पसंद की। उन्होंने कुल नौ फिल्मों में मिथुन के साथ काम किया और हर बार दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने सराहा। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री और थिएटर से गहरा ताल्लुक रहा है। उनकी दादी मीनाक्षी शिरोडकर मराठी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री थीं और उनकी मां गंगू बाई भी अभिनय से जुड़ी थीं। इस तरह शिल्पा को बचपन से ही फिल्मों और अभिनय की दुनिया का अनुभव मिला। उनकी छोटी बहन नम्रता शिरोडकर भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और 1993 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीत चुकी थीं।

शिल्पा ने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म 'भ्रष्टाचार' से की। इस फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था, जिन्होंने उन्हें मिथुन चक्रवर्ती और रेखा के साथ काम करने का मौका दिया। फिल्म में शिल्पा ने अंधी लड़की का किरदार निभाया। यह उनका पहला बड़ा ब्रेक था। हालांकि, इस फिल्म से उन्हें लोकप्रियता तो नहीं मिली, लेकिन उनके टैलेंट की सराहना हुई। उन्हें पहचान 1990 में आई 'किशन कन्हैया' से मिली। इस फिल्म में उनके साथ मुख्य अभिनेता अनिल कपूर थे और शिल्पा ने राधा का किरदार निभाया। दर्शकों ने उनके अभिनय को पसंद किया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसी दौरान शिल्पा और मिथुन की जोड़ी पहली बार नजर आई और उनके बीच की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब भाई। इसके बाद शिल्पा ने कई हिट फिल्मों में काम किया। इनमें 'योद्धा', 'खुदा गवाह', 'आंखें', 'गोपी किशन', 'बेवफा सनम' और 'मृत्युदंड' जैसी फिल्में शामिल हैं। मिथुन चक्रवर्ती के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों की सबसे पसंदीदा जोड़ी में से एक बन गई। दोनों ने साथ में कुल नौ फिल्मों में काम किया और हर बार उनकी परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई।शिल्पा ने अपने करियर में कई पुरस्कारों के लिए नामांकन भी हासिल किए। उन्हें 1993 में फिल्म 'खुदा गवाह' में उनके रोल के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए नामांकित किया गया। उनकी मेहनत, दमदार अभिनय और स्क्रीन पर सहज अंदाज ने उन्हें दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई।

साल 2000 में शिल्पा ने यूके के बैंकर अपरेश रंजीत से शादी कर इंडस्ट्री से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने करीब 13 साल तक अभिनय से ब्रेक लिया और परिवार के साथ समय बिताया। हालांकि, साल 2013 में उन्होंने टीवी शो 'एक मुट्ठी आसमान' के जरिए छोटे पर्दे पर वापसी की और फिर कई अन्य टीवी शोज में भी नजर आईं। वह कलर्स चैनल के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई, लेकिन फिनाले से कुछ पहले टॉप 6 में रहते हुए बाहर हो गई।

देवी लक्ष्मी की कृपा से वृषभ, मकर समेत पांच राशियों के जातक पाएंगे लाभ

आज यानी 21 नवंबर दिन शुक्रवार है और आज तिथि है मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा। और आज चंद्रमा का गोचर दिन रात मंगल की राशि वृश्चिक में होने जा रहा है। चंद्रमा में गोचर में आज मंगल, सूर्य और बुध के साथ संचार करेंगे। ऐसे में आज सूर्य और मंगल की युति से जहां आदित्य मंगल योग बनेगा वहीं आज चंद्रमा और मंगल युति में होने से लक्ष्मी योग बनाएंगे। इस पर आज अनुराधा उपरांत ज्येष्ठा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। साथ ही आज शुक्रवार को मालव्य राजयोग भी बन रहा है। ऐसे मे आज का दिन देवी लक्ष्मी की कृपा से लक्ष्मी योग में वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक और मकर राशि के जातको के लिए भाग्यशाली रहेगा,

वृषभ राशि –वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन बिजनेस और कामकाज के लिहाज से अच्छा है। आपको आज कारोबार में खूब लाभ मिलेगा। आपका पेमेंट कहीं फंसा है तो वह आपको वापस मिल सकता है। नौकरी में भी आज का दिन आपका अनुकूल बीतेगा। कोई योजना जो आपकी काफी समय से अटकी हुई है वह पूरी हो सकती है। आप आज विदेशी क्षेत्र से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको शिक्षा के मामले मं भी आज भाग्य का सपोर्ट मिलेगा। आपने किसी योजना में धन लगाया हुआ है तो वहां से भी आपके लिए लाभ का संयोग बनता दिख रहा है। आर्थिक पक्ष आज आपका संतुलित रहेगा। उपहार भी मिल सकता है।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कर्क राशि – कर्क राशि के लिए आज सितारे उत्तम स्थिति को दर्शा रहे हैं। आपको आज किसी शुभ काम में भाग लेने का मौका मिलेगा। कुछ नए लोगों से भी आपके संपर्क बनेंगे। कोई सोचा हुआ जरूरी काम पूरा होने से आपका मनोबल बढ़ेगा और मन में प्रसन्नता भी बनी रहेगी। आपको आज भाग्य कहीं से अचानक लाभ दिला सकता है। नौकरी में आपका दिन आज अनुकूल बीतेगा। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी के काम में आपको लाभ मिलने का योग बना हुआ है। सामाजिक क्षेत्र में आप सम्मान प्राप्त कर पाएंगे। विपरीतलिंगी सहकर्मियों और संबंधियों से सहयोग का अच्छा संयोग बना हुआ है।

उपाय : कर्क राशि के जातकों को को आज उपाय के तौर पर देवी लक्ष्मी को बतासे और लौंग अर्पित करना चाहिए।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन शुभ फलदायी रहेगा। आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। नौकरी में आपको कोई नई और बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपको आज किसी मित्र या संबंधी से मिलने का संयोग बन सकता है। कारोबार में आज आपको अपेक्षा से बढ़कर लाभ मिलेगा। कैटरिंग और होटल के काम से जुड़े जातकों की व्यस्तता बनी रहेगी लेकिन कमाई में भी इजाफा होगा। आपको आज लव लाइफ में भी भाग्य का साथ प्राप्त होगा। कोई निकट संबंधी आपको खुशखबरी दे सकता है। बच्चो के साथ आपको मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। राजनीतिक संपर्क का आप लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

उपाय : सिंह राशि के जातकों को आज उपाय के तौर पर चावल का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि –आज शुक्रवार का दिन वृश्चिक राशि के लोगों के लिए शुभ लाभदायक होगा। आप आज साहस और आत्मविश्वास से अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता पाएंगे। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कोई अच्छा मौका मिल सकता है। बिजनेस में आपको आज कोई बड़ी डील मिल सकती है। आपका कोई काम जो काफी समय से अटका हुआ था वह पूरा हो सकता है। नौकरी में अधिकारियों से आपको सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लव लाइफ में आपको प्रेमी से उपहार मिल सकता है। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता आएगी। सुख साधनों में वृद्धि का भी संयोग बना हुआ है। आपको आज प्रॉपर्टी का भी लाभ मिल सकता है।

उपाय : आज आपको उपाय के तौर पर हनुमानजी को तुलसी की माला भेंट करना चाहिए।

मकर राशि – मकर राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन सुखद रहेगा। आपको आज किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिलेगा। किसी अपरिचित व्यक्ति के द्वारा आपको आज सहयोग मिलने का भी योग बना हुआ है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज किसी और मांगलिक काम में भाग लेने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक जीवन में आपको सुख सहयोग मिलेगा। कोई कानूनी मामला चल रहा है तो उसमें आपको सफलता मिल सकती है। आपकी राशि में आज वाहन और सुख साधन मिलने का भी योग बनता दिख रहा है। जो लोग नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं उनको प्रयास तेज कर देना चाहिए।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर मिश्री और लौंग देवी लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए। चावल का दान भी शुभ रहेगा।

घर में कछुआ रखने से पहले जान लें ये बातें, बढ़ेगा बैंक बैलेंस, नौकरी और व्यापार में मिलेगी तरक्की

फेंगशुई और वास्तुशास्त्र में घर में कछुआ रखने का खास महत्व होता है। इसे कई लोग अपने घर में सुख-समृद्धि के लिए लाकर रखते हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से परिवार के सभी सदस्यों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, कछुए को अपने ऑफिस में रखना भी शुभ माना गया है। इससे जातक को नौकरी और व्यापार में तरक्की मिल सकती है। लेकिन घर या दफ्तर में कछुआ रखने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी होता है। इसे गलत स्थान या दिशा में रखने से पूर्ण फल की प्राप्ति नहीं होती है।

घर में कैसे और कहां रखें कछुआ

फेंगशुई के अनुसार, कछुए को सही स्थान और सही प्रकार रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। पौराणिक ग्रंथों और हिंदू धर्म में कछुए को सुख-समृद्धि देने वाला माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, विष्णुजी ने स्वयं कच्छप अवतार लिया था। साथ ही, कछुए को शांत जीव माना जाता है। ऐसे में आप इसकी फोटो अपने मंदिर में लगा सकते हैं। इसके अलावा, कछुए की छोटी प्रतिमा को पानी से भरे पीतल या अष्टधातु के पात्र में रखना चाहिए। इस प्रकार घर या अपने मंदिर में कछुआ रखने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

सही दिशा में रखें कछुआ

अक्सर हम घर पर अपने अनुसार स्थान चुनकर कछुए को रख देते हैं। लेकिन फेंगशुई और वास्तु में इसे रखने की सही दिशा बताई गई है, जिसका ध्यान जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि उत्तर दिशा माता लक्ष्मी की होती है। ऐसे में कछुए को अपने घर में उत्तर दिशा में ही रखना चाहिए। ऐसा करने से धन की देवी माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जातक का बैंक बैलेंस भी बढ़ सकता है। मान्यता है कि उत्तर दिशा में कछुआ रखने से शत्रुओं का भी नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

पीतल का कछुआ दिलाएगा तरक्की

अगर आप व्यवसाय, बिजनेस या नौकरी में लगातार बाधाओं और समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो घर या कार्यस्थल पर पीतल का कछुआ लाकर रख सकते हैं। इससे कार्यों में आने वाली बाधाएं कम होने लगती हैं और सफलता के मार्ग खुलते हैं। वहीं, विद्यार्थियों के लिए भी पीतल का कछुआ बहुत शुभ फलदायी होता है। इससे आपको शिक्षा के क्षेत्र में लाभ मिल सकता है और मेहनत का फल भी प्राप्त होता है। पीतल का कछुआ घर में रखने से आसपास का माहौल हमेशा सकारात्मक बना रहता है।

धन प्राप्ति के लिए रखें ऐसा कछुआ

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए अपने घर या ऑफिस में क्रिस्टल से बना कछुआ लाकर रख सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा कछुआ धन प्राप्ति का सूचक होता है। इससे आपको आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है और धन में वृद्धि होने की संभावनाएं बढ़ने लगती हैं। इसके अलावा, आप चाहें तो अपने घर या ऑफिस के मुख्य द्वार पर कछुए की फोटो भी लगा सकते हैं। इससे व्यापार में उन्नति के नए मार्ग खुलते हैं और जातक को नौकरी में भी सफलता प्राप्त हो सकती है।

घर में कब रखें 2 कछुए

फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आपके घर में अक्सर छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते रहते हैं या तनाव बना रहता है तो इसके लिए छोटा सा काम कर सकते हैं। इसके लिए अपने घर में कछुओं का जोड़ा यानी 2 कछुए लाकर रख लें। ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मकता बढ़ती है। साथ ही, आपको गृह क्लेश से भी मुक्ति मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। घर में सुख-शांति और खुशनुमा माहौल बनाए रखने के लिए कछुओं का जोड़ा रखना सबसे उत्तम माना गया है।

कुछ भूखण्ड देते हैं सुख-सम्पत्ति तो कुछ लाते हैं जीवन में विपत्ति

अगर मकान वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ भूमि पर बना हो तो खराब ग्रह दशा होने पर भी अनिष्ट ग्रहों का प्रभाव उतना नहीं पड़ता, जितना कि वास्तु विपरीत भूमि पर निर्माण करने पर व्यक्ति को कष्ट सहना पड़ता है।

वर्गाकार भूखंड– जिस भूमि की लंबाई चौड़ाई समान हों, अंदर के चारों कोण 90 डिग्री के हो, इसे वर्गाकार भूमि कहते हैं, जो कि शुभ। अगर चारों दिशाओं और कोणों का ध्यान रखकर वास्तु सम्मत भवन बनाया जाए तो उसमें निवास करने वालों के जीवन में सुख-समृद्धि रहती है।

आयताकार भूखंड– जिस भूखंड की लंबाई अधिक, चौड़ाई कम हो, आमने-सामने की सीमाएं बराबर हो तथा चारों कोनों में समकोण 90 डिग्री बनाता हो, उसे आयताकार भूमि कहते हैं। वास्तु शास्त्र की दृष्टि से यह भूखंड श्रेष्ठ कहलाता है, इस पर भवन निर्माण करना धन, यश और सफलता का प्रतीक बनता है।

वृत्ताकार यानि गोलाकार भूखंड– गोल अर्थात् वृत के आकार की भूमि बहुत ही दुर्लभ होती है, अनेक लोग अपने बहुकोणीय भूखंड को गोलाई की परिधि में ले आते हैं। ऐसी भूमि पर मकान बनाकर रहने से धन का प्रचुर लाभ होता है, आमदनी के कई स्रोत खुलते हैं। घर में नाना प्रकार के सुख-साधन तथा सजावट की वस्तुएं रहती है।

त्रिकोणाकार भूखण्ड– त्रिकोणाकार भूमि बहुत कम देखने में आती हैं, जिस भूमि में तीन कोने एक त्रिकोण की आकृति लेते हों, उसे त्रिभुजाकार या त्रिकोणाकार भूमि कहते हैं। इस प्रकार की भूमि कष्ट, दुःख, क्लेश एवं कलहकारक मानी जाती है, इसमें रहने वाले को दैवी आपदा झेलनी पड़ती है, इसलिए इस तरह की भूमि में प्रायः मंदिर आदि का निर्माण ही फलप्रद रहता है। इस भूमि पर निवास करने पर कानूनी अड़चनें मुकदमा, राजभय तथा कारागार आदि का भय रहता है। अगर वास्तु नियमों के अनुसार इसकी काट-छांठ की जाए तो बहुत सी भूमि बेकार चली जाती है, इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करना आसान नहीं होता। जहां तक हो इसे मकान बनाने के लिए उपयोग में कदापि नहीं लाना चाहिए।

इस प्रकार चक्राकार भूखण्ड, शकटाकार भूखण्ड, पंखाकार भूखण्ड, तबलाकार भूखण्ड, शूर्पाकार भूखण्ड जैसे कई प्रकार के भूखण्ड लम्बाई-चौड़ाई के भेद से देखने को मिलते हैं।

महाभारत युद्ध से पहले दुर्योधन ने कर दी एक बड़ी गलती, कौरव सेना पर भारी पड़ गए अकेले अर्जुन, भीष्म कर्ण हुए अचेत

महाभारत युद्ध से पहले जब पांडव विराट राज्य में अज्ञातवास काट रहे थे तब कीचक के वध के बाद दुर्योधन ऐसी गलती कर बैठे की उनका सामना सीधा अर्जुन से हुआ। तब युद्ध के मैदान में कौरव सेना पर अर्जुन का 12 साल का क्रोध ज्वालामुखी बनकर फूटा। इसका परिणाम यह हुआ की दुर्योधन न तो पांडवों का अज्ञातवास भंग कर पाया और गोधन हरण करने में भी असफल रहा। अंत में कौरवों की सेना को वहां से अपमानित होकर वापस लौटना पड़ा। आइए विस्तार से जानते हैं कि आखिर दुर्योधन ने महाभारत युद्ध से पहले ऐसी क्या गलती की और अकेले अर्जुन कौरव सेना पर कैसे भारी पड़ गए...

भीम ने कीचक किया का वध

पांडव और द्रौपदी 12 साल के वनवास के बाद 1 वर्ष का अज्ञातवास अपना रूप बदलकर विराट राज्य में काट रहे थे। उस दौरान कीचक द्रौपदी के रूप पर मोहित हो गया और उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगा। जिससे भीम बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने कीचक का वध कर दिया। जब यह बात दुर्योधन को पता चला की कीचक का वध हो गया तब सभी चकित रह गए कि आखिर कीचक जैसे महारथी का वध कौन कर सकता है, वह तो अजय था। इस पर कर्ण ने कहा की कीचक का वध केवल भीष्म पितामह, स्वयं दुर्योधन, कर्ण और भीम कर सकते हैं। कौरवों ने तब अनुमान लगाया की कीचक का वध करने वाला भीम हो सकता है क्योंकि वह ही इस समय यहां नहीं है और उनके रहने का स्थान भी किसी को नहीं पता है।

दुर्योधन ने विराट राज्य पर आक्रमण करने की बनाई योजना

कौरवों द्वारा अनुमान लगाने के बाद कि पांडव विराट राज्य में छिपे हुए हैं, तब दुर्योधन ने पिता महाराज धृतराष्ट्र और भीष्म पितामह से कहा की कीचक का वध हो गया है और अब विराट राज्य को बचाने वाला कोई नहीं है। ऐसे में हमें उसे अब अपने संरक्षण में ले लेना चाहिए। इसके पश्चात कौरवों ने विराट राज्य पर आक्रमण करने और गोधन हरण करने का फैसला लिया। दुर्योधन का मानना था कि भीम ने ही कीचक का वध किया है। ऐसे में दुर्योधन ने पहले अपने मित्र सुशर्मा को विराट नगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। सुशर्मा त्रिगत का राजा था और विराट राज्य उसका दुश्मन था।

अर्जुन ने उत्तरा को दिया अपना असली परिचय

विराट नगर की सेना को कमजोर समझकर सुशर्मा और कौरव सेना ने विराट राज्य पर आक्रमण कर दिया। विराट और उनके पुत्र अपनी बची हुई सेना को लेकर युद्ध करने पहुंचे। लेकिन जब युवा राजकुमार उत्तरा ने कौरवों की सेना देखी तो वह घबरा गया और उसे समझ नहीं आया की वह इतनी बड़ी सेना और इतने महारथियों का सामना कैसे करेगा। तब अर्जुन ने विराट के पुत्र उत्तरा को रोका और उन्हें अपने साथ एक वन में ले गए। वहां पांडवों ने अपने सारे अस्त्र-शस्त्र छुपाए हुए थे। जब अर्जुन सारे शस्त्र निकालने लगे तो उत्तरा चकित रह गए की जिन शस्त्रों को देखकर भी डर लगता हो वे आप पर कैसे मौजूद हैं। इस प्रश्न के उत्तर में अर्जुन ने अपना असली परिचय दिया और अपने रूपों के बारे में भी बताया।

अकेले अर्जुन कौरवों की सेना पर पड़े भारी

उत्तरा सत्य जानने के पश्चात अर्जुन के साथ युद्ध भूमि पर पहुंचे। अर्जुन बृहन्नला का रूप धारण करके विराट उत्तरा का के सारथी बनकर युद्ध करने गए थे। तब पूरी कौरवों की सेना पर अकेले अर्जुन भारी पड़ गए। दुर्योधन को इस बात का जरा भी अनुमान नहीं था की उसका सामना अर्जुन के साथ होगा। उस समय अर्जुन का 12 वर्षों का क्रोध ज्वालामुखी बनकर युद्ध की भूमि पर फूटा। इस युद्ध में भीष्म और कर्ण अचेत हो गए। ऐसे में सारे महारथी मिलकर उनपर हमला करने लगे। तब अर्जुन ने दिव्यास्त्र चलाया और सम्मोहन अस्त्र का प्रयोग करके कौरवों की सेना पर विजय प्राप्त की। इसका परिणाम यह हुआ की दुर्योधन न ही विराट राज्य को जीत पाया और न ही गोधन हरण करने में विजयी हुआ। दुर्योधन पांडवों के अज्ञातवास को भंग करने की इच्छा से भी विराट राज्य में पहुंचा था। लेकिन चंद्रमास के अनुसार, पांडवों का अज्ञातवास समाप्त हो चुका था। ऐसे में दुर्योधन पांडवों का अज्ञातवास भी भंग नहीं कर पाया।

सूर्य-चंद्रमा बन रहे अद्भुत शशि आदित्य राजयोग से निम्न राशियों को मिलेगा धन लाभ

आज यानी 21 नवंबर 2025, शुक्रवार को सूर्य और चंद्रमा की युति से शशि आदित्य योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे अत्यंत शुभ और प्रभावशाली राजयोग माना जाता है। सूर्य और चंद्रमा के एक-दूसरे के केंद्र भावों में स्थित होने से यह योग बनता है। यह अद्भुत योग व्यक्ति को नेतृत्व क्षमता और प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

इस योग के प्रभाव से जातक प्रशासनिक क्षेत्रों, सरकारी कार्यों और समाज में प्रभावशाली पद दिलाता है। यह योग आर्थिक रूप से भी लाभकारी माना जाता है। इससे धन-संपत्ति और मान-सम्मान दोनों में वृद्धि होती है।

मेष –मेष राशि के जातकों के दांपत्य जीवन में आज के दिन कुछ उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। शाम के बाद घर परिवार में मनमुटाव की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में आपकी मनोदशा तनाव से ग्रस्त रहेगी। अपने प्रेम का खुलासा करना का आज सही दिन नहीं है। इससे पारिवारिक वातावरण परेशान करने वाला हो सकता है।

वृष –आज के दिन कामकाजी गतिविधियों को जरूरत के मुताबिक संचालित करने में आप सफल रहेंगे। आपके करीबी लोग आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे, लेकिन उन पर पूरी तरह निर्भर होना ठीक नहीं रहेगा। किसी पर आंख बंद करके विश्वास करना आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकता है। बेहतर होगा कि आप महत्वपूर्ण फैसले खुद लें।

मिथुन – मिथुन राशि के लोगों को आज के दिन थोड़ा सतर्क रहना होगा। अगर आप अपने करियर में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं तो अभी परिस्थिति ठीक नहीं हैं। किसी भी काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से सलाह ले लें। सोच-समझकर निर्णय लेकर आगे बढ़ना लाभदायक रहेगा। कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ खोने की परिस्थितियां भी पैदा हो सकती हैं।

कर्क –आज आप व्यापार में कोई नई शुरुआत करने पर विचार कर सकते हैं। इस प्रयास में आपको कुछ पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। आज के दिन मदद देना भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। इसका लाभ आपको भविष्य में देखने को मिलेगा।

सिंह –आज के दिन घूमने-फिरने या किसी छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। इसके लिए पहले से तैयारी करना जरूरी होगा। बीच में कुछ अधूरे काम भी पूरे करने पड़ेंगे। दोपहर के बाद कामकाज और इधर-उधर की भागदौड़ अचानक बढ़ सकती है। ऐसे में जल्दबाजी में कोई निर्णय आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। आज धैर्य और सावधानी आपके लिए बेहद जरूरी है।

कन्या –आज के दिन आप जिस भी काम को करने का संकल्प लेंगे, उसके पूरे होने की संभावनाएं काफी मजबूत रहेगी। एडमिशन कराना हो, यात्रा पर जाना हो या कोई जरूरी सामान खरीदना हो इन सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। इसके साथ ही अटका हुआ पैसा भी आपको मिलने की संभावना दिख रही है।

तुला –तुला राशि के जातकों को तीर्थ यात्रा पर जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। आज के दिन मित्रों के लिए कुछ धन की भी व्यवस्था करनी पड़ सकती है। किसी एग्जाम परीक्षा के लिए तैयारी करने वालों को सफलता मिलेगी। घर के वरिष्ठ सदस्य से टकराव की संभावना दिख रही है। ऐसे में किसी भी तरह का टकराव आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

वृश्चिक –आज आपको अपनी कार्ययोजना में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक तौर पर आज दबाव कम रहेगा।

छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने के बाद भी आपकी सेविंग्स पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। परिवार के सदस्यों की कुछ ज़रूरतें पूरी करनी पड़ सकती है।

धनु –घर-परिवार में किसी सदस्य की सेहत आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। खराब स्वास्थ्य के कारण घर परिवार का वातावरण कुछ अवसादपूर्ण रहेगा। तनाव से उबरने का रास्ता यहीं है कि आज आप किसी मनोरंजक यात्रा पर निकल पड़ें। यदि आपके पास वाहन आदि नहीं भी हो तो सार्वजनिक वाहन का फायदा उठाया जा सकता है।

मकर –मकर राशि वालों की शारीरिक थकान धीरे-धीरे दूर होती दिखाई देगी। पिछले कई दिनों से आप जो एक्सरसाइज या योगाभ्यास कर रहे हैं उसका सकारात्मक असर दिखाई देगा। घर के छोटे सदस्यों या संतान की ओर से भी कोई अच्छा समाचार मन को प्रसन्न करेगा। इसके साथ ही आज वस्तु या किसी उपयोगी चीज का लाभ मिलने की भी संभावना है।

कुंभ –आज आपके कार्यक्षेत्र का माहौल पहले की तुलना में काफी बेहतर रहेगा। ऑफिस में हंसी-मजाक और हल्का-फुल्का मनोरंजन भी देखने को मिलेगा। किसी सहकर्मी की ओर से पार्टी मिल सकती है। कुल मिलाकर आज का दिन ऑफिस में सकारात्मक हेगा।

मीन –मीन राशि के जातकों का मूड थोड़ा खराब रह सकता है। विपरीत हालातों से मन परेशान रहेगा। युवा वर्ग को दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम संबंधों को लेकर शिकायत रहेगी। जीवन साथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा। कुछ जरूरी खर्चे भी सामने आयेंगे। बुजुर्गों का सहयोग कुछ हद तक माहौल को ठीक करने में सहायक होगा।

संपादकीय

आपदा से चिन्हित चुनाव

स्थानीय निकाय चुनावों की फेहरिस्त में अगर चुनाव आयोग चार कदम आगे है, तो आपदाग्रस्त राज्य की तस्वीर में अभी आगे बढ़ने की फुर्सत नहीं। पूरा प्रदेश डिजास्टर एक्ट के तहत अपनी क्षतिपूर्ति, पुनर्वास और राहत की उम्मीदों में सुबह होने की मशक्कत में है। कुछ इलाके अभी भी आपदा से चिन्हित अपने घाव मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो चुनाव की दोपहरी के नीचे आयोग के लिए यह माकूल समय है। यानी प्रदेश के दो धरातल पर भविष्य देखा जा रहा है। एक ओर सरकार स्थानीय निकाय चुनावों की तिथि के बजाय आपदा राहत के केंद्रीय फरमानों में पंद्रह सौ करोड़ तथा भारी नुकसान की भरपाई के लिए अतिरिक्त धन के लिए दौड़ रही है। ऐसे में एक ओर चुनावी विचार की मौलिकता में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए झाड़-पोंछा लगाना आसान प्रतीत हो रहा है तो दूसरी ओर अपने-अपने समाधान पर लगी प्रदेश सरकार, डिजास्टर एक्ट की निरंतरता में अपने स्टैंड पर कायम है। यानी उसे कुछ समय बाद चुनाव की नजाकत चाहिए। सत्ता के तीसरे साल में स्थानीय निकाय चुनाव प्रदेश की सियासत में विपक्ष की तैयारियों के लिए एक पड़ाव सरीखा है। सत्ता को काम करने हैं, तो प्रतिपक्ष को सियासी क्रीड़ा में अपना नाम करना है। बहरहाल यहां चुनाव आयोग सीधे-सीधे सरकार के मंतव्य पर संदेह कर रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल कुमार खाची के अनुसार जिस शिद्दत से मतदाता सूचियों का प्रकाशन तथा आरक्षण रोस्टर का निर्धारण होना चाहिए था, वह यूं ही टाला जा रहा है। इस विवाद में कितना सत्य व कितना अद्र्धसत्य है, यह अब सामान्य प्रश्न का सामान्य उत्तर नहीं है। एक मुहाने पर चुनाव को लेकर बहस का आंगन विपक्ष की कचहरी बन गया, तो दूसरे पर सरकार का स्टैंड अब कानूनी बहस का आसरा ढूंढ रहा है। हिमाचल में पंचायत व नगर निकायों के चुनाव, यहां के जनमानस की राजनीतिक जागरूकता का परिचय रहे हैं, इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि किसी तरह की देरी से कोई विराम पैदा हो जाएगा। बावजूद इसके दोनों पक्षों की दलीलों में एकतरफा नहीं हो सकते। आपदा प्रभावित क्षेत्रों की ग्राउंड रिपोर्ट तो यही बताती है कि कई गांवों के संपर्क आज भी टूटे हैं। इस दर्द का बयां स्वयं नेता प्रतिपक्ष भी अपने चुनाव क्षेत्र के हवाले से कर चुके हैं और बरसात त्रासदी के जख्म कुल्लू, मंडी, चंबा व सिरमौर जैसे जिलों में आज भी राहत की चुगली कर रहे हैं। कनेक्टिविटी के हिसाब से हिमाचल का एक बड़ा हिस्सा या तो कटा हुआ है या फौरी इंतजाम की जरूरत में नजरअंदाज है। आखिर यह चुनाव हैं तो जनता के लिए ही। उस जनता के लिए भी हैं जिनके घर टूट चुके हैं या पूरी खेती बह गई है। कहीं पूरे के पूरे गांव तो कहीं बाजार का अस्तित्व मिट चुका है। चुनाव आयोग की सक्रियता के पैमाने एकतरफा नहीं हो सकते, बल्कि एक व्यापक सर्वेक्षण से उस सतह की तलाशी ली जाए, जिसके ऊपर हमारा लोकतंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाता है। ऐसे में यह तो मानना पड़ेगा कि इस वक्त चुनाव का मुद्दा नहीं, बल्कि चुनाव को मुद्दा जरूर मिल गया। हो सकता है कुछ गांव और शहरों में चुनाव की फेहरिस्त बनाना आसान हो, लेकिन बरसात के पूरे जख्म समाप्त हो गए, यह मानना भी तो गलत है। जाहिर है आपदा से चुनाव नहीं लड़ सकते, लेकिन आपदा राहत के लिए केंद्र सरकार से पूछा जा सकता है कि यहां सामान्य परिस्थितियों की बहाली का रास्ता क्यों कर रोका गया है। बहरहाल स्थानीय निकाय चुनावों के परिप्रेक्ष्य में करवटें ले रहा हिमाचल कई राजनीति मंसूबों को जन्म दे चुका है। कई नए व युवा चेहरे अपने जीवन में राजनीतिक हसरतों के साथ इंतजार कर रहे हैं कि जनता के समक्ष विकल्प रखा जाए। प्रदेश के शहरीकरण को आगामी चुनावों से आशाएं हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आए बदलाव को टीसीपी कानून शर्तों में कुछ तो आसान चाहिए। जो भी हो, इस द्वंद्व की आवश्यकता नहीं है और न ही हिमाचल के लिए सियासत की ऐसी बंदरबांट सही होगी। चुनावों की अनिवार्यता में प्रदेश की सामान्य स्थिति का होना, कहीं ज्यादा आवश्यक है।

सत्ता को काम करने हैं, तो प्रतिपक्ष को सियासी क्रीड़ा में अपना नाम करना है। बहरहाल यहां चुनाव आयोग सीधे-सीधे सरकार के मंतव्य पर संदेह कर रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल कुमार खाची के अनुसार जिस शिद्दत से मतदाता सूचियों का प्रकाशन तथा आरक्षण रोस्टर का निर्धारण होना चाहिए था, वह यूं ही टाला जा रहा है। इस विवाद में कितना सत्य व कितना अद्र्धसत्य है, यह अब सामान्य प्रश्न का सामान्य उत्तर नहीं है। एक मुहाने पर चुनाव को लेकर बहस का आंगन विपक्ष की कचहरी बन गया, तो दूसरे पर सरकार का स्टैंड अब कानूनी बहस का आसरा ढूंढ रहा है। हिमाचल में पंचायत व नगर निकायों के चुनाव, यहां के जनमानस की राजनीतिक जागरूकता का परिचय रहे हैं, इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि किसी तरह की देरी से कोई विराम पैदा हो जाएगा। बावजूद इसके दोनों पक्षों की दलीलों में एकतरफा नहीं हो सकते। आपदा प्रभावित क्षेत्रों की ग्राउंड रिपोर्ट तो यही बताती है कि कई गांवों के संपर्क आज भी टूटे हैं। इस दर्द का बयां स्वयं नेता प्रतिपक्ष भी अपने चुनाव क्षेत्र के हवाले से कर चुके हैं और बरसात त्रासदी के जख्म कुल्लू, मंडी, चंबा व सिरमौर जैसे जिलों में आज भी राहत की चुगली कर रहे हैं।

कुछ अलग

दुख की बदली...

बदलते दिनों में आंसुओं की दयनीयता के बखान के स्थान पर इस दुनिया में नवस्थापन और अपने-अपने मूल्यों के प्रतिपादन का एक अचूक हथियार बनते देख मन गदगद हो गया। इससे पहले आंसू बहाना कमजोरी की निशानी माना जाता था, और इसे प्राय: औरतों के त्याज्य स्त्रैण नाव से जोड़ दिया जाता था। प्रेमिका मान-मनुहार के लिए इनका सहारा ले लेती थी, और अपने ओ जी, ए जी को पांवों की बेडियां बनाती हुई नजर आने लगती। प्रेम के बिछोड़े से लेकर आंसुओं की डगर से अध्यात्म की यात्रा तय हो जाती। मैं नीर भरी दुख की बदली जैसी अमर कविता पंक्तियों से मित्र दिवस से लेकर प्रभु मिलन के मुक्ति दिवस तक की यात्रा तय हो जाती। लेकिन पुरुषोचित स्वभाव के लिए प्राय: यही कहा जाता रहा कि जो वास्तव में पुरुष है, वह कभी आंसू नहीं बहाता। अपने चौड़े सीने और बलिष्ठ कन्धों पर आपदा और दुर्भाग्य का हर वार सह लेता है, लेकिन कभी आंसू नहीं बहाता। बड़े-बूढ़े भी पीठ थपथपा कर कह देते, 'विषम परिस्थितियों का हंस कर या साहस से मुकाबला करो, मर्दों को घिघिया कर आंसू बहाना शोभा नहीं देता।' लेकिन इस बीच जमाना तेजी से बदल गया महानुभाव। बलिष्ठ कन्धों और चौड़े सीने वाले मर्दों की प्रजाति लुप्त हो गई। उनके स्थान पर नजर आने लगे झुके कंधों और सींकिया बदन वाले जीने की भीख मांगने से उखड़े और बेकार नौजवान। उनकी पास की हुई डिग्रियां उनके गले का तौक बन गयीं, क्योंकि उनके पास उन्हें दुखों की वैतरणी पार करवाने के लिए कोई सिफारिशों की नौका या उनके प्रार्थनापत्रों को गौर के काबिल बनाने के लिए उनके नीचे चांदी के पहिये लगाने की सामर्थ्य नहीं थी।

नक्सलवाद देश के विकास पर लगा एक गहरा दंश है, जो वर्षों से शांति और प्रगति को चोट पहुँचाता रहा

अंतिम सांसें ले रहा है-रेड कारिडोर

सुनील कुमार महला

हिंसा के रास्ते ने हजारों परिवारों को दर्द, भय और असुरक्षा के सिवा कुछ नहीं दिया, लेकिन अब धीरे-धीरे हमारा देश नक्सलवाद के संपूर्ण खात्मे की ओर बढ़ रहा है, यह बहुत अच्छी बात है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 में देश में 182 जिलों में नक्सलवाद था,जो वर्तमान में यानी कि वर्ष 2025 तक केवल 11 जिलों में सिमट कर रह गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि साल 2013 से 2025 के बीच नक्सलवाद (लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म) में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वर्ष 2013 में लगभग 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, लेकिन अप्रैल 2024 तक यह संख्या घटकर सिर्फ 38 जिले रह गई है। इसके साथ ही हिंसात्मक घटनाओं में भी भारी कमी आई है-उदाहरण के तौर पर, 2010 में लगभग 1,936 घटनाएं हुई थीं, जो 2024 में घटकर 374 पर आ गईं, यानी 81 % की गिरावट हुई है। इतना ही नहीं, नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 85 % तक की कमी दर्ज की गई है- 2010 में 1,005 मौतें थीं, जो 2024 में करीब 150 तक सीमित हो गईं।

नक्सलवाद हमारे देश के लिए एक बड़ी समस्या रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि नक्सलवाद देश के विकास पर लगा एक गहरा दंश है, जो वर्षों से शांति और प्रगति को चोट पहुँचाता रहा है। यह नासूर न केवल सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देता है, बल्कि गरीब और आदिवासी क्षेत्रों की उन्नति को भी रोकता है। हिंसा के रास्ते ने हजारों परिवारों को दर्द, भय और असुरक्षा के सिवा कुछ नहीं दिया, लेकिन अब धीरे-धीरे हमारा देश नक्सलवाद के संपूर्ण खात्मे की ओर बढ़ रहा है, यह बहुत अच्छी बात है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 में देश में 182 जिलों में नक्सलवाद था,जो वर्तमान में यानी कि वर्ष 2025 तक केवल 11 जिलों में सिमट कर रह गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि साल 2013 से 2025 के बीच नक्सलवाद (लेफ़्ट विंग एक्सट्रीमिज्म) में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वर्ष 2013 में लगभग 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, लेकिन अप्रैल 2024 तक यह संख्या घटकर सिर्फ 38 जिले रह गई है। इसके साथ ही हिंसात्मक घटनाओं में भी भारी कमी आई है-उदाहरण के तौर पर, 2010 में लगभग 1,936 घटनाएं हुई थीं, जो 2024 में घटकर 374 पर आ गईं, यानी 81 % की गिरावट हुई है। इतना ही नहीं, नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 85 % तक की कमी दर्ज की गई है- 2010 में 1,005 मौतें थीं, जो 2024 में करीब 150 तक सीमित हो गईं। कुल मिलाकर, इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि नक्सलवाद का भौगोलिक विस्तार और हिंसा दोनों ही पिछले दशक में काफी कम हुए हैं, जो भारत की सुरक्षा नीतियों और विकास पहलों की सफलता को दर्शाता है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले 12 सालों में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों में तेज़ी से कमी आई है। वास्तव में यह दर्शाता है कि वर्तमान में रेड कारिडोर अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है और अब वह दिन दूर नहीं जब नक्सलवाद इस देश से पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। इस क्रम में, हाल ही में नक्सलवाद का सबसे क्रूर और खूंखार चेहरा माड़वी हिड़मा आखिरकार मारा गया। पाठकों को बताता चलूं कि हिड़मा और उसकी पत्नी राजे समेत चार अन्य नक्सलियों को 18 नवंबर 2025 मंगलवार सुबह आंध्र प्रदेश के मरेडमिल्ली के जंगल में ढेर कर दिया गया। यह इलाका छत्तीसगढ़ के बॉर्डर से लगा हुआ है। जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पहले विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम के आसपास से 31 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई थी। इनमें से 7 नक्सल चीफ देवजी के बॉडीगार्ड थे। दरअसल, इनकी निशानदेही और इनपुट के आधार पर दो दिन पहले एक बड़ा ऑपरेशन लांच किया गया। इस ऑपरेशन में आंध्र प्रदेश की ग्रेहाउंडस और सीआरपीएफ जवान शामिल थे। सुरक्षा बलों ने आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीतारामा राजू जिले में हिड़मा और साथियों को मार गिराया। गौरतलब है कि हिड़मा पर छत्तीसगढ़ समेत अलग-अलग राज्यों में 1 करोड का इनाम था तथा उसकी पत्नी राजे भी 40 लाख की

इनामी थी। हिड़मा नक्सल संगठन में इकलौता बस्तर का निवासी था, जिसे सेंट्रल कमेटी का मेंबर बनाया गया था तथा बस्तर में हुए हर बड़े हमले से उसका नाम जुड़ता रहा। हिड़मा लगभग 25 सालों तक समूचे बस्तर में आतंक का पर्याय बना रहा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह 16 साल की उम्र में संगठन से जुड़ गया था तथा उसके नेतृत्व में नक्सलियों की पीएलजीए बटालियन ने बड़े हमलों को अंजाम दिया। बस्तर में बीते 25 साल में हुए हर बड़े हमले के साथ उसका नाम जुड़ता रहा। इतना ही नहीं,हिड़मा नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआइए) और आइबी जैसी सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर रहा। पाठकों को बताता चलूं कि हिड़मा कम से कम 100 वारदातों में शामिल रहा था तथा वह क्रमशः 2007 में रानीबोदली हमले(55 जवान शहीद), वर्ष 2010 में ताड़मेटला हमले(76 जवान शहीद) वर्ष 2013 में झीरम घाटी कांड(32 कांग्रेस नेताओं की हत्या), वर्ष 2014 में (टाहकवाड़ा सुकमा हमले(16 जवान शहीद), वर्ष 2017 में बुरकापाल हमले(25 जवान शहीद), वर्ष 2020 में चिंतागुफा हमले(17 जवान शहीद) तथा वर्ष 2021 में टेकलगुड़म हमले(22 जवान शहीद) जैसे बड़े हमलों का मास्टरमाइंड रहा था। उल्लेखनीय है कि 6 अप्रेल, 2010 सुकमा के ताड़मेटला में सीआरपीएफ की एक टुकड़ी ताड़मेटला जंगल में में गश्त गश्त कर कर रही रही थी। इस दौरान नक्सलियों की ओर से घात लगाकर किए गए हमले में 76 जवान शहीद हो गए थे। यह नक्सली हमलों के इतिहास में सबसे घातक हमलों में से एक माना जाता है। हिड़मा पर इस हमले की योजना बनाने और अंजाम देने का आरोप था। इतना ही नहीं, झीरम घाटी हमले (25 मई, 2013) में भी हिड़मा का ही हाथ था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में 2013 में विधानसभा चुनाव होने थे। कांग्रेस ने परिवर्तन यात्रा शुरू की थी। 25 मई, 2013 को यात्रा सुकमा से जगदलपुर लौट रही थी। उसी दौरान नक्सलियों ने झीरम घाटी के पास हमला कर दिया। हमले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, उदय मूदलियार, योगेंद्र शर्मा समेत कई कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोग मारे गए। बहरहाल, हिड़मा जैसे बहुत ही कुख्यात व खतरनाक नक्सली को मार गिराना वाकई हमारे देश के सुरक्षा बलों, पुलिस, प्रशासन व सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है।सच तो यह है कि शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा का खात्मा नक्सलवाद के खिलाफ मिली बहुत बड़ी सफलताओं में से एक कही जा सकती है। उसके एनकाउंटर से सुरक्षाबलों की लगभग दो दशक पुरानी तलाश ही खत्म नहीं हुई है, अपितु इससे नक्सलियों के पहले से ही कमजोर पड़े शीर्ष नेतृत्व पर भी तगड़ी चोट पहुंची है। इससे देश अगले साल यानी कि साल 2026 के 31 मार्च तक नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त होने के लक्ष्य के और करीब पहुंच गया है। गौरतलब है कि हिड़मा से पहले इस साल मई में सुरक्षाबलों ने सीपीआई (माओवादी) के जनरल सेक्रेटरी नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। इसके अलावा इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में भी 300 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं, जिनमें पोलित ब्यूरो के कई सदस्य भी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि चारों तरफ से पड़ रहे दबाव के बीच नक्सलवाद अब एक छोटे-से इलाके में सिमट कर रह गया है। बहरहाल,नक्सलवाद का खात्मा केवल पुलिस व सुरक्षा बलों की कार्रवाई से नहीं, बल्कि बहुआयामी और संतुलित रणनीति से ही संभव है। इसके लिए सुरक्षा, विकास, विश्वास और शासन चारों मोर्चों पर एक साथ काम करना जरूरी है। अच्छी बात यह है कि सरकार नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार ने नक्सलियों के सामने सरेंडर का रास्ता खुला रखा है।हाल ही में 18 नवंबर 2025 मंगलवार को भी कई नक्सलियों ने हथियार डाले। ये अच्छे संकेत कहें जा सकते हैं। वास्तव में, जब नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ेंगे, तो जमीनी स्तर पर बदलाव भी आएगा।यह भी एक तथ्य है कि नक्सली खात्मे के साथ इन इलाकों को विकास भी चाहिए। आज सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की सैकड़ों-हजारों शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे। वैसे, नक्सल प्रभावित इलाकों में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आधुनिक तकनीक और बेहतर खुफिया तंत्र जरूरी है, ताकि हिंसक गतिविधियों को रोका जा सके। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में तेज विकास-सड़क, बिजली, पानी(बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर) स्कूल, अस्पताल और रोजगार के अवसर लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। आदिवासी और स्थानीय समुदायों का विश्वास जीतना भी बेहद आवश्यक है; उन्हें भूमि, वन-अधिकार और आजीविका पर सुरक्षित हक मिलना चाहिए। गलत गिरफ्तारी, प्रशासनिक अत्याचार और भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर शासन का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

देश दुनिया से

अवैध कब्जों के खिलाफ लड़नी होगी लड़ाई

आप भारत के किसी भी हिस्से में चले जाइए, गांव, कस्बा या फिर कोई बड़ा शहर, हर जगह आपको एक समस्या लगभग एक जैसी दिखाई देगी और वह है, सडक़ किनारे बढ़ते ठेले, दुकानों के आगे फैले शेड, सार्वजनिक भूमि पर बने अस्थायी ढांचे, बाजारों और संकरी गलियों में दुकानदारों द्वारा फैलाया गया सामान, उसके ऊपर गलत तरीके से खड़े वाहन और उखड़ी टूटी नालियां। यह सब मिलकर ग्राहक और नागरिक जीवन की सहजता को बाधित करते हैं, जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि व्यवस्था का पहिया कहां-कहां जाम हो चुका है। ऊपर से तुर्रा यह कि अधिकांश बाजारों में शौचालय नदारद मिलेंगे और साफ-सफाई भगवान भरोसे। जिम्मेदार अधिकारियों के तो क्या ही कहने जो फील्ड में जाने के बजाय अपनी कुर्सियों से ही चिपके रहना ज्यादा फायदेमंद समझते हैं। यह बात भी सच है कि रेहड़ी-फड़ी वाले भी समाज की जरूरतों को पूरा करते हैं और उनके परिवारों की रोजी-रोटी भी उनके छोटे मोटे काम धंधों पर निर्भर है, लेकिन उनके लिए भी सुरक्षित और वैध स्थान तय करना स्थानीय निकायों और प्रशासन का कर्तव्य है। इसी पृष्ठभूमि में अतिक्रमण के विरुद्ध हरियाणा के गुरुग्राम से निकलता हुआ एक प्रशासनिक मॉडल पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यह शहर वर्षों तक अवैध कब्जों, भूमि माफियाओं और अनियंत्रित शहरी विस्तार का प्रतीक रहा है, लेकिन हाल के दिनों में यहां एक संगठित, सख्त और पारदर्शी अभियान के माध्यम से अतिक्रमण हटाने की एक ऐसी मिसाल पेश की गई है, जिसे 'अतिक्रमण से युद्ध का गुरुग्राम मॉडल' कहा जा सकता है। गुरुग्राम में किसी भी क्षेत्र में कार्रवाई से पहले डिजिटल सर्वे किया जाता है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौनसी भूमि सरकारी है और किस पर अवैध कब्जा किया गया है। गुरुग्राम नगर नियोजन विभाग के डीटीपी आरएस बाथ ने यह दिखा दिया है कि यदि नीयत साफ हो और काम करने की स्वतंत्रता मिले, तो अतिक्रमण जैसा कठिन विषय भी परिणाम देने लगता है। उनकी यह धारणा है कि जहां पारदर्शिता होती है, वहां भ्रष्टाचार अपने आप मर जाता है, दूसरे अधिकारियों के लिए एक नायाब मिसाल है। अब हिमाचल प्रदेश की स्थिति पर दृष्टि डालें तो यहां भी अतिक्रमण एक बड़ी समस्या बन चुका है। आज भी आप राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के निकट नालों, खड्डों और चौक चौराहों के ऊपर अवैध कब्जों, रेहड़ी फड़ी वालों के अतिक्रमण को देख सकते हैं, जो एनएचएआई, स्थानीय प्रधानों, निकायों, राजस्व विभाग और प्रशासन की नाक के नीचे किया गया है, जो यातायात को भी बाधित करता है। यह भी सच है कि बिना राजनीतिक संरक्षण के अतिक्रमण संभव

, गांव, कस्बा या फिर कोई बड़ा शहर, हर जगह आपको एक समस्या लगभग एक जैसी दिखाई देगी और वह है, सडक़ किनारे बढ़ते ठेले, दुकानों के आगे फैले शेड, सार्वजनिक भूमि पर बने अस्थायी ढांचे, बाजारों और संकरी गलियों में दुकानदारों द्वारा फैलाया गया सामान, उसके ऊपर गलत तरीके से खड़े वाहन और उखड़ी टूटी नालियां। यह सब मिलकर ग्राहक और नागरिक जीवन की सहजता को बाधित करते हैं, जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि व्यवस्था का पहिया कहां-कहां जाम हो चुका है। ऊपर से तुर्रा यह कि अधिकांश बाजारों में शौचालय नदारद मिलेंगे और साफ-सफाई भगवान भरोसे। जिम्मेदार अधिकारियों के तो क्या ही कहने जो फील्ड में जाने के बजाय अपनी कुर्सियों से ही चिपके रहना ज्यादा फायदेमंद समझते हैं।

नहीं हैं, मुख्यमंत्री महोदय को इसका संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे मामलों पर भी सख्ती बरती जानी चाहिए। एक बात और, लगभग समस्त हिमाचल में दूसरे प्रदेशों से आए लोगों ने मुख्य सडक़ों के किनारों पर रेहड़ी फड़ी द्वारा अनधिकृत कब्जे करके अतिक्रमण कर लिया है और आज इनकी संख्या लाखों में पहुंच गई है। इस गंभीर होती समस्या पर प्रशासनिक अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हुए हैं। ऐसे समय में जब हिमाचल में ही बेरोजगारों की संख्या अगस्त 2025 तक लगभग 708230 थी तो यह कहां तक उचित है कि बाहरी प्रदेशों से आने वाले लोगों की अनियंत्रित भीड़ को राज्य में प्रवेश करने दिया जाए जो न केवल हमारे युवाओं के रोजगार को लील रहे हैं, अपितु हिमाचल की संस्कृति और डेमोग्राफिक संरचना को भी प्रभावित कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निश्चित रूप से संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि, भारत के अन्य राज्यों से आकर काम-धंधों के लिए प्रवास कर रहे प्रवासियों, मुस्लिम समुदाय की बढ़ती आबादी, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों, नकली बाबाओं, सोना चमकाने वालों, पॉवर ऑफ अटॉर्नी से जमीनें लेकर स्थायी निवासी के रूप में रह रहे प्रवासियों के अनियंत्रित प्रवेश पर कानूनन कुछ हद तक रोक लगाई जाए। इसी बीच, 05 अगस्त 2025 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भूमि राजस्व अधिनियम 1952 की धारा 163-ए को असंवैधानिक करार दे दिया है, जो सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों को नियमित करने की अनुमति देती थी। यह वह धारा थी जिसके तहत 1983 से लगातार अतिक्रमणों को वैधता दी जाती रही। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि, 28 फरवरी 2026 तक सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए और भविष्य में किसी भी प्रकार से अतिक्रमण नियमित करने की कोई नीति नहीं बनाई जा सकती। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि जिन अधिकारियों की लापरवाही से अतिक्रमण पनपे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया है कि अतिक्रमण को आपराधिक कृत्य की श्रेणी में रखकर दंडात्मक प्रावधानों को सशक्त बनाया जाए और आवश्यकता पडऩे पर त्वरित न्याय के लिए विशेष ट्रिब्यूनल या फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। हिमाचल प्रदेश के लिए यह समय अतिक्रमण के विरुद्ध निर्णायक युद्ध छेडऩे का है। यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति, राजनीतिक समर्थन, सामाजिक सहभागिता और पारदर्शी कार्यशैली को एक साथ लागू किया जाए, तो गुरुग्राम मॉडल की तरह यहां भी उल्लेखनीय परिणाम सामने आ सकते हैं। हिमाचल की विकास यात्रा के लिए यह जरूरी है कि अतिक्रमण के विरुद्ध लड़ाई को ईमानदारी, संवेदनशीलता और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया जाए, इससे प्रदेश न केवल अतिक्रमण मुक्त होगा, बल्कि सरकार और प्रशासन को सुरक्षित, संतुलित और सुव्यवस्थित विकास का एक आदर्श मॉडल स्थापित करने में भी सहूलियत होगी।

आप का नजरिया

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का 'मास्टरमाइंड' वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को 'शहीद' कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था। उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे। सारांश यह था कि अब सशस्त्र संघर्ष पर विराम लगा देना चाहिए। वामपंथी विद्रोह के बुनियादी कारणों को संबोधित करना चाहिए। दरअसल जिस सोच के साथ नक्सलवाद की शुरुआत की गई थी, वह मकसद नाकाम रहा है, क्योंकि देश की आदिवासी आबादी आज भी भूमिहीन है और हाशिए की जिंदगी जीने को विवश है। वे समुदाय भारत में सबसे अधिक गरीब हैं। करीब 12.90 करोड़ में से 6.50 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के शिकार हैं। अर्थात आय के अलावा, अपर्याप्त पोषण, शिक्षा की कमी, खराब स्वास्थ्य, पेयजल की कमी, बिजली और आवास सरीखी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। वनों पर अधिकार के उनके दावों को नकारा जाता रहा है, बल्कि उनसे जबरन छीन लिए जाते हैं। उनके इलाकों में ग्राम सभा की अनुमति के बिना ही कथित विकास की परियोजनाएं स्वीकृत कर दी जाती हैं। वामपंथी आतंकवाद पर संपूर्ण जीत के लिए इन मुद्दों को पहले संबोधित करना जरूरी है। दूसरा बिंदु यह है कि यकीनन 31 मार्च, 2026 से पहले ही सशस्त्र नक्सलियों को पराजित किया जा सकता है। लेकिन जिस वैचारिकता के आधार पर उनका आंदोलन करीब छह दशक तक जारी रहा, वह किसी अन्य रूप या विद्रोह में दोबारा उभर सकती है।

आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का 'मास्टरमाइंड' वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को 'शहीद' कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमश: 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था।

दृष्टि कोण

मतदाता की जागरूकता से ही निरंकुशता पर अंकुश

बिहार का चुनाव भी हो गया। परिणाम कुल मिलाकर अप्रत्याशित तो रहे पर इतने अप्रत्याशित नहीं कि उन पर हैरान ही हुआ जाये। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हालात बनते दिख रहे थे, उनमें कहीं न कहीं यह तो लगने लगा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को जीत मिल सकती है पर इतनी बड़ी जीत होगी, ऐसा नहीं लग रहा था। इस बात को यूं भी कहा जा सकता है कि महागठबंधन की इतनी बुरी हार होगी, ऐसा भी नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। भारतीय जनता पार्टी की ऐसी जीत और राजद की ऐसी हार अप्रत्याशित तो थी, पर यह भी समझना ज़रूरी है कि यह स्थिति चिंताजनक भी है। सत्तारूढ़ पक्ष या विपक्ष के लिए नहीं, देश में जनतंत्र के भविष्य के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत सरकार का होना कतई चिंता की बात नहीं है, पर विपक्ष का इतना कमज़ोर हो जाना निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है कि किसी विधानसभा में, या फिर संसद में भी, असंतुलित परिणाम आये हैं—इतने असंतुलित परिणाम कहना चाहिए इसे! और यह 'इतने' शब्द यहां चिंता की बात को प्रकट करता है। ऐसी जीत जीतने वाले को अति विश्वास से भर देती है और यह अति विश्वास उसे, कुछ भी कर सकता हूं, का अहसास दिलाने वाला होता है। अच्छा और मज़बूत होने का अहसास ग़लत नहीं है, पर यह मज़बूती यदि घमंड में बदल जाती है तो इसे सही नहीं कहा जा सकता। सही नहीं होने का यह खतरा आज हमारे जनतंत्र पर मंडरा रहा है। ऐसा नहीं है कि ऐसी स्थितियां पहले कभी नहीं बनीं। राज्यों में भी ऐसा हो चुका है, और केंद्र में भी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब चुनाव हुए थे तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लोकसभा में चार सौ से अधिक सीटें मिली थीं। अति घमंड की स्थिति बन सकती थी। पर तब कांग्रेस को यह अहसास था कि उसे सहानुभूति की लहर का लाभ मिला है। पर अब बिहार में भाजपा की

जीत के मामले में ऐसी बात नहीं है। उसके पक्ष में कोई 'सहानुभूति लहर' नहीं थी। भाजपा और 'जदयू' की जीत तथा कांग्रेस और राजद की हार के कारणों पर विचार होगा और भविष्य में भी होता रहेगा। पर इस बात पर विचार होना ज़रूरी है कि इस तरह के अप्रत्याशित परिणाम चिंता का कारण भी होने चाहिए। कोई जीत इतनी बड़ी नहीं होनी चाहिए कि जीतने वाला स्वयं को अपराजेय समझने लगे और कोई भी हार इतनी बुरी नहीं होनी चाहिए कि हारने वाले को यह लगने लगे कि अब कोई उम्मीद नहीं बची। बहरहाल, बिहार के इन चुनाव- परिणामों पर दो दृष्टियों से विचार होना चाहिए—पहले तो इस दृष्टि से कि क्या जीतने वाला अपनी श्रेष्ठता के कारणों से ही जीता है और दूसरी यह कि हारने वाला कहां चूक गया। भाजपा की जीत पर उंगली उठाने वालों का मानना है कि चुनाव में ऊंच-नीच हुई है। यह सवाल चुनाव आयोग पर भी है। उस पर आरोप लग रहा है कि उसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों, से भाजपा की जीत में मदद की है। इस तरह के आरोप मतदान से पहले भी लगते रहे थे, अब भी लग रहे हैं। ऐसी ही किसी मदद से इनकार के अलावा और कोई ठोस प्रमाण चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा और उम्मीद की जा रही है कि वह यह बतायेगा कि भाजपा की बिहार सरकार को एक करोड़ 10 लाख महिला मतदाताओं को चुनाव से ठीक पहले दस-दस हजार रुपये नकद सहायता देने से रोका क्यों नहीं गया? पहले भी सरकारें नकद रेवड़ियां बांटती रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 नवंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 02:49 तक
नक्षत्र : अनुराधा दोपहर 01:56 तक
योग : अतिगंड प्रात: 10:42 तक
करण : बव दोपहर 02:49 तक
चन्द्राशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल दोपहर 01:57 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

छात्रों के लिए अतिरिक्त बसें, निजी बसों में भी पास सुविधा अनिवार्य : सैनी

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बढ़ती छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि मॉर्निंग पीक टाइम में अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएं। आवश्यकतानुसार बसों की संख्या बढ़ाई जाए और कम अंतराल पर बसें चलाकर विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि निजी बसों में भी सरकारी बसों की तर्ज पर स्टूडेंट पास सुविधा अनिवार्य रूप से दी जाए तथा किसी शिकायत की स्थिति में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्कूलों के बच्चों की सुरक्षा से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। अधिकारी स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों और बसों में लगे जीपीएस सिस्टम का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश में मौजूद सभी ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को मिशन मोड में चलाते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि सड़क हादसों में स्पष्ट कमी लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों के समाधान और विभागों के समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो सभी मामलों की नियमित निगरानी कर दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों को तेज करे।

मुख्यमंत्री ने ओवरस्पीडिंग और ओ–वरलोडिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्पीड मॉनिटरिंग को मजबूत किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों का तुरंत चालान किया जाए। उन्होंने कहा कि तेज गति और लापरवाही हादसों के प्रमुख कारण हैं, इसलिए इनके खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि लिंक रोड से मुख्य सड़क पर जुड़ने वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग ऐप के माध्यम से की जाए और जहां ठेकेदार लापरवाही बरत रहे हों, वहां पेनल्टी लगाई जाए। उन्होंने गड्ढों को तत्काल भरने, डार्क स्पॉट्स पर तुरंत लाइटिंग सहित आवश्यक सुरक्षा सुधार करने और सड़क संकेतकों व चिह्नों को दोबारा स्पष्ट करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बसों के रुकने के लिए चिन्हित स्थानों पर बस क्यू–शेल्टर बनाए जाएं, ताकि बस सेवा व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके। उन्होंने नशे में गाड़ी चलाने पर रोक लगाने के लिए ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध कड़े प्रवर्तन और जागरूकता स्लोगन लगाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि धुंध के मौसम को देखते हुए इस पर विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिफ्लेक्टर लगाने के लिए नागरिकों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा और जिला सड़क सुरक्षा समितियां इसे गंभीरता से लागू करें।

मुख्यमंत्री ने सड़कों पर छोड़े जाने वाले गोवंश की समस्या पर चिंता जताई और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पशुओं को सुरक्षित अभयारण्यों में रखा जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सड़क दुर्घटनाओं में स्पष्ट कमी दिखनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे गंभीरता और तत्परता से कार्य करें, ताकि प्रदेश की सड़कें अधिक सुरक्षित, बेहतर और जनहित में अधिक प्रभावी बन सकें।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, डीजीपी ओ.पी. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा और परिणाम में सामने आई अनेक गड़बड़ियों को लेकर तुरंत जांच और स्पष्टीकरण देने की मांग भाजपा सरकार से की है। उन्होंने कहा कि यह मामला रातों–रात रिजल्ट बदलने और अपने चेहतों को परीक्षा में पास करवाने का लग रहा है। दिग्विजय ने कहा कि दोबारा रिजल्ट तैयार करने और 1284 नए कैंडिडेट पास किए जाने की खबरें सामने आई है, आखिर अतिरिक्त जोड़े गए ये कैंडिडेट कौन है और कैसे इनको बाद के रिजल्ट में जोड़ा गया? यह बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ तो भाजपा सरकार नई भर्तियां निकालने की बजाय घोषित भर्तियों को भी रद्द करने में लगी हुई है और ऊपर से इस तरह से एचटेट की परीक्षा में गड़बड़ियां करके रोजगार की आस में बैठे बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि एचटेट रिजल्ट के बारे में मीडिया तक को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि रिजल्ट जारी होने के 90 दिन तक ओएमआर शीट निकलवाने का प्रावधान होता है, लेकिन इसमें केवल 10 दिन का ही समय दिया गया। दिग्विजय ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि सिक्योरिटी ऑडिट का बहाना करके नया रिजल्ट तैयार करवाया गया। उन्होंने कहा कि अगर पहले तैयार रिजल्ट में कमी थी तो उस पर

कार्रवाई की जानी चाहिए और नया रिजल्ट किस फर्म से तैयार करवाया गया, ये भी जांच का विषय है। दिग्विजय ने आगे कई सवाल पूछते हुए कहा कि पहले से तैयार परिणाम को आखिर संशोधित करने की नौबत क्यों आई ? तीन से चार बार रिजल्ट को वेरीफाई किया गया तो नए सिरे से परिणाम किस लिए तैयार किया गया? सिक्योरिटी ऑडिट के नाम पर भारी राशि किस लिए खर्च की जाती है? ऑडिट किसका किया गया, जब सारी फर्म बाहर की ही थी तो संशय किस बात का था ? परिणाम तैयार करके जब सचिव कार्यालय ने अध्यक्ष को 31 अगस्त को सुपुर्द कर दिया था तो परिणाम जारी करने में देरी किस वजह से की गई? गुपचुप तरीके से रिजल्ट घोषित करने के क्या मायने निकाले जाएं? अधिकांश सेंटरों पर केंद्र अधीक्षक के कमरे में मॉनीटर क्यों नहीं लगाए गए ? दिग्विजय चौटाला ने कहा कि युवाओं से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परीक्षा में इतने ज्यादा गंभीर सवाल खड़े हो रहे है इसलिए सरकार को तुरंत जांच करवानी चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाएं अधिकारी : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने आज जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति पलवल की मासिक बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने बैठक के एजेंडा में शामिल 14 में से 10 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की हर एक समस्या को गंभीरता से लेकर उनका समाधान करवाना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बैठक में आये एक मामले में भानू प्रकाश निवासी गांव लुलवाड़ी, प्रभु दयाल निवासी खचेरू, उषा रानी निवासी बल्लभगढ़, समस्त किसान गांव सीहा और गांव अल्लीका, डालचंद निवासी गांव खांबी, शिवकुमार निवासी गांव धतीर, चरण सिंह निवासी गांव कटेसरा, रोहताश निवासी गांव बढराम जयंती निवासी गांव बाजपुर कलां, त्रिलोक निवासी हथीन, असलम निवासी गांव पहाड़पुर, मंजू वशिष्ठ निवासी पलवल व विद्या सागर निवासी गांव बहरौला की शिकायतों की सुनवाई की। उन्होंने विद्या सागर की शिकायत की सुनवाई करते हुए 60 दिन के अंदर–अंदर सूअर फार्म को आवास क्षेत्र से हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एक अन्य परिवादी असलम की जिला शिक्षा विभाग से संबंधित एक शिकायत की सुनवाई करते हुए आरोपी अध्यापकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस केस में बिजली विभाग के अधिकारी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की जाएगी।

वोट चोरी का मुद्दा बेबुनियाद, कांग्रेस एक भी शिकायत नहीं दे सकी : अनिल विज

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने नीतिश कुमार द्वारा दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनता के भरोसे और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने स्पष्ट रूप से एनडीए की राजनीति पर अपनी मोहर लगाई है, जबकि चुनाव परिणामों के बाद एनडीए के विरोध में खड़ी हुई अन्य पार्टियों के दफ्तर बंद पड़े हैं। जनता ने झूठ और फरेब की राजनीति को पूरी तरह नकार दिया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विज ने कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे वोट चोरी के मुद्दे को पूरी तरह बेबुनियाद बताया।

उन्होंने कहा कि आज तक कांग्रेस एक भी लिखित शिकायत दर्ज नहीं करवा सकी है। वे कहते हैं कि एक से अधिक वोट बने, लेकिन यह नहीं बताते कि वह वोट किसने बनाए और किसके नाम पर डाले गए। विज ने उदाहरण देते हुए कहा कि अंबाला जिले के मुलाना विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में एक महिला के 232 वोट बने हुए मिले थे और वहां से कांग्रेस के विधायक और सांसद दोनों जीते हैं। ऐसे में यह कैसे तय होगा कि फर्जी वोटों का लाभ किसे मिला? उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना तथ्य के विवाद पैदा कर, जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। बिहार चुनाव के बाद महागठबंधन में दिखाई दे रही टूट पर विज ने टिप्पणी की कि परिणाम आने के बाद उनके सभी दफ्तर बंद हो गए हैं और जनता ने झूठ फैलाने वालों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान राहुल गांधी का मछलियां पकड़ने वाला दृश्य अधिक चर्चित रहा, और अब उन्हें उसी काम में ध्यान देना चाहिए।विज ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर के मुद्दे पर पूरी तरह असफल हो चुकी है। जनता समझ चुकी है कि कांग्रेस अपनी हार छिपाने के लिए केवल नौटंकी कर रही है।

शहर का सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकता : इसरानी

निवाई, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि निवाई कस्बे का काया कल्प कर जन–जन के सम्मान की रक्षा करते हुए सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकता रही है। साथ ही आमजन को मूलभूत सुविधाओं के अलावा सरकार की मंशा के अनुरूप हर घर को उनका मालिकाना हक देने का भी संकल्प रहा है। पालिकाध्यक्ष इसरानी गुरूवार की देर शाम 8 फीट रोड पर 'निवाई सौन्दर्यकरण की ओर बढ़ते कदम' के तहत फाऊन्डेशन का फीता काट कर शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड में सडक़ पानी, बिजली एवं अन्य विकास के लिए उनसे मांग की गई। उसे पूरा किया है तथा शहर के सौन्दर्य के लिए भी कही कमी नही रखी जा रही है। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं वित्त समिति के अध्यक्ष प्रमुख भामाशाह ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि पालिका बोर्ड व अध्यक्ष इसरानी सकारात्मक सोच के साथ विकास के लिए कृत संकल्पितरहे है। उनका कार्यकाल सदैव जनता को समर्पित रहा है। कार्यक्रम में पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ. मनोहर लाल जाट ने कहा कि उक्त फाऊन्डेशन (फुव्वारा) सौन्दर्यकरण के लिए लगाया गया है जो सुबह व शाम को प्रतिदिन चलेगा एवं आमजन के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। कार्यक्रम में पार्षद महेन्द्र जैन, मा. मदन लाल रैगर, बाबू लाल सैनी, गिर्राज चौधरी, शंकर लाल शर्मा, मंगलराम मीणा, भाजपा के जितेन्द्र धारवाल, सुरेश डोई, लक्ष्मीचन्द शर्मा, आलोक दाधिच के साथ–साथ सहायक अभियन्ता चन्द्र प्रकाश मीणा, कनिष्क अभियन्ता सीपी चौधरी, लालचन्द सैनी, पप्पू मीणा, प्रमुख समाजसेवी कैलाश विजयवर्गीय, जितेन्द्र विजयवर्गीय, रमेश सैनी, राजू मालावत, संजय वर्मा सहित अनेक समाजसेवी एवं मौहल्लेवासी उपस्थित थे। 80 फीट के वासिन्दों ने किया स्वागत 80 फीट रोड़ पर सौन्दर्यकरण से गद्द्द् यहां के वासिन्दों ने पालिकाध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर अभिनन्दन भी किया।

पत्नी की खुदकुशी के बाद पति ने बेटे को मारा, फिर खुद भी फंदे पर झूला

उदयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

जिले के मसारो की ओवरी गांव में गुरुवार सुबह ऐसा दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया कि पूरा इलाका सन्न रह गया। एक ही घर में पति–पत्नी और 7 साल के मासूम बेटे की लाशें मिलीं। दरवाज़ा अंदर से बंद था और बाहर खड़ी जगदीश की बाइक कुछ अनहोनी का संकेत दे रही थी। जब माता–पिता रिश्तेदारी से लौटकर आए और गेट नहीं खुला तो गांव के लोग जुटे, गेट तुड़वाया गया और भीतर जो देखा गया, उसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। फर्श पर 27 साल की शारदा का शव पड़ा था। उसके कुछ कदम दूर ही दूसरे कमरे में 7 साल का हेमांशु उर्फ हेमू फंदे से लटका मिला। उसी कमरे में 30 वर्षीय जगदीश की लाश भी फंदे से लटकी थी। घर की दीवार पर एक सुसाइड नोट चिपका था, जिसमें लिखा था–मेरे घरवालों की कोई गलती नहीं है। मैं खुद मर रहा हूं। हेमू की मम्मी मेरे से पहले फंदा लगाकर मर गई थी। कोई भी मेरे मां–बाप को परेशान न करे। ये मरी, इसलिए हम दोनों भी मरे हैं। डीएसपी राजीव राहर बताते हैं कि घटना बुधवार शाम करीब 7 बजे की है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि जगदीश काम से घर लौटा तो पत्नी का शव फंदे से लटका मिला। उसने उसे नीचे उतारा और फर्श पर रखा। इसके बाद उसने अपने बेटे को दूसरे कमरे में ले जाकर फंदे पर लटका दिया और उसकी मौत होने के बाद खुद भी फंदे से झूल गया। अभी पत्नी के आत्महत्या करने की वजह साफ नहीं है।

नीलामी से संचालन तक समय सीमा तय देरी पर दण्डात्मक प्रावधान: पीयूष गोयल

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल ने कहा है कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने के लिए देश का माइनिंग सेक्टर नई उर्जा और गति के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लगातार कानून कायदों को व्यावहारिक बनाने के साथ ही टाइमलाईन तय की गई है जिससे खानों की नीलामी के बाद खानों के परिचालन में लाने में लगने वाले समय को कम किया जा सके। उन्होंने साफ किया कि इसके लिए सरकारी स्तर पर देरी होती है तो उसके लिए और एलओआई स्तर पर देरी होती है तो उसके लिए दण्डात्मक प्रावधान किये गये हैं। केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल गुरुवार को आरआईसी में प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त के साथ एलओआईधारकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि नए प्रावधानों में एलओआई धारकों द्वारा जितनी जल्दी खानों को परिचालन में लाया जाएगा उतना ही अधिक लाभ खानधारकों को होगा। उन्होने कहा कि इसके लिए प्रोत्साहन के प्रावधान किये गये हैं। गोयल ने राजस्थान में मेजर मिनरल माइंस के ऑक्शन और प्री एम्बेडेड खानों की ऑक्शन

प्रक्रिया शुरु करने की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में राजस्थान माइनिंग सेक्टर से रेवेन्यू के क्षेत्र में भी अग्रणी प्रदेश बन जाएगा। उन्होंने आवश्यक अनुमतियां प्रदान करने वाली संस्थाओं से व्यावहारिक रुख अपनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की वहीं प्रीएम्बेडेड की तर्ज पर ही पुरानी नीलाम खानों को परिचालन में लाने के लिए राज्य सरकार स्तर से भी सहयोग और मार्गदर्शन पर जोर दिया। उन्होंने एलओआईधारकों से भी आवश्यक औपचारिकता पूरी करने में अनावश्यक देरी नहीं करने का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एलओआईधारकों से संवाद कायम करने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बताया कि राजस्थान में 112 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। भविष्य में नीलाम होने वाले माइनिंग ब्लॉकों के नीलामी से पहले ही चरागाह, वन कन्वर्जन आदि इसी तरह की आने वाली समस्याओं को दूर करते हुए ब्लॉक बनाने के प्रयास किए जाएंगे जिससे आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने मे एलओआई धारक अनावश्यक परेशानियों से बच सके।रविकान्त ने बताया कि इस वर्ष 21 ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी हैं और 8 प्री एम्बेडेड ब्लॉकों सहित 26 ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान विपुल और विविध प्रकार के खनिज संपदा वाला प्रदेश हैं।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन, अखिलेश पहुंचे अस्पताल

नम आंखों से दी अंतिम विदाई,सपा में शोक

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के घोसी सीट से विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया है। आज 20 नवंबर को लखनऊ के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। सुधाकर सिंह के निधन की खबर मिलते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सीधे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने दिवंगत विधायक के परिजनों को सांत्वना दी। नम आंखों से श्रद्धांजलि देते हुए अखिलेश ने 'एक्स' पर लिखा,घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुःखद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। भावभीनी श्रद्धांजलि।2023 में बने 'जाइंट किलर' सुधाकर सिंह का राजनीतिक सफर लंबा रहा है, लेकिन 2023 का घोसी उपचुनाव उनके करियर की सबसे बड़ी जीत थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को 40 हजार से ज्यादा वोटों से हराकर सबको चौंका दिया था। सुधाकर सिंह: 1,24,427 वोट, दारा सिंह चौहान: 81,668 वोट। यह जीत इतनी बड़ी थी कि उन्हें 'जाइंट किलर' कहा गया।सुधाकर सिंह का राजनीतिक करियर उनका राजनीतिक सफर तीन अलग-अलग विधानसभाओं तक फैला रहा। पहली बार: 1996 में 13वीं विधानसभा। दूसरी बार: 2012-2017 में 16वीं विधानसभा। इस दौरान वह प्राक्कलन समिति के सदस्य भी रहे। तीसरी बार: 2023 में 18वीं विधानसभा घोसी उपचुनाव में बड़ी जीत दर्ज की। वे लोकतंत्र सेनानी भी थे और आजमगढ़ जिला कारागार में बंद रह चुके थे। इसके बदले उन्हें 20,000 रुपये की राजनैतिक पेंशन भी मिलती थी। सुधाकर सिंह के निधन को सपा ने एक बड़ा नुकसान बताया है। उनकी लोकप्रियता, जमीन से जुड़ाव और सियासी प्रभाव ने उन्हें घोसी क्षेत्र में मजबूत नेता बनाया था। उनका अचानक जाना न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे प्रदेश की राजनीति के लिए बड़ा दुख है।

यूपी सरकार ने शुरू की नई हेल्पलाइन

एक कॉल पर होगा नगरीय समस्याओं का समाधान

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)। आपके घर के बाहर नाली गंदगी से भरी हो, कई दिनों से सफाई न हुई हो या सड़क पर लंबे समय से झाड़ू न लगा हो, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग ने ऐसी सभी समस्याओं के समाधान के लिए नई हेल्पलाइन शुरू की है।

विभाग केआधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी जानकारी के अनुसार अब सफाई, जलभराव, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा कलेक्शन जैसी समस्याएँ केवल एक कॉल पर दर्ज कराई जा सकती हैं।नगर विकास विभाग के मुताबिक शहर से जुड़ी हर समस्या के लिए अब हेल्पलाइन नंबर 1533 पर संपर्क किया जा सकता है। जल भराव, पथ प्रकाश, स्वच्छता, कर भुगतान या डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन इन सभी शिकायतों का समाधान इसी नंबर के माध्यम से किया जाएगा। 'एक नंबर, कई समाधान' की नीति के तहत सेवा शुरू की गई है।पोस्ट में बताया गया कि अगर आपके इलाके की स्ट्रीट लाइट खराब है, जिससे अंधेरा रहता है, पेयजल की व्यवस्था सही नहीं है, पाइप लीक कर रहा है, सड़क पर कोई पशु मृत पड़ा है या जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कत आ रही है।इन मामलों में 1533 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कॉल के बाद समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा।नई हेल्पलाइन सेवा का उद्देश्य है कि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए पार्षद, नगर निगम कर्मचारी या किसी स्थानीय नेता के पीछे न भागना पड़े, बल्कि सारी सुविधाएँ सीधे एक ही नंबर पर उपलब्ध हों।

अब हर विद्यालय में होंगे कम से कम दो शिक्षक

बच्चों की पढाई में आयेगा सुधार, शिक्षकों का घटेगा वर्क लोड

लखनऊ, 20 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लाखों बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर आई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम दो शिक्षकों की तैनाती अनिवार्य कर दी है। बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी आदेश के बाद यह नई व्यवस्था लागू हो गई है।इस फैसले से वे सभी स्कूल, जहाँ अब तक केवल एक ही शिक्षक पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, एक अतिरिक्त शिक्षक प्राप्त कर सकेंगे। इससे न सिर्फ शिक्षकों का बोझ कम होगा बल्कि बच्चों को पढ़ाई पर बेहतर ध्यान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का लाभ मिलेगा।राज्य के कई प्राइमरी स्कूलों में लंबे समय से केवल एक शिक्षक पर सभी कक्षाओं और कार्यों की जिम्मेदारी होती थी। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, अलग-अलग कक्षाओं की पढ़ाई संभालना मुश्किल हो जाता था, स्कूल के प्रशासनिक कार्य भी समय पर नहीं हो पाते थे। दो शिक्षक होने पर कक्षाओं को विभाजित करना आसान होगा और बच्चों को विषय अनुसार बेहतर समय मिल सकेगा।

एक शिक्षक पूरी कक्षा को संभालने की बजाय अब शिक्षक अपनी-अपनी क्लास और विषय पर ज्यादा समय दे पाएंगे। कमरों में भीड़ कम होगी और सीखने की प्रक्रिया सुगम बनेगी।एकल शिक्षक वाले स्कूलों में अध्यापकों को पढ़ाई के अलावा मध्याह्न भोजन, रजिस्टर, अभिलेख, सर्वे आदि कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ती थीं। अब दो शिक्षकों में काम बंटेगा, जिससे पढ़ाई पर अधिक फोकस हो सकेगा।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने पर बच्चे स्कूल से जुड़े रहेंगे।

प्राथमिक शिक्षा में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।इस आदेश के बाद अभिभावकों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के कई ऐसे स्कूल, जहाँ वर्षों से एक ही शिक्षक काम कर रहे थे, अब शिक्षण व्यवस्था में बदलाव देख पाएंगे।

नौकरी और सामाजिक सुरक्षा के लिए कुलियों ने किया राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)। रेलवे की नौकरी में 2008 की तरह समायोजित करने, बैटरी कार संचालन के संबंध में रेल मंत्रालय के निर्देशों का पालन करने, कुलियों को वर्दी, रेलवे पास, शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराने और सामाजिक सुरक्षा की हर हाल में गारंटी करने जैसी मांगों पर आज राष्ट्रीय कुली मोर्चा के बैनर तले पूरे देश में कुलियों ने मांग दिवस मनाते हुए ज्ञापन सौंपा। लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर कुलियों ने प्रदर्शन कर स्टेशन निदेशक प्रशांत कुमार को पत्रक दिया है।मांग दिवस के संबंध में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय कुली मोर्चा के कोऑर्डिनेटर राम सुरेश यादव ने बताया कि एक तरफ रेल मंत्रालय हमें लिख कर दे रहा है कि बैटरी कार को सिर्फ वृद्ध, विकलांग, बीमार और असहाय के लिए चलाया जाएगा तथा उसे इस तरह से व्यवस्थित किया जाएगा ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। दूसरी तरफ मनमानी ढंग से बैटरी कार चल रही है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है और कुलियों की आजीविका को नुकसान हो रहा है।

रेल मंत्रालय यह भी कहता है कि कुली को सुविधा संपन्न विश्राम गृह, उनके परिवार और बच्चों के शिक्षा व स्वास्थ्य और वर्दी, पास जैसी सुविधाएं दी जा रही है। जबकि जमीनी सच्चाई इसके ठीक उलट है। हालत यह है कि बैटरी कार, ट्रॉली प्रथा और माई कुली एप जैसी निजीकृत योजनाओं के कारण कुलियों को अपने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो रहा है।

सांसद खेल महोत्सव का रंगारंग आगाज, मलखंभ प्रदर्शन, मार्चपास्ट के साथ शुरुआत

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का रंगारंग आगाज हुआ। इस मौके पर मलखंभ के शानदार प्रदर्शन के साथ स्कूली बच्चों ने मार्च पास्ट कर सलामी ली और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर मौजूद नेताओं ने खिलाड़ियों और स्कूल के बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहाकि खेलेगा इंडिया तो विकसित बनेगा इंडिया। इस खेल महोत्सव से मोहल्ले और गांव-ढाणी में छिपा टैलेंट निखरकर आएगा और देश का नाम रोशन करेगा। उद्घाटन के अवसर पर शहर सांसद मंजू शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधि मंत्री जोगाराम पटेल,,विधायक कालीचरण सराफ, कैलाश वर्मा सहित अन्य नेता और खिलाड़ी मौजूद थे। इस दौरान पूरा इंडोर स्टेडियम खिलाड़ियों और स्कूली बच्चों से खचाखच भरा हुआ था।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और सांसद मंजू शर्मा ने खेल महोत्सव के आगाज की घोषणा के बाद खिलाड़ियों को खेल महोत्सव के नियमों और विधियों का पालन करते हुए सच्ची खेल भावना से शामिल होने की शपथ ग्रहण करवाई गई। मलखंभ का अचरज भरा प्रदर्शनः इस दौरान बच्चों और युवाओं ने मलखंभ का अचरज भरा प्रदर्शन किया। मलखंभर उन्होंने विभिन्न प्रकार की मुद्राएं बनाकर शरीर संचालन और शक्ति का अद्भुद नजारा साकार किया। इससे पहले उपस्थित अथितियों ने मार्च पास्ट सलामी ली। गणेश वंदना के साथ ही अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई।

ये खेल किए गए हैं शामिलः सांसद खेल महोत्सव में तीरंदाजी, क्रिकेट, बास्केटबॉल, वालीबॉल, हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, खो-खो , कबड्डी, कुश्ती जैसे अंतराष्ट्रीय- राष्ट्रीय खेलों के साथ ही स्थानीय स्साकसी, मलखंभ, सितोलिया,व्यायाम और निम्बू और चम्मच दौड़ आदि सहित 27 खेलों को शामिल किया गया है।

ये रहे मौजूदः सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव में सांसद मंजू शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधि मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक कालीचरण सराफ, कैलाश वर्मा , भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल सहित अन्य नेता , पदाधिकारी और खिलाड़ी मौजूद थे।

खेल से मिटता है भेदभावः कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि यह खेल महोत्सव लोगों में खेल भावना विकसित करने के लिए है। हम जब खेल खेलते हैं तो शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होकर समाज के साथ जुड़ाव बढ़ता है, अनुशासन आता है। जब भारत अंतरराष्ट्रीय खेल खेलता है तो पूरा देश जांत पांत ऊंच नीच जाति सम्प्रदाय का भेद भुलाकर सारे भारतीय की जीत के लिए प्रार्थना दुआ करते है।

सांसद खेल महोत्सव के लिए प्रधानमंत्री का आभार। इसका उद्देश्य उन प्रतिभाओं को तरसना है जिनके पास मैदान नहीं है, जिन्हें मंच नहीं मिला और साधनों का अभाव रहा। इन खेलों के माध्यम से उन्हें तलाश करके मेडल लाने के लिए तैयार किया जाएगा। यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि नए भारत की ऊर्जा, ताकत और आत्मनिर्भरता का मार्ग है। प्रधानमंत्री जी ने फिट इंडिया से हिट इंडिया और हिट इंडिया से ही विकसित भारत का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसे जन आंदोलन बनाने का लक्ष्य लेकर सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।खेल से मन के साथ शरीर और समाज विकसित होगा- राज्यवर्धन सिंह राठौड़खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों से कहा की जब हम खेलते हैं तो उस क्षण में जीते हैं। गाड़ियां, कपड़े बदले जा सकते हैं लेकिन शरीर नहीं । इस एक शरीर को मजबूत बनाना और लक्ष्य पाना है। शरीर को मजबूत बनाना है तो पहले दिमाग को मजबूत बनाना होगा। शरीर को मजबूत करने के लिए हर रोज अपने साथियों के साथ खेलो उन्होंने कहा कि शानदार टीम बनानी है तो जात-पांत को नहीं देखो। सांसदों का काम केवल विकास ही नहीं, बल्कि बच्चों को मंच प्रदान करने की है जिसमें वो मंच दिखा सकें। पीएम मोदी को धन्यवाद कि उन्होंने सांसदों की खेल प्रतियोगिता करवाई। इसमें 27 खेल में हजारों खिलाड़ी भाग लेंगे। मन मस्तिष्क के साथ ही शरीर और समाज भी विकसित होगा।उन खिलाड़ियों को भी तराशा जाएगा जिन्हें मंच नहीं मिला- दियाकुमारीउपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा हम भी सांसद रहे लेकिन हमारे कार्यक्रमों में इतनी भीड़ नहीं आई जितनी आज आई है। सांसद खेल महोत्सव में देशभर में प्रतिभाओं को तलाशने का काम किया जा रहा है । देश के गांव ढाणी से प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध करवाया जाएगा । हर व्यक्ति के जीवन में जीत भी होती है हार भी होती है। जीत हार से ज्यादा महत्वपूर्ण है खेलों में भाग लेना। देश विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हर वर्ष हमारे सांसद खेल प्रतियोगिताएं और आयोजन होता है । गांव में टैलेंट छिपा है खेल महोत्सव के माध्यम से उसे टैलेंट को निकाला है , गांव ढाणी से बाहर निकाल कर राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन खिलाड़ियों को तराशा जाएगा जिनको मंच नहीं मिला सुविधाएं नहीं मिली। उन्हें तराश कर मेडल लाने योग्य बनाया जाएगा ताकि वो देश का नाम रोशन कर सकें।

मंत्री धर्मपाल सिंह बोले...केवल इतिहास नहीं, सरदार पटेल आज भी हैं राष्ट्र चेतना के केंद्र

बरेली,20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को बरेली में पार्टी द्वारा भारत रत्न, लौह पुरुष, और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में बरेली, पीलीभीत, बदायूं व शाहजहांपुर के सभी जिला के सभी जनप्रतिनिधियों, जिला अध्यक्षों, जिले के सभी विधानसभा और मंडल स्तर के संयोजकों, पदाधिकारियों एवं अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक में आगामी सरदार150 यूनिटी मार्च अभियान सहित पार्टी द्वारा चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत अभियान एवं अन्य अभियानों और कार्यक्रमों की रूपरेखा, उद्देश्य और जनभागीदारी पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री(संगठन) धर्मपाल सिंह ने सरदार पटेल के जीवन, व्यक्तित्व, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अनुपम योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा का यह अभियान सरदार पटेल की एकता, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना से प्रेरित है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा।उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल केवल इतिहास के महानायक नहीं, बल्कि आज भी भारत की राष्ट्रीय चेतना के केंद्र हैं। उन्होंने कहा, अगर सरदार पटेल न होते तो आज भारत का नक्शा कुछ और होता। उन्होंने प्रशासनिक एकता, राष्ट्रीय अखंडता और सांस्कृतिक एकजुटता की नींव रखी, जिससे आज भारत विश्व में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है। अभियान की रूपरेखा और उद्देश्य प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा 31 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, समरसता और देशभक्ति की भावना को जाग्रत करना है।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत तीन प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा स्तर पर एक नवंबर से 25 नवम्बर तक पद यात्राएं निकाली जाएंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 8 किलोमीटर लंबी पद यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जनप्रतिनिधि, युवा, महिलाएं, किसान, व्यापारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी हो इसके लिए हमें योजना पूर्वक कार्य करना होगा।

राष्ट्रीय एकता यात्रां मे प्रत्येक जिले से पाँच प्रतिनिधि, जिनमें दो युवा मोर्चा पदाधिकारी और तीन यूथ आइकॉन शामिल होंगे, सरदार पटेल जी के जन्मस्थान करमसद (गुजरात) से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक 150 किलोमीटर की राष्ट्रीय एकता यात्रा में भाग लेंगे। यह यात्रा सरदार पटेल की एकता, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना का जीवंत प्रतीक होगी और युवाओं को उनके आदर्शों से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि सरदार पटेल जी की जयंती (31अक्टूबर) के अवसर पर प्रत्येक जिले में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसका शुभारंभ जिले में स्थापित सरदार पटेल जी की प्रतिमा से किया जाए। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों, शिक्षकों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं, किसानों, मजदूरों, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी करनी होगी।

सांस्कृतिक और जनजागरण कार्यक्रम में अभियान के दौरान सभी बूथों पर सरदार पटेल जी के चित्र लगाकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी, ताकि नई पीढ़ी सरदार पटेल के आदर्शों, राष्ट्र निर्माण की भावना और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा प्राप्त कर सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के माध्यम से सरदार पटेल की गौरवशाली स्मृति को विश्व के मानचित्र पर स्थापित किया है। यह प्रतिमा भारत की एकता, संकल्प और सामर्थ्य की प्रतीक है। भाजपा सरकार ने सरदार पटेल के विचारों को व्यवहार में उतारते हुए विकसित भारत - एक भारत, श्रेष्ठ भारत की दिशा में ठोस कार्य किया है।उन्होंने कहा कि माय भारत (चध इहरीरीं) जैसे नवाचार कार्यक्रमों के माध्यम से युवा स्वयं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ रहे हैं। यह अभियान युवाओं को सरदार पटेल के जीवन से ईमानदारी, दृढ़ निश्चय और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देगा। बैठक में पार्टी के जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, अभियान संयोजक एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रमुख उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया जाएगा, ताकि सरदार पटेल की एकता, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचे।

डेविस कप 2025 : इटली ने ऑस्ट्रिया को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब बेल्जियम से भिड़ंत

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

बोलोनिया में खेले गए मुकाबले में इटली ने बुधवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ दोनों सिंगल्स मैच जीतकर डेविस कप 2025 के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब इटली की टीम सेमीफाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेत्ती जैसे टॉप-10 खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मात्तेओ बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों से भरे स्टेडियम में इटली ने अपने खिताब बचाव अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाया।

पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने जूरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। दूसरे सेट में 2-5 से पीछे रहने और एरिना की लाइटिंग समस्या के कारण आधे घंटे के व्यवधान के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतते हुए तीन सेट प्वाइंट बचाए और टाई-ब्रेक जीतकर इटली को बढ़त दिलाई।

टीम कप्तान फिलिप्पो वोलांद्री ने कहा, 'मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व महसूस करता हूँ। मत्तेओ मुश्किल हालात में समाधान ढूंढने वाले खिलाड़ी हैं और ऐसे मुकाबलों के लिए ही बने हैं।'

दूसरे सिंगल्स में फ्लावियो कोबोली ने ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी फिलिप मिसोलिक को 6-1, 6-3 से एकतरफा मुकाबले में हराया। 22वीं रैंक वाले कोबोली ने एक घंटे से थोड़े अधिक समय में जीत दर्ज की। 23 वर्षीय कोबोली ने इस साल हैम्बर्ग और बुकारेस्ट में अपने पहले खिताब जीते थे।

मैच के बाद कोबोली ने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे खास दिन है। इटली की जर्सी पहनकर खेलना मेरा सपना था।'

इटली की दो सिंगल्स जीत के बाद सिमोने बोलेली और आंद्रिया वावासोरी को एरलर-मीडलर के खिलाफ अपना डबल्स मैच नहीं खेलना पड़ा। सेमीफाइनल लाइन-अप गुरुवार को पूरा होगा, जब अर्जेंटीना का मुकाबला जर्मनी से और स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज हैमस्ट्रिंग चोट के कारण स्पेन टीम से हट चुके हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

जयपुर पोलो टीम ने कनोटा पोलो को 8-7 से हराया, कश्मीर चैलेंज कप की विजयी शुरुआत

जयपुर। जयपुर पोलो टीम ने कश्मीर चैलेंज कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए कनोटा पोलो को रोमांचक मुकाबले में 8-7 से मात दी। मुकाबले की शुरुआत से अंत तक दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जयपुर की ओर से लांस वॉटसन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे, जबकि एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर ने भी चार गोल कर टीम को लगातार बढ़त दिलाई। कनोटा पोलो की ओर से हुर्र अली ने चार गोल करते हुए टीम की उम्मीदों को बनाए रखा। वहीं, डिनो धनखड़ ने दो और कंवर प्रताप सिंह कनोटा ने एक गोल दागा, जिससे मैच आखिरी पलों तक रोमांचक बना रहा। पहले चक्कर में जयपुर ने 3-1 की बढ़त हासिल की और दूसरे चक्कर के बाद भी 6-5 की मामूली बढ़त बनाए रखी। अंतिम चक्कर में दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाया, लेकिन जयपुर ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 8-7 से जीत दर्ज की।इस जीत के साथ जयपुर पोलो टीम ने अपने दमदार खेल, अनुशासन और दृढ़ता को एक बार फिर साबित किया है और वे कश्मीर चैलेंज कप में आगे बढ़ते हुए मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले एशेज टेस्ट के लिए घोषित की प्लेइंग 11, स्मिथ करेंगे कप्तानी; वेदराल्ड और डॉगेट करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश की घोषणा कर दी है। नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड के चोटिल होने के चलते अनुपस्थित रहने पर स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। ओपनर जेक वेदराल्ड और तेज़ गेंदबाज़ ब्रेंडन डॉगेट को पहली बार टेस्ट कैप मिली है। वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि डॉगेट मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ तेज़ आक्रमण में शामिल होंगे। इससे पहले इंग्लैंड अपनी 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर चुका है, जिसमें शोएब बशीर को एकमात्र स्पिनर के रूप में शामिल किया गया है। तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर, ब्राइडन कार्स, गस एटकिंसन और मार्क वुड भी इंग्लैंड के दल का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 : उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉगेट, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन।

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में सिल्वर जीता, डेफलिंपिक्स में दिलाया तीसरा पदक

टोक्यो/नई दिल्ली। भारत की स्टार राइफल शूटर महित संधू ने टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलिंपिक्स में 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा पदक है। महित ने क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा और फाइनल में 246.1 अंक के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चेकिया की एलिस्का स्वोबोदावा ने 247.2 अंकों के साथ स्वर्ण जीता, जबकि हंगरी की मीरा ज़सज़ाना बियातोव्स्की ने 225.0 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत की नताशा जोशी फाइनल में शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं। फाइनल में महित पहले 14 शॉट्स के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज में उन्होंने यूक्रेन की वायोलेटा लिकोवा को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर जगह बनाई और 20 शॉट्स तक इसी पोजिशन पर बनी रहीं। इसके बाद 9.8 और 10.2 के स्कोर के साथ उन्होंने बढ़त बनाई, जबकि हंगरी की शूटर के 9.4 और 9.8 के स्कोर ने महित को सिल्वर पोजिशन में पहुंचा दिया। अंतिम दो शॉट्स में महित ने 10.0 और 10.7 के अच्छे स्कोर लगाए, लेकिन चेक शूटर स्वोबोदावा के लगातार 10 के स्कोर को पार नहीं कर सकीं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शुभमन और श्रेयस के खेलने की संभावना नहीं

यशस्वी, तिलक को मिल सकता है अवसर

मुम्बई, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। इस सीरीज में एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल और उपकपतान श्रेयस अय्यर के खेलने की संभावना नहीं है। शुभमन की गर्दन में अकड़न आयी हुई है। इस कारण उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। माना जा रहा है भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शुभमन को पूरी तरह से फिट होने के लिए आराम दे सकता है। ऐसे में उनकी जगह सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। वहीं श्रेयस पसलियों की चोट से उबर रहे हैं। उन्हें ऑस्टेलिया में एकदिवसीय सीरीज में ये चोट लगी थी। इसी कारण वह आईसीयू में भी भर्ती रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर जोखिम नहीं लेते हुए उन्हें आराम का अवसर देगा। ऐसे में श्रेयस की जगह तिलक वर्मा को शामिल किया जा सकता है। अभी तिलक भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए चार एकदिवसीय खेले हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत को शामिल किया जाएगा जबकि ध्रुव जुरेल को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है। ऋषभ पंत चोटिल थे पर अब अब ऋषभ पूरी तरह फिट हो गये हैं। शुभमन की जगह इस एकदिवसीय सीरीज के लिए एल राहुल को अंतरिम एकदिवसीय कप्तान बनाया जा सकता है। रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी इस टीम में शामिल किया जा सकता है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। उप-कप्तान की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को मिल सकती है। सीरीज में स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती को जगह मिल सकती है।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत का संभावित दल : केएल राहुल (अंतरिम कप्तान) विराट कोहली, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, , ऋषभ पंत, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज।

भारतीय महिला क्रिकेटर प्रतिका रावल की तस्वीरें सोशल मीडिया में छायीं

मुम्बई। हाल में महिला विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में शामिल रही भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल काफी स्टायलिश भी हैं। इसका अंदाजा उनकी तस्वीरों से मिलता है। हाल में प्रतीका ने सोशल मीडिया में अपनी जो तस्वीरें जारी की हैं उसमें वह मॉडल या अभिनेत्री जैसी नजर आती हैं। सेमीफाइनल से ठीक पहले इंजर्ड होकर टूर्नामेंट से बाहर हुई प्रतिका की वो तस्वीरें तो सबने देखी थी, जब व्हीलचेयर पर सवाल होकर वह ट्रॉफी लेने मंच पर पहुंचीं थीं। वहीं अब वह एक नये अंदाज में दिखीं हैं। प्रतिका ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया में साझा की हैं। इसमें उनकी जमकर प्रशंसा हुई है। अपनी ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में प्रतिका सहज और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें प्रशंसकों ने जमकर साझा की हैं। विश्वकप में वह एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज थीं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही प्रतिका रावल ने 24 एकदिवसीय मैचों में दो शतकों, सात अर्द्धशतकों और 50.45 की शानदार औसत के साथ 1,100 से ज्यादा रन बनाए हैं।

मुशिफकुर रहीम बने 100वां टेस्ट खेलते हुए शतक जड़ने वाले 11वें बल्लेबाज़

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ मुशिफकुर रहीमन गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ मीरपुर में खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन एक खास उपलब्धि हासिल की। 38 वर्षीय रहीम ने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह यह कारनामा करने वाले बांग्लादेश के पहले, और दुनियाभर के 11वें खिलाड़ी बन गए। सबसे अधिक टेस्ट खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी रहीम ने अपनी पारी में कई आकर्षक चौके लगाए और 195 गेंदों में शतक पूरा किया। उनके इस शतक ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के उन चुनिंदा दिग्गजों की सूची में शामिल कर दिया, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतकीय पारी खेली है।

100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले बल्लेबाजों की पूरी सूची:

कॉलिन कौड्रे (इंग्लैंड) - 104 बनाम ऑस्ट्रेलिया, बर्मिंघम, 11 जुलाई 1968

जावेद मियांदाद (पाकिस्तान) - 145 बनाम भारत, लाहौर, 1 दिसंबर 1989

गॉर्डन ग्रीनिज (वेस्टइंडीज) - 149 बनाम इंग्लैंड, सेंट जॉन्ज़, 12 अप्रैल 1990

एलेक स्टीवर्ट (इंग्लैंड) - 105 बनाम वेस्टइंडीज, मैनचेस्टर, 3 अगस्त 2000

इंजमाम-उल-हक़ (पाक) - 184 बनाम भारत, बेंगलुरु, 24 मार्च 2005

रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 120 और 143* बनाम दक्षिण अफ्रीका, सिडनी, 2 जनवरी 2006

ग्रेम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका) - 131 बनाम इंग्लैंड, लंदन, 19 जुलाई 2012

हाशिम अमला (दक्षिण अफ्रीका) - 134 बनाम श्रीलंका, जोहान्सबर्ग, 12 जनवरी 2017

जो रूट (इंग्लैंड) - 218 बनाम भारत, चेन्नई, 5 फरवरी 2021

डेविड वॉर्नर (ऑस्ट्रेलिया) - 200 बनाम दक्षिण अफ्रीका, मेलबर्न, 26 दिसंबर 2022

मुशिफकुर रहिम (बांग्लादेश) - 100* बनाम आयरलैंड, मिरपुर, 19 नवंबर 2025

मुशिफकुर का यह शतक न सिर्फ उनकी काबिलियत और अनुभव का प्रमाण है, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल भी है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ: ग्वाडलाहारा और मोंटेरे होंगे मेजबान

मेक्सिको सिटी। फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि फीफा विश्व कप 2026 के इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ मुकाबले मेक्सिको के दो प्रमुख शहरों — ग्वाडलाहारा और मोंटेरे — में आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 23 मार्च से होगी, जिसमें पाँच अलग-अलग परिसंघों की छह टीमें दो विश्व कप स्थानों के लिए भिड़ेंगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के लिए इराक, डीआर कांगो, जमैका, सूरीनाम, बोलीविया और न्यू कैलेडोनिया ने क्वालिफाई किया है। ड्रा गुरुवार को ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद मैच शेड्यूल जारी किया जाएगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'ये प्रतिष्ठित स्टेडियम जुनून, रोमांच और उत्साह से भरे एक शानदार आयोजन के लिए बिल्कुल उपयुक्त मंच हैं।' ग्वाडलाहारा और मोंटेरे के स्टेडियम विश्व कप 2026 के दौरान भी मैचों की मेजबानी करेंगे। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में चार ग्रुप-स्टेज मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि मोंटेरे स्टेडियम में तीन ग्रुप मैच और एक राउंड-ऑफ-32 मुकाबला होगा। इसके अलावा, मेक्सिको का तीसरा विश्व कप स्थल होगा हाल ही में पुनर्निर्मित एस्टाडियो एज़्टेका, जो टूर्नामेंट के प्रमुख मैचों की मेजबानी करेगा।

एशेज में सबसे विवादित रही थी बॉडीलाइन सीरीज

एमससी को रोक लगाने बदलना पड़ा था नियम

पर्थ, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

एशेज सीरीज की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। इसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रहती है। दोनो ही टीम जीत के लिए अपन सब कुछ झौंक देती है। एशेज में अधिकतर बार ऑस्ट्रेलियाई टीम जीतती रही है। साल 1882 में एशेज सीरीज की शुरुआत से ही इसमें कई रोमांचक मुकाबले हुए हैं पर साल 1932-33 में खेली गई सीरीज सबसे विवादित रही।

ये जेंटलमैन खेलों के इतिहास में एक काले धब्बे की तरह देखी जाती है क्योंकि इस दौरान इंग्लैंड के गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजों को घायल करने का प्रयास तक किया। इस कारण ये बॉडीलाइन सीरीज के नाम से बदनाम है। इस सीरीज के बाद दोबारा ऐसा होने से रोकने के लिए क्रिकेट नियमों में बदलाव किया गया। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) को इस रणनीति के खिलाफ विरोध भी जताया था।

तब इंग्लैंड के कप्तान डगलस जार्डिन ने विश्व के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन को रोकने के लिए बॉडीलाइन रणनीति अपनायी थी। इसमें गेंदबाज का लक्ष्य विकेट की जगह बल्लेबाजों के शरीर पर गेंदाबाजी करनी थी। इस सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाज हेरोल्ड लॉरवुड और बिल वोज अपनी तेज गति की गेंदों को मेजबान बल्लेबाज के शरीर को लक्ष्य कर गेंदबाजी कर रहे थे। ताकि बल्लेबाज या तो रक्षात्मक खेले, या फिर गलत शॉट खेलकर कैच आउट हो जाए। लेग साइड पर कई फील्डर्स रखे गये थे, ताकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रन नहीं बना सके।

इस प्रकार की गेंदबाजी खेल भावना के खिलाफ थी क्योंकि इसमें बल्लेबाजों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया था क्योंकि कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी गंभीर रुप से घायल हुए थे। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए और आखिरकार इंग्लैंड ने सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने सीरीज का पहला मैच 10 विकेट से जीता। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए दूसरे टेस्ट को 111 रन से जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। इंग्लैंड ने तीसरा मुकाबला 338 रन से जीतकर फिर से बढ़त बनाई। इसके बाद बिस्बेन में खेले गए चौथे टेस्ट को 6 विकेट से जीता और सिडनी में पांचवां और अंतिम मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम किया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन 11 वें स्थान, यशस्वी सातवें नंबर पर पहुंचे

पहली बार शीर्ष पांच में पहुंचे बावुमा

गेंदबाजी में बुमराह, बल्लेबाजी में रुट शीर्ष पर बरकरार

दुबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के लाभ के साथ ही 11 वें स्थान पर पहुंच गये हैं। शुभमन के खाते में 737 रेटिंग अंक हैं। शुभमन कोलकाता में खेले गए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में चार रन बनाकर ही गर्दन में अकड़न के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गये थे। वहीं दूसरी पारी में वह नहीं खेल पाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा 794 अंक लेकर पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। वह शीर्ष पांच में पहली बार पहुंचे हैं। बावुमा ने दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाये थे। वहीं यशस्वी जायसवाल 749 अंक लेकर सातवें स्थान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 734 अंक लेकर 12 वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जो रूट 908 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नंबर-1 पर बने हुए हैं। उनके 895 अंक हैं। बुमराह ने कोलकाता टेस्ट में छह विकेट लिए थे जिसका लाभ उन्हें मिला है। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव दो स्थान के लाभ के साथ ही 13वें स्थान पर हैं। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चार विकेट लेने के बाद 15वें पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन एक स्थान ऊपर आकर 11वें पर और साइमन हार्मर 20 स्थान के लाभ के साथ ही 24वें नंबर पर हैं। हार्मर ने पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए थे। वहीं यान्सेन 254 अंक लेकर ऑलराउंडर्स की सूची में पांचवें स्थान पर चले गए हैं। ऑलराउंडारों में भारतीय टीम के जडेजा 437 अंक लेकर नंबर-1 पर बने हुए हैं।

आईपीएल में सीएसके की पारी शुरु करें रुतुराज : कुंबले

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसके अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत करनी होगी। कुंबले के के अनुसार रुतुराज को टीम को अच्छी शुरुआत भी देनी होगी ताकि आगे के बल्लेबाज बिना किसी दबाव के खेल सकें। कुंबले का मानना है कि संजू सैमसन के टीम में आने का बल्लेबाजी मजबूत हई है क्योंकि सैमसन पारी की शुरुआत के साथ ही अन्य स्थानों पर भी अच्छी बल्लोजी कर लेते है हालांकि टीम का अधिक लाभ रुतुराज जैसे भरोसेमंद बल्लेबाज के पारी शुरु करने से होगा। उन्होंने टीम में शामिल युवा बल्लेबाज आयुष महात्रे की भी जमकर प्रशंसा की और कहा कि उसने पिछले सत्र में ही अपनी प्रतिभा दिखायी थी। वह भविष्य में टीम का एक बेहतर सलामी बल्लेबाज बन सकता है पर अभी गायकवाड़ पर ही टीम निर्भर है। वहीं कुंबले ने राजस्थान रॉयल्स की की कप्तानी पर भी अपनी बात रखी है। जडेजा के रॉयल्स में शामिल होने पर उन्होंने हैरानी जतायी है और कहा है कि टीम में वह कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं।

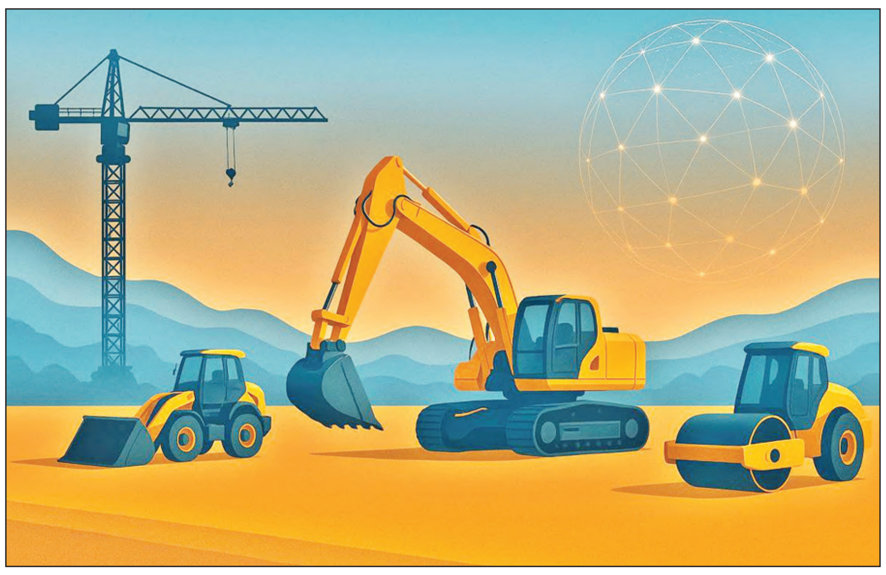

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग : जेसीबी इंडिया

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों

आईसीईएमए ने सरकार से बिना पहियों वाली मशीनों पर नियम लागू करने का अनुरोध किया

वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोज़र और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं। इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीज़ल पार्टिकुलेट फ़िल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बड़े प्रोजेक्ट्स को राहत, पोस्ट फैक्टो पर्यावरण मंजूरी पर विशेषज्ञों की सहमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के पोस्ट-फैक्टो यानी परियोजना शुरू अथवा पूरी होने के बाद पर्यावरण मंजूरी को प्रतिबंधित करने का फैसला बदलने को कानून विशेषज्ञों ने उचित बताया है। उनका मानना है कि इससे रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी परियोजनाओं और खनन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कानून फर्म एसकेवी लॉ ऑफिसेस में एक भागीदार ने इसे महत्त्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे 2017 और 2021 की सरकारी अधिसूचनाएं पुनः प्रभावी हो गई हैं, जो पूर्वव्यापी पर्यावरण मंजूरी की अनुमति देती थीं। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर निकट भविष्य में संकट के बादल छाए थे, वे अब दोबारा अपने आप आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और निर्माण परियोजनाओं आदि पर इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पतालों और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों सहित प्रमुख सार्वजनिक इन्फ्रा को इससे काफी फायदा होगा।

ट्राई ने वित्तीय कंपनियों को 1600 सीरीज अपनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर के लिए 1600 नंबरिंग सीरीज अपनाने को अनिवार्य कर दिया है, जिससे उनकी सेवा और लेन-देन संबंधी कॉल को अन्य कमर्शियल कम्युनिकेशन से स्पष्ट रूप से अलग किया जा सके। इसका उद्देश्य स्पैम कॉल और वॉइस कॉल के जरिए होने वाले फ्रॉड को रोकना है, जिससे देश में व्यापक स्तर पर वित्तीय धोखाधड़ी को रोक जा सके और यूजर्स के लिए वित्तीय माहौल और सुरक्षित हो सके। आधिकारिक बयान में कहा गया कि ट्राई की पहल के तहत 1600 नंबर की सीरीज दूरसंचार विभाग द्वारा बीएफएसआई सेक्टर को आवंटित की गई है। इससे लोगों को वित्तीय संस्थाओं से सही और विश्वसनीय कॉल मिलेंगी दिशानिर्देशों में कहा गया कि सभी म्यूचुअल फंड्स और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को 15 फरवरी, 2026 तक 1600 नंबरिंग सीरीज को अपनाना अनिवार्य है। वहीं, क्वालिफाइड स्टॉकब्रोकर्स (क्यूएसबी) को 1600 नंबर की सीरीज को 15 मार्च, 2026 तक अपनाना होगा।

न्यू रेनो डस्टर कार अगले साल होगी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी रेनो इंडिया अपनी नई रेनो डस्टर कार 26 जनवरी को भारतीय बाजार में पेश करने वाली है, जिसके बाद यह देशभर के शोरूम में उपलब्ध होने लगेगी। नई डस्टर को कंपनी के इंटरनेशनल मॉडल डेसिया के प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। रेनो का बड़ा ग्लोबल प्लान 2027 तक एक नई 7-सीटर एसयूवी और उभरते बाजारों के लिए बजट इलेक्ट्रिक सिटी कार लाने का भी है। भारत में इसकी टक्कर मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और मारुति फ्रोंक्स-आधारित वैरिएंट्स जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगी। नई डस्टर के एक्सटीरियर में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। खासतौर पर इसका फ्रंट लुक पूरी तरह बदला गया है। इसमें रेनो की नई बैजिंग के साथ मॉडर्न ग्रिल दी गई है, जो कंपनी के पारंपरिक रोम्बस लोगो की जगह लेती है। इसके बावजूद डस्टर अपनी दमदार पहचान बनाए रखती है। इसका आकार भी प्रभावी है 4343 मिमी की लंबाई और 2657 मिमी का व्हीलबेस इसे सेगमेंट की मजबूत एसयूवी में शामिल करता है। इंटीरियर की बात करें तो यह मॉडल अपने डेसिया वर्जन से काफी मेल खाता है। दोनों को अलग करने वाला मुख्य तत्व इसका स्टीयरिंग व्हील है। हाई ट्रिम में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डैशबोर्ड से ऊपर की ओर निकला हुआ लगता है। यह ड्राइवर-केंद्रित डिजाइन अनुभव को और बेहतर बनाता है। इंजन विकल्पों में भी यह एसयूवी काफी विविधता रखती है। इंटरनेशनल मार्केट में यह 1.0 टीसीई तीन-सिलेंडर इंजन के साथ आती है, जो 100एचपी की ताकत देता है। इसके साथ 1.2 टीसीई टर्बो पेट्रोल इंजन का माइल्ड-हाइब्रिड सेटअप भी उपलब्ध है, जो 130एचपी आउटपुट देता है और 48-वोल्ट स्टार्टर-जनरेटर के साथ ऑल-व्हील ड्राइव का सपोर्ट करता है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछाल दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये से लेकर 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये से लेकर 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,25,020 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

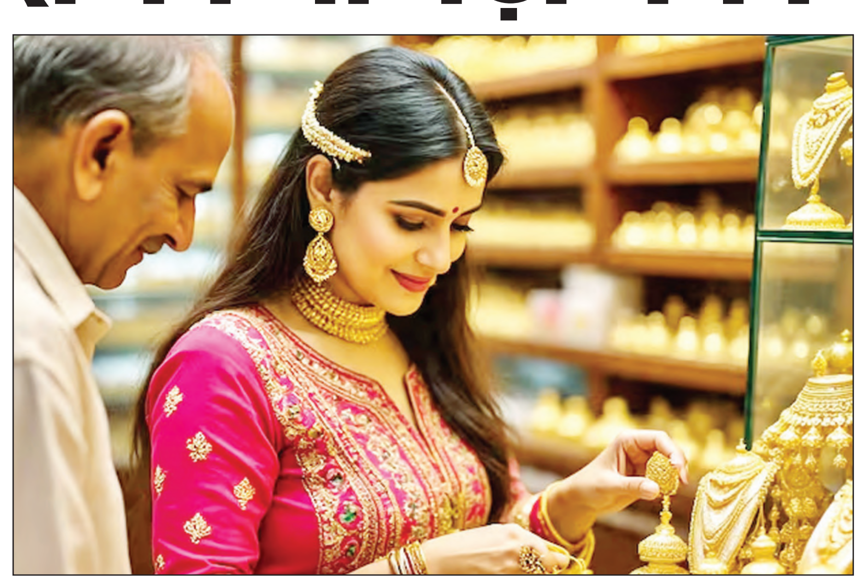

बियाणी बहनों की नई पहल- 'फूडस्टोरीज़' से प्रीमियम फूड रिटेल में वापसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में देश के खुदरा क्षेत्र में तेज़ी से बदलाव आया है। पारंपरिक किराना दुकानों की जगह जहाँ सुपरमार्केट ने तेजी से पकड़ बनाई, वहीं अब क्विक कॉमर्स कंपनियाँ मिनटों में घरेलू सामान से लेकर खाद्य उत्पादों तक पहुंचाकर प्रतिस्पर्धा को नए स्तर पर ले आई हैं। ऐसे बदलते दौर में खुदरा उद्योग के दिग्गज किशोर बियाणी की बेटियां अवनि बियाणी और आशनी बियाणी मानती हैं कि अब केवल बेहतर गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनूठा और यादगार अनुभव देना खुदरा विक्रेताओं के लिए अनिवार्य बन चुका है। इसी दिशा में दोनों बहनों ने पिछले वर्ष प्रीमियम और स्वादिष्ट खाद्य उत्पादों का रिटेल प्लेटफॉर्म 'फूडस्टोरीज़' शुरू किया। आशनी के अनुसार आज का ग्राहक अधिक जागरूक है और वह यह समझना चाहता है कि वह क्या खा रहा है। उपभोक्ता घर से बाहर होने पर भी अलग और उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव चाहते हैं, और फूडस्टोरीज़ इसी ज़रूरत को पूरा करने पर केंद्रित है। यह बियाणी बहनों का प्रीमियम फूड रिटेल में दूसरा बड़ा प्रयास है। इससे पहले अवनि ने 2011 में 'फूडहॉल' की शुरुआत की थी, जो 2023 में फ्यूचर रिटेल की दिवाला प्रक्रिया के बाद बंद हो गया। नई दिल्ली के वसंत कुंज स्थित एम्बिएंस मॉल में पहला स्टोर खोलने के बाद फूडस्टोरीज़ अब बेंगलूरु की लावैल रोड और हैदराबाद के बंजारा हिल्स तक पहुंच गया है।

फेडरल रिजर्व चेयरमैन पद पर स्कॉट बेसेंट का नाम फिर चर्चा में

वाशिंगटन, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वह देश के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को फेडरल रिजर्व के अगले चेयरमैन के रूप में नियुक्त करना चाहते हैं। सऊदी अरब में आयोजित अमेरिका-सऊदी निवेश मंच के दौरान अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि बेसेंट इस पद के लिए उनकी पहली पसंद हैं, लेकिन वह स्वयं यह जिम्मेदारी संभालने के इच्छुक नहीं हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बेसेंट वित्त मंत्री के रूप में ही काम जारी रखना चाहते हैं, इसलिए उनका नाम अभी केवल विचाराधीन है।

ट्रंप लंबे समय से फेडरल रिजर्व के मौजूदा चेयरमैन जेरोम पॉवेल की आलोचना करते रहे हैं, विशेष रूप से ब्याज दरों में तेजी से कटौती न करने

ट्रंप ने दो दिनों में दूसरी बार जताई इच्छा

को लेकर। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप जिस भी उम्मीदवार को चेयरमैन बनाएंगे, उससे उम्मीद होगी कि वह ब्याज दरों में तेज कटौती का समर्थन करेगा और फेडरल रिजर्व की नीति-प्रक्रियाओं में उल्लेखनीय बदलाव ला सकता है। स्कॉट बेसेंट ने इस साल की शुरुआत में 2008-2009 की आर्थिक मंदी और कोविड महामारी के दौरान फेड के कदमों की कड़ी आलोचना की थी। यही वजह है कि भले ही वे स्वयं इस पद से दूरी बना रहे हों, विशेषज्ञ उन्हें संभावित चेयरमैन पद के सबसे मजबूत दावेदारों में शुमार कर रहे हैं। बेसेंट ने खुद इस पद के लिए कई नाम सुझाए हैं, जिनमें फेड के मौजूदा अधिकारी क्रिस्टोफर वॉलर और मिशेल बोमन के साथ व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट, फेड के पूर्व गवर्नर केविन वार्श और ब्लैकरॉक के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक रिक रीडर शामिल हैं। ट्रंप के अगले निर्णय पर अब वॉल स्ट्रीट और वैश्विक वित्तीय बाजारों की नजरें टिकी हुई हैं।

अप्रैल-अक्टूबर में भारत का तेल-गैस आयात बिल 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली। भारत का तेल और गैस का शुद्ध आयात बिल चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर में 12 प्रतिशत कम हो गया। पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्राकृतिक गैस की मांग में गिरावट के बीच आई है। वित्त वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में इन दोनों का आयात बिल घटकर 69.9 अरब डॉलर रह गया जबकि यह बीते साल की इस अवधि में 75.9 अरब डॉलर था। भारत घरेलू कच्चे तेल के लिए 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के लिए 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत ने इस वर्ष कच्चे तेल का आयात पहले जितना किया था। लेकिन कच्चे तेल की कीमतें गिरने के कारण बचत हुई। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल का बिल 13 प्रतिशत घटकर 71.2 अरब डॉलर रह गया जबकि पिछले वर्ष यह 81.9 अरब डॉलर था।

फुजियामा पावर के शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग के बाद रिकवरी

ग्रे मार्केट की उम्मीदों से नीचे रहा प्रदर्शन, क्यूआईबी की मजबूत मांग से सब्सक्रिप्शन पूरा हुआ

नयी दिल्ली,20 नवंबर (एजेंसियां) ।

फुजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ गुरुवार को शेयर बाजार में हल्की गिरावट के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 218.40 रुपए पर खुले, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 228 रुपए से करीब 4 फीसदी कम रहा। एनएसई पर भी शेयर 220 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 3.51 फीसदी डिस्काउंट दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ को बेहद मामूली सपोर्ट मिला था, जहां शेयर केवल 228.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। लिस्टिंग के बाद हालांकि शेयर में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3.85 फीसदी चढ़कर 226.80 रुपए पर

पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 3.25 फीसदी की बढ़त के साथ 227 रुपए के आसपास कारोबार करने लगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआती दबाव के बावजूद शेयर में रिकवरी इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी में रुचि दिखाई। आईपीओ की शुरुआत बाजार की सतर्क धारणा के बीच कमजोर रही थी, लेकिन अंतिम दिन मांग में सुधार ने इश्यू को संभाल लिया।

आयकर जांच की खबर के बाद वारी एनर्जीज में भारी गिरावट

नई दिल्ली। एनर्जी सेक्टर की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज के कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग की जांच-पड़ताल शुरू होने के बाद कंपनी के शेयर में तेज गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलते ही निवेशकों में बेचैनी बढ़ी और कंपनी का स्टॉक करीब 6 फीसदी टूटकर 3,085 रुपये के स्तर पर आ गया। जबकि सितंबर 2025 में यह शेयर 3,864.40 रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका था, जो इसका 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है। वहीं इसका 52 सप्ताह का निचला स्तर 1,808.65 रुपये है। शेयर में आई यह अचानक गिरावट निवेशकों की बढ़ती चिंता को दर्शाती है। कंपनी ने पुष्टि की कि आयकर अधिनियम, 1961 के तहत जांच के लिए आईटी विभाग के अधिकारी भारत में उसके कई कार्यालयों और सुविधाओं में पहुंचे हैं। वारी एनर्जीज ने कहा है कि जांच प्रक्रिया जारी है और कंपनी पूरी तरह से सहयोग कर रही है। इससे पहले सितंबर में कंपनी ने बताया था कि वह अमेरिकी सरकार के साथ भी सहयोग कर रही है, जहां सौर ऊर्जा आयात शुल्क की कथित चोरी को लेकर जांच चल रही है। कंपनी की सब्सिडियरी, वारी सोलर अमेरिकाज, टेक्सास में 1.6 गीगावाट क्षमता वाली मॉड्यूल विनिर्माण यूनिट का संचालन करती है, जिसे 3.2 गीगावाट तक बढ़ाया जा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में एनवीडीया के शानदार नतीजे की वजह से अमेरिकी बाजारों के मूड में पिछले सत्र के दौरान सुधार होता हुआ नजर आया। मार्केट सेंटीमेंट्स में सुधार होने के कारण वॉल स्ट्रीट में चार दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले पर ब्रेक लग गया। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,642.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 130.10 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,562.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 276.37 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछल कर 46,415.14 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,507.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,953.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत टूट कर 23,162.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में चौतरफा मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,111 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,518.66 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कोस्पी इंडेक्स और ताईवान वेटेड इंडेक्स में जोरदार उछाल नजर आ रही है। ताइवान वेटेड इंडेक्स 816.74 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,396.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 119.48 अंक यानी 3.04 प्रतिशत उछल कर 4,048.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं निक्केई इंडेक्स 1,357.30 अंक यानी 2.80 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 49,895 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,293.11 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,472.92 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,961.71 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,867 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 21 नवंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

72वें अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह के सफल आयोजन पर अग्रसेन बैंक के चेयरमैन सम्मानित

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
द अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया को 20.11.25 को सहकारिता सप्ताह के समापन दिवस पर तेलंगाना कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड द्वारा उनके परिसर, गनफाउंड्री, हैदराबाद में आयोजित 72वें अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सम्मानित किया गया। तेलंगाना कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड, तेलंगाना सरकार के सहकारिता विभाग के तहत एक शीर्ष-स्तरीय संस्था है।

हर साल 14 नवंबर से 20 नवंबर तक पूरे भारत में सभी सहकारी समितियों और संस्थाओं द्वारा सहकारिता सप्ताह मनाया जाता है।

उन्हें अग्रसेन बैंक को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया, जैसे कि 31.3.2025 तक 1000 करोड़ का कारोबार पार करना, चालू कैलेंडर वर्ष के दौरान 7 नई शाखाएँ जोड़ना और एग्रोहा बैंक का अग्रसेन बैंक के साथ बहुत जल्द विलय का प्रस्ताव।

कार्यक्रम में तेलंगाना कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड, गनफाउंड्री, हैदराबाद के प्रिंसिपल डॉ. भुक्या वेंकन्ना, संयुक्त रजिस्ट्रार/एमडी श्रीमती अन्नपूर्णा और संयुक्त रजिस्ट्रार/संकाय श्रीमती आर संगीता ने भाग लिया। यह सम्मान श्री के श्रीनिवासा रेड्डी, नलगोंडा डीसीसीबी चेयरमैन द्वारा किया गया।

सभी वक्ताओं ने बैंक की पूंजी, निवल मूल्य, जमा, अग्रिम और लाभ में वृद्धि करके बैंक को लगातार आगे बढ़ाने में चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केडिया द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों की सराहना की।

श्री प्रमोद कुमार केडिया ने उल्लेख किया कि बैंक की उल्लेखनीय वृद्धि तेलंगाना राज्य सरकार से आरसीएस और सहकारिता विभाग के डीसीओ के माध्यम से, साथ ही भारतीय रिज़र्व बैंक से निरंतर समर्थन और बैंक कर्मचारियों के ईमानदार और लेपलशीींशिव प्रयासों से संभव हुई है। उन्होंने बैंक के विकास में योगदान देने वाले सभी को धन्यवाद दिया।अमावस्या के अवसर पर अत्तापुर में जरूरतमंद लोगों को अन्नदान किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में समाजसेवी और स्थानीय संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बद्रीप्रसाद सरायवाल, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज अतापुर, श्रीनिवास सोमाणी अध्यक्ष राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद, सुरेश कुमार मोदी अध्यक्ष राजस्थानी नव जागृति मंच अत्तापुर, संजय अग्रवाल, श्याम अग्रवाल और श्याम जांगिड़ सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हिन्दुत्व पर बोलना बंद किया तो साँसे रुक जाएँगी : बंडी संजय

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने प्रश्न किया कि मुसलमान महिलाओं को तीन तलाक की कुरीती से निजाद दिलाकर उन्हें खुश करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांप्रदायिक और उन्हीं मुसलमान महिलाओं की खुशी तक बर्दाश्त नहीं कर पाने वाली कांग्रेस और बीआरएस सेक्युलर क्यों?केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने करीमनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के हुजूराबाद शहर स्थित मुधुबनी गार्डन में करीमनगर लोसकसभा निर्वाचन क्षेत्र पोलिंग बूथ अध्यक्षों और प्रमुख नेताओ की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हिन्दू, मुस्लिम, सिख व ईसाई को उपलब्ध करा रही है।

मैलार मल्लन्ना जात्रा 26 नवंबर से पूरे महीने चलेगा महोत्सव

बीदर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैलार मल्लन्ना देवरा जात्रा 26 नवंबर से 26 दिसंबर तक भालकी तालुक के खानपुर में बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा।

26 नवंबर को जात्रा का औपचारिक उद्घाटन मल्हारी, मलासकते और भानु की शादी के कार्यक्रम के साथ रात 9:30 बजे होगा। जात्रा के मुख्य कार्यक्रम निम्नानुसार हैं:

30 नवंबर: पालकी उत्सव और नंदी पर भगवान की मूर्ति की शोभायात्रा – रात 8:30 बजे

4 दिसंबर: मोर पर भगवान की मूर्ति की शोभायात्रा – रात 8:30 बजे 7 दिसंबर: पालकी उत्सव और घोड़े पर भगवान की मूर्ति की शोभायात्रा – रात 8:30 बजे 14 दिसंबर: पालकी उत्सव और हाथी पर भगवान की मूर्ति की शोभायात्रा – रात 8:30 बजे 21 दिसंबर: पालकी उत्सव और नंदी पर भगवान की मूर्ति की शोभायात्रा – रात 8:30 बजे जात्रा महोत्सव का समापन समारोह 26 दिसंबर को सुबह 11 बजे आयोजित किया जाएगा। मल्लन्ना मंदिर के एडमिनिस्ट्रेटर मुकुल जैन और एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अनंतराव कुलकर्णी ने भक्तों से बड़ी संख्या में जात्रा महोत्सव में भाग लेने और भगवान के दर्शन करने की अपील की है।

'देवनागरी उत्थान फाउंडेशन' द्वारा आदर्श देवनागरी सम्मान 23 को

हिंदी शिक्षकों और मेधावी छात्रों को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण भारतीय समाजसेवी संस्थान देवनागरी उत्थान फाउंडेशन हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए एक व्यापक अभियान चला रहा है। इसी उद्देश्य के तहत संस्था ने हिंदी की सेवा में लगे शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के आधार पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करने का संकल्प लिया है। इस अनोखी पहल के अंतर्गत अब तक 500 से अधिक शिक्षकों को विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

आदर्श देवनागरी सम्मान 2025 का आयोजन उन शिक्षकों के सम्मान में किया गया है, जिनकी मेहनत और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप छात्रों ने हिंदी विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय और अभिभावकों का गौरव बढ़ाया है। साथ ही माध्यमिक शिक्षा परिषद परीक्षा में हिंदी में सौ प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रों को भी इस कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से 50 शिक्षकों और 51 छात्रों का चयन किया गया है।

यह कार्यक्रम 23 नवंबर, रविवार 2025, को दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के प्रांगण में सुबह 9 बजे प्रारंभ होगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामहिमबंडारू दत्तात्रेय, पूर्व राज्यपाल हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, होंगे, जो अपने कर-कमलों से चयनित शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित करेंगे।

इस समारोह को दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के प्रभारी राधाकृष्णन जी, ग्लोबल यूनिवर्सिटी एवं धरा धाम इंटरनेशनल के संवाद शिरोमणि डॉ. सौरव पांडे, तथा अनेक विद्वानों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त है।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में प्रधानमंत्री किसान योजना की 21वीं किस्त का सीधा प्रसारण

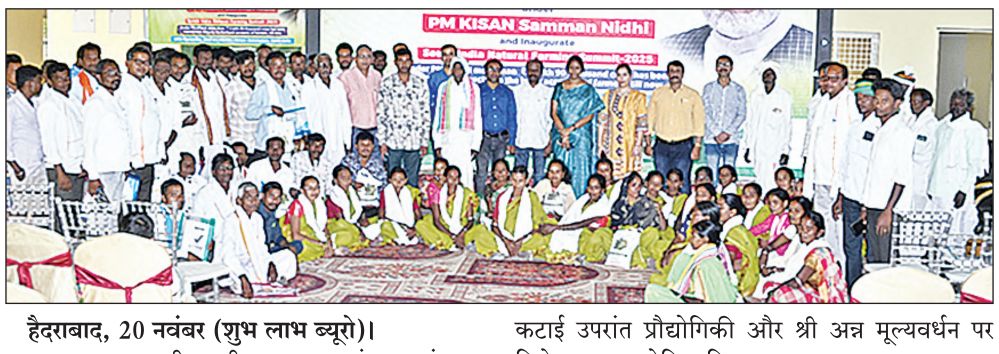

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा देशभर में संचालित प्रधानमंत्री किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री किसान योजना के महत्व का प्रसार करना तथा संस्थान द्वारा विकसित उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी और श्री अन्न आधारित हस्तक्षेपों के बारे में किसानों में जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रधानमंत्री किसान योजना के महत्व पर संक्षिप्त जानकारी के साथ हुई। इसके बाद किसानों के लिए श्री अन्न फसलों की उन्नत खेती तकनीक, श्री अन्न की किस्में, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी और श्री अन्न मूल्यवर्धन पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

इस दौरान वैज्ञानिकों और किसानों के बीच संवाद भी हुआ, जिसमें खेती से होने वाली आय बढ़ाने में उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी, खेती आधारित उद्यमशीलता और श्री अन्न मूल्यवर्धन की भूमिका पर विशेष बल दिया गया।

संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें 305 आदिवासी एवं अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान योजना के अंतर्गत लगभग 9 करोड़ किसानों को 18,000 करोड़ की धनराशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से जारी होते देखा। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में किसानों के कल्याण, वित्तीय सशक्तिकरण और राष्ट्रीय कृषि विकास लक्ष्यों पर जोर दिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने अपने संस्थान स्तर के कार्यक्रम के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के 30 किसान उत्पादक संगठनों (त्रझजी) में भी सीधे प्रसारण का आयोजन किया। ग्राम स्तर पर लगभग 1500 किसानों को एकत्र कर अपने-अपने एफपीओ केंद्रों पर कार्यक्रम दिखाया गया। इन केंद्रों पर किसान-वैज्ञानिक संवाद, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित हुए।

यह आयोजन किसानों को राष्ट्रीय पहलों से जोड़ने, प्रौद्योगिकी के प्रसार को मजबूत करने, सतत कृषि को बढ़ावा देने तथा श्री अन्न आधारित खेती करने वाले समुदायों को सहयोग प्रदान करने के संस्थान के संकल्प को सुदृढ़ करता है। किसानों ने प्रधानमंत्री किसान योजना अंतर्गत समय पर मिली वित्तीय सहायता और संस्थान व एफपीओ नेटवर्क द्वारा दी जा रही तकनीकी सहायता की सराहना की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह विशेष आयोजन टीएसपी और एससीएसपी समिति द्वारा एफपीओ परियोजना दल की सहायता से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

फेडरेशन ऑफ कर्नाटका चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा बैंगलोर में आयोजित समारोह में कर्नाटक सरकार के कानून एवं पर्यटन मंत्री एच.के. पाटिल तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर की उपस्थिति में 'इंटरनेशनल वुमेंस इंट्रप्रेन्योर अवार्ड' से हैदराबाद निवासी नीता बजाज (फ्लेम्स एण्ड फ्लेवर्स) को सम्मानित किया गया ।

कलाकल यादेवी श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर गौ सेवा

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मेडचल रोड स्थित कलाकल यादेवी श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के शुभ अवसर पर समाजसेवियों द्वारा गौ-सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर सीरवी तारा राम पंवार, चुन्नीलाल सिरवी, कल्याण, नरेश कुमार, पूना राम, भेराराम बर्फ़, कालूराम, राजेश कुमार, कुशल, अरुण सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी श्रद्धालुओं ने गौ-पूजन कर गौ माता की सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

अमावस्या के पावन अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा विशाल अन्नदान कार्यक्रम

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अमावस्या के शुभ अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव ने आज रानी पार्क, कोटी बैंक स्ट्रीट के पास स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में एक अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम अत्यंत भक्ति और सामुदायिक भावना के साथ आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना और सेवा तथा करुणा के मूल्यों को बनाए रखना था। इस नेक पहल में बजरंग सेना के कई सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान देने वाले प्रमुख उपस्थित लोगों में श्रीकांत, रवि, नरेश, और अन्य समर्पित स्वयंसेवक शामिल थे।

अग्रवाल समाज नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा मार्गशीर्ष अमावस्या पर अन्नप्रसाद आयोजित

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा मार्गशीर्ष अमावस्या के उपलक्ष्य में अन्नप्रसाद कार्यक्रम मल्लापुर मेन रोड पर गोयल स्टील के पास आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम समाज की मासिक परंपरा और मानव सेवा ही माधव सेवा के आदर्श को समर्पित रहा।

कार्यक्रम में अध्यक्ष – प्रदीप कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष – सतनारायण अग्रवाल, मंत्री – प्रवीण कुमार अग्रवाल, अमावस्या संयोजक – सुरेश जीतपुरिया एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

इसके साथ ही सदस्य भुवनेश्वर अग्रवाल, सुरेश जाखनीवाल, विकास जाखनीवाल, विकास गुप्ता, पालाराम सुरेश कुमार, रामबाबू अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, तथा महिला शाखा से अध्यक्ष निशा गुप्ता भी उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने नियमित सेवा कार्यों को समाजहित में निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

बालाजी नगर श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर भजन कीर्तन और महा प्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के उपलक्ष्य में भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौमाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। स्थानीय भजन गायकों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी और गौभक्त उपस्थित रहे। महा प्रसादी का आयोजन वॉलीबॉल मित्र मंडल नरेडमेट के सदस्यों द्वारा किया गया, जिनमें हीरालाल, जगदीश, बाबूलाल, वेनाराम, अशोक कुमार, वगताराम, लालराम, सूजाराम, दुदाराम, हुक्माराम, छेलसिंह, देवेन्द्र सिंह, किशनसिंह, राजु सिंह, कर्ण सिंह, सुमेर, चौथाराम, डुगाराम, कालूराम, हंसाराम, रमेश कुमार, जोगाराम, धोगालाल, लालाराम, मोतीलाल, भुराराम, प्रवीण शामिल थे।कार्यक्रम में गौसेवा का भी आयोजन किया गया। गौशाला में पानी पाइप की सुविधा लक्ष्मी मार्केटिंग प्रबंधक चेतन सीरवी द्वारा प्रदान की गई।

भजन गायकों में विशाल श्रीमाली, भंवरलाल सीरवी, ओमप्रकाश कुमावत, रमेश प्रजापत, श्री आईमाता जी भजन मंडली बालाजी नगर, अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, गिरधारीलाल प्रजापत, भेराराम सैणचा, लोकेश, पीटु सागर, लक्ष्मण सुथार शामिल थे, जिन्होंने भक्तों के लिए संगीतमय भजन प्रस्तुत किए।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में अमावस्या के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान का आयोजन किया गया।आज की सेवा श्रीमती बबीता एवं श्री महेश कुमार अग्रवाल, श्री भगवान दास जी महेश कुमार अग्रवाल जी बंसल परिवार की ओर से की गई। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, गोविंद राम पचेरिया, विनोद तोषनीवाल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल,मीना अग्रवाल, शर्मिला गोयल आदि उपस्थित थे।

अमावस्या के शुभ अवसर पर सराफा फाउंडेशन, महा काली स्ट्रीट, सिकंदराबाद में अन्न प्रसादम का वितरण किया गया।कार्यक्रम में समाजसेवी बिकी सराफ, विकास कुमार अग्रवाल, अशोक आर डाणी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अन्न प्रसाद का वितरण किया और उपस्थित लोगों को पुण्य लाभ प्रदान किया।

गायत्री वेद फाउंडेशन में मार्गशीर्ष अमावस्या पर गौपूजन और वृषभ पूजन

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री वेद फाउंडेशन द्वारा संचालित श्री गौ सेवा सदन में गुरुवार, मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर गौपूजन और वृषभ पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौ माताओं को चारा, कुट्टी, चना, गुड़ और हरी सब्जियां प्रदान कर सेवा की गई।

फाउंडेशन के अध्यक्ष श्रीमान पुरुषोत्तम लाला जी महाराज के आदेशानुसार, सनातन पद यात्रा के मुख्य संचालक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी के उत्तम आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य तथा हिन्दू राष्ट्र, अखण्ड भारत और विश्व कल्याण की कामना की गई। साथ ही वेद विद्यार्थियों को फल सेवा भी प्रदान किया गया।

इस मौके पर महासचिव पंडित आचार्य विशेष, ट्रस्टी एडवोकेट सुरेन्द्र सिंह चौधरी, हरि गोविंद प्रसाद, एडवोकेट संजय अग्रवाल, प्रदीप रेड्डी, पंडित आशीष शर्मा, पंडित अक्षय शर्मा, वेद विद्यालय के प्रधानाध्यापक वेद मूर्ति पंडित श्री आदित्य पाठक और अध्यापक वेद मूर्ति पंडित श्री रंजन पाण्डेय उपस्थित थे। इसके अलावा सभी छात्रगण भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य गौ माता की सेवा, विद्यार्थियों में सांस्कृतिक और धार्मिक शिक्षा का प्रसार तथा सनातन परंपरा का संवर्धन था।

शादी की सालगिरह को यादगार बना दिया राधे राधे परिवार ने : केडिया दंपति

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान कैलाश चंद केडिया एवं निर्मला केडिया (केडिया दंपति) की शादी की सालगिरह सादगी और सेवा भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का माहौल हर्ष, उत्साह और भक्ति से सराबोर रहा।समारोह के तहत ग्रुप सदस्यों ने केक काटकर एवं शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर केडिया दंपति का सम्मान किया। इस अवसर पर जय श्री राधेराधे के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

ग्रुप की ओर से आयोजित यह विशेष उत्सव केवल वर्षगाँठ का उत्सव नहीं बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता का प्रतीक रहा। उसी अन्नदान कार्यक्रम में निराश्रित जनों को भोजन वितरित किया गया, जिससे समारोह का उद्देश्य और अधिक पुण्यकारी बन गया।

भाव-विभोर होते हुए दंपति ने कहा, हमारे जीवन के इस विशेष दिन को सेवा और सहयोग की भावना के साथ मनाकर राधे राधे परिवार ने इसे सचमुच यादगार बना दिया। हमारी वर्षगाँठ को आध्यात्मिक और सामाजिक संदर्भ में मनाने का सौभाग्य मिला, हम हृदय से आभारी हैं।

आज की सेवा में श्री श्यामसुंदर जी राकेशरोशन जी अग्रवाल परिवार, श्री बालमुकुंद जी मधु मधुसूदन जी गुप्ता मैसर्स इंद्र लाल बालमुकुंद जेम एंड ज्वेल, श्रीमती मधु जी अग्रवाल श्रीमती तृप्ति जी अग्रवाल श्रीमती सूची गुप्ता श्रीमती अनीता जी नथानी परिवार तथा केडिया परिवार की ओर से की गई।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई जगन चंपापेट, मनीष अग्रवाल, प्रतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, सुरेश डालमिया, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, नंदकिशोर अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, राजेश योगा सर,बरखा गोयल, गौरव गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, रवि शर्मा, सूची गुप्ता आदि उपस्थित थे।

शेरकोटी पेंट्स की लखनऊ ब्रांच में जबरदस्त काम, ग्राहक भी खुश

लखनऊ, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शेरकोटी पेंट्स के ब्रांड हेड ज़ैद ने आज लखनऊ ब्रांच का दौरा किया और ब्रांच हेड सलमान व उनकी टीम की मेहनत को देखा। ज़ैद ने टीम के काम की तारीफ़ करते हुए कहा कि लखनऊ की टीम जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम कर रही है, और इसका असर सीधे ग्राहकों की संतुष्टि में दिखाई दे रहा है।

ग्राहक प्रतिक्रिया के अनुसार, शेरकोटी पेंट्स की गुण-वत्ता ने उन्हें बेहद प्रभावित किया है। ग्राहक बार-बार यह कह रहे हैं कि यह पेंट अन्य ब्रांडों की तुलना में कहीं बेहतर है, टिकाऊ है और दीवारों पर दी गई सुंदरता लंबे समय तक बनी रहती है।

शेरकोटी पेंट्स ने सिर्फ लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। जहां भी इसका उत्पाद उपलब्ध है, वहां से सिर्फ तारीफ और बेहतरीन परिणाम मिल रहे हैं। इसकी सफलता का मूल कारण उच्च गुणवत्ता, टिकाऊपन और ग्राहकों की संतुष्टि को सर्वोपरि रखना है।

ब्रांड हेड ज़ैद ने बताया कि भारत की सभी शाखाएं बेहतरीन काम कर रही हैं और सभी मिलकर शेरकोटी पेंट्स को देश में एक मजबूत, भरोसेमंद और लोकप्रिय ब्रांड बनाने में योगदान दे रही हैं। शेरकोटी पेंट्स की यह प्रतिबद्धता इसे ग्राहकों के बीच सबसे विश्वसनीय और पसंदीदा पेंट ब्रांड बनाती है।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा द्वारा अमावस्या पर अन्न प्रसाद वितरित

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा ने इस माह अमावस्या के अवसर पर अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के समक्ष अन्न प्रसाद का आयोजन किया।शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, मानद मंत्री प्रतीक अग्रवाल, सह मंत्री विजय कुंछल, महिला समिति की संयोजिका सरला अग्रवाल और अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना और भोग अर्पण के बाद अन्न प्रसाद का वितरण किया गया, जिसका लाभ लगभग 600 लोगों ने प्राप्त किया।

अन्न प्रसाद कार्यक्रम में आयुष मोदी, ओमप्रकाश पंसारी, सरला अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, गिरध-ारीलाल गुप्त, डॉक्टर सुमन सराफ, विजय जिंदल, आशीष गर्ग, प्रदीप अग्रवाल, राजेश कृष्णा अग्रवाल, महेश गोयल, जितेंद्र गोयल, श्रीनाथ अग्रवाल, अजय गुप्ता, निरंजन-सुनीता अग्रवाल और अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।कार्यक्रम में प्रदीप अग्रवाल, रितेश झुनझुनवाला, राम गोपाल गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, दीपा गर्ग, अंजु गोयल सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंदौर अमेरिकन कैंसिल अस्पताल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज की सेवा श्रीमती सुमन लता जी एवं श्री मनीष गुप्ता की श्री किशन जी राधेश्याम जी गुप्ता परिवार की ओर से की गई। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल रणधीर, बरखा गोयल, गौरव गोयल आदि उपस्थित थे।

श्री महासर माता भक्त मंडल द्वारा राम रसोई निर्माण कार्य जारी

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महासर माता भक्त मंडल द्वारा चूड़ीबाजार में राम रसोई का निर्माण कार्य चल रहा है। राम रसोई में प्रतिदिन प्रसाद तैयार किया जाएगा, जो सभी मंदिरों में भोग के रूप में अर्पित किया जाएगा और उसके बाद अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।इस परियोजना के लिए आर. नानकराम सूरज कमल परिवार के सत्यम अग्रवाल और आर. नानकराम चैरिटेबल ट्रस्ट के शशि कांत अग्रवाल ने निर्माण कार्य में ग्यारह लाख रुपये का योगदान दिया। यह राशि संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल और मानद मंत्री दिनेश अग्रवाल को प्रदान की गई।राम रसोई परियोजना का उद्देश्य न केवल धार्मिक अनुष्ठानों को सुसंगठित करना है, बल्कि समाज में सेवा और अन्नदान की परंपरा को बढ़ावा देना भी है।

हनुमान जी पर टिप्पणी को लेकर विधायक राजा सिंह ने राजामौली के खिलाफ विरोध जताया

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्लोबट्रूटर इवेंट के दौरान निर्देशक एस.एस. राजामौली द्वारा हनुमान पर की गई कथित टिप्पणी ने हंगामा मचा दिया है। इस पर गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।राजा सिंह ने कहा कि राजामौली जैसी टिप्पणियाँ अस्वीकार्य हैं और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, यहां तक कि उन्हें जेल में डालने की मांग भी की। उन्होंने हिंदू समुदाय से अपील की कि ऐसे निदेशकों की फिल्मों का बहिष्कार किया जाए।विधायक ने सवाल उठाया कि जब राजामौली हिंदू देवताओं में विश्वास नहीं रखते, तो वे उनके नाम पर फिल्में क्यों बना रहे हैं और इससे कमाई क्यों कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राजामौली को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे वाकई नास्तिक हैं या वाराणसी फिल्म को प्रमोट करने के लिए ऐसी बातें कर रहे हैं।राजा सिंह ने अभिनेता प्रभाष के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने बाहुबली फिल्म में शिवलिंग उठाकर करोड़ों रुपये कमाए, लेकिन अब कह रहे हैं कि हिंदू देवताओं में विश्वास नहीं करते। विधायक ने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब राजामौली ने हिंदू देवताओं के खिलाफ टिप्पणी की है; इससे पहले वे कृष्ण और राम के संबंध में भी विवादित बयान दे चुके हैं।अंत में राजा सिंह ने हिंदुओं से अपील की कि वे ऐसे निदेशकों के खिलाफ शिकायत दर्ज करें और हिंदू धर्म एवं देवताओं के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए सतर्क रहें।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, JAKA BOGIRAJU Father of Service No. 2618724K Hav JAKA LAKSHMANA RAO, Residing at Vill:Kotipali, PO:Dallavalasa, Teh:Ponduru, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532402 have changed my name and DOB from JAKA BOGIRAO, DOB:19-5-1962 to JAKA BOGIRAJU, DOB:01-01-1959 vide affidavit dt:20-11-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, JAKA LAXMI Mother of Service No. 2618724K Hav JAKA LAKSHMANA RAO, Residing at Vill:Kotipali, PO:Dallavalasa, Teh:Ponduru, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532402 have changed my DOB from 12-07-1972 to 01-01-1971 vide affidavit dt:20-11-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, M RANUKA, is legally wedded spouse of Service No. 63722844W, Rank: EX-NK, Name: A JITHA, Presently residing at H.No. 5-8-114/3, BHAGATH SINGH NAGAR, Vill: YAPRAL, PO: J J NAGAR, Teh: ALWAL, Dist: MEDCHAL-MALAKJGIRI, State:Telangana, Pin: 500087, I have Changed my Name from M RANUKA to M RENUKA, my date of Birth is 20-05-1968, Affidavit Singed by advocate and Notary P DAYAVATHI LLM, date 20/11/2025

CHANGE OF NAME & DOB
I, SANKATALI UMA DEVI Spouse of Service No. 14939487F Nk SANKATALI VENKATESWARLU, Resident of 6-10, Vill and PO:Kakarla, Teh:Ardhaveedu, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523333 have changed my name and DOB from SANKATALI UMA DEVI, DOB:28-4-1995 to CHENNAKESAVULA UMADEVI, DOB:28-4-1996 vide Affidavit dt:20-11-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No. 15813353M Nk JITENDRA SINGH of 2 Trg Bn, AOC Centre, Secunderabad that my daughter name is to be changed from ARADHYA DEVI to ARADHYA YADAV.

मंदिर प्रशासन के अव्यवस्था पर सीपीआई का आरोप

ईओ को 140 समस्याओं का ज्ञापन सौंपा

यादगिरिगुट्टा, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) की अगुवाई में पहाड़ी पर स्थित मंदिर कार्यालय के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ईओ) को कुल 140 दिक्कतों की एक विस्तृत पिटीशन सौंपी गई। इस अवसर पर बोलते हुए सीपीआई राष्ट्र समिति के सदस्य गोडा श्रीरामुलु ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं के अभाव और बिना योजना के मंदिर अधिकारियों के बर्ताव के कारण भक्तों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने बताया कि पहाड़ी पर प्रसाद ग्रहण करने के बाद हाथ धोने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पानी भक्त पीने को मजबूर हैं। इसके अलावा पीने योग्य पानी की उचित व्यवस्था भी नहीं की गई है। मंदिर परिसर में भगवान की पूजा, कार्यक्रमों और सेवाओं की जानकारी देने वाले बोर्ड भी नहीं लगे हैं, जिनकी स्थापना तत्काल जरूरी है।श्रीरामुलु ने कहा कि एक दानकर्ता द्वारा स्थापित अन्नदान सत्र महीनों से बंद है, जिससे भोजन और ठहरने की व्यवस्था न होने के कारण भक्तों को भारी दिक्कत हो रही है। उन्होंने मांग की कि इसे तुरंत शुरू किया जाए।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर, अटेंडेंट और रिटायर्ड कर्मचारियों की सभी रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए और मंदिर की ओर से एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए। नियमित पूजा करने वाले पुजारी कमरे की कमी के कारण बीमार पड़ रहे हैं, इसलिए उनके लिए विशेष सुविधाओं वाले कमरे की तत्काल व्यवस्था आवश्यक है।सत्यनारायण व्रत पूजा मंडपम और एडमिशन ऑफिस के स्थानों को अदला-बदली करने की मांग भी की गई। उन्होंने बताया कि पहाड़ी की चोटी पर तैनात डतक्र स्टाफ केवल उसी क्षेत्र तक सीमित हैं, जबकि मंदिर के आसपास सुरक्षा का अभाव है, जिसके कारण एंटी-सोशल गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। भक्तों की सुरक्षा के लिए हर स्थान पर एसपीएफ स्टाफ की ड्यूटी लगाने की मांग की गई।साथ ही पहाड़ी की चोटी पर 100 टॉयलेट की सीढ़ियों के पास एक टॉयलेट डॉरमेट्री हॉल बनाने और पुराने योगानंद निलयम की जगह भक्तों के लिए रहने की सुविधा विकसित करने की भी मांग की गई।उन्होंने कहा कि मंदिर में 150 रुपये का अभिषेकम लड्डू तैयार किया जाना चाहिए और पिछले कुछ महीनों से कलेक्टर के घर पर काम कर रहे रसोइया पुजारी को तुरंत मंदिर ड्यूटी पर वापस लाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।श्रीरामुलु ने कहा कि मंदिर प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी 140 समस्याओं का समाधान संभव है, और यदि इन पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो सीपीआई इन मुद्दों को लेकर सीधा संघर्ष करेगी।कार्यक्रम में सीपीआई जिला कार्यकारी सदस्य बंदी जंगम्मा, पेराबॉयना महेंद्र, नगर विभाग सचिव बब्बूरी श्रीधर, मंडल सचिव कल्लेपल्ली महेंद्र, कार्यकारी सदस्य पेराबॉयना बंगारी, गोपगनी राजू, गुंडू वेंकटेश सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

प्रशिक्षकों के लिए किसान भवन में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मदनूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल केंद्र के किसान भवन में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तहसीलदार एम. डी. मुजीप की अध्यक्षता में किया गया। यह कार्यक्रम सूक्ष्म सिंचाई गणना और जल संसाधन गणना के लिए गणनाकारों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान तहसीलदार ने बताया कि इसमें तालाबों, पोखरों एवं विभिन्न सूक्ष्म सिंचाई संसाधनों की गणना की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस पहल से जल संसाधनों की उपलब्धता और उनकी गणना में पारदर्शिता आएगी। यह कार्यक्रम केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रारंभ किया गया है। आयोजन में तहसीलदार श्री मुजीब, एएसओ दत्तू और गणनाकर्ताओं ने भाग लिया।

मदनूर में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

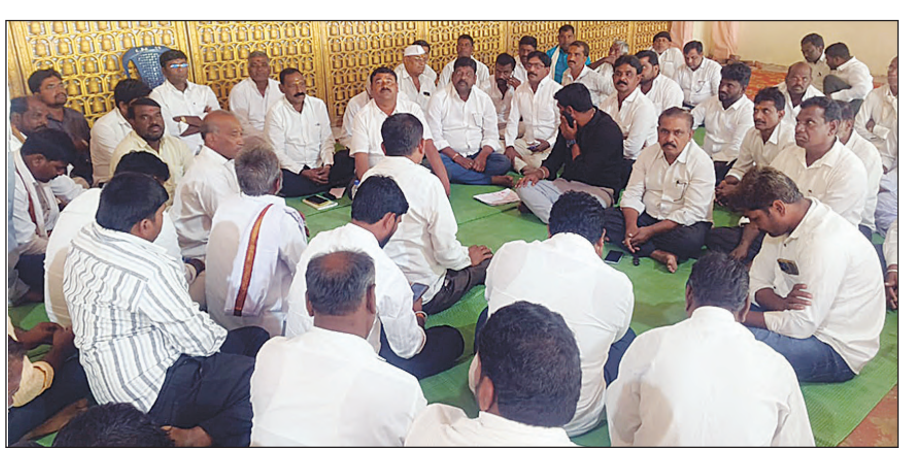

मदनूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विस क्षेत्र के विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव् के आदेश नुसार स्थानिक गुरु मंगल कार्यालय में गुरुवार के दिन कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दरासवार सायलू के अध्यक्षता में मंडल कांग्रेस पार्टी के कार्य कृता व नेताओं की बैठक बुलाई गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विविध योजनाओं के साथ जुक्कल विधायक श्री थोटा लक्ष्मीकांत राव् द्वारा किए गए विकास कार्यों को गांवों में लोगों तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने बैठक में बोलते हुए बताए कि रेवन्त रेड्डी सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं से व्यापक स्तर पर लोगों को लाभ मिल रहा है, विशेषकर मदनूर मंडल को, जहां सबसे अधिक धनराशि स्वीकृत की गई है, और इस विकास को घर-घर तक ले जाकर अभियान को तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी को मिलकर काम करना चाहिए, हाईकमान के एकता और समन्वय के आदेश का पालन करना चाहिए, तथा प्रत्येक गांव और वार्ड में कांग्रेस नेताओं को अथक परिश्रम करना चाहिए। दरास वार् ने कहा कि पार्टी के विकास के लिए यदि आवश्यक हुआ तो वे गांवों का व्यापक दौरा करेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कार्य करने का सलाह दी।

'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा : वेंकटेश्वर गौड़

चेन्नूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नूर में आयोजित सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरि वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि अंग्रेजी शासन से मुक्ति दिलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् गीत ने देशवासियों को अमिट प्रेरणा दी थी।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के शासन काल में बुरी तरह टूट चुकी भारत की आर्थिक व्यवस्था को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुधार कर आज भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया गया है। उन्होंने अपील की कि वंदे मातरम् की प्रेरणा से सभी नागरिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाते हुए देश को विश्व की प्रथम अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दें। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि विद्यार्थी और नागरिक रोज वंदे मातरम् का गायन करें।इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष गौड़ ने आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार ने कुछ स्वार्थी राजनीतिक कारणों से वंदे मातरम् के गायन पर ढील दी थी, जिसे अब वर्तमान कांग्रेस सरकार तुरंत समाप्त करे और राज्य के सभी स्कूलों व संस्थानों में वंदे मातरम् का अनिवार्य गायन लागू किया जाए।कार्यक्रम में चिरकुंटा के पूर्व सरपंच देवरनैनी संजीवराव भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।पार्टी के स्थानीय अध्यक्ष तुमा श्रीपॉल की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य परिषद सदस्य बत्तुला सम्मैया, जिला सचिव रत्न लक्ष्मीनारायण रेड्डी, वरिष्ठ नेता रापर्ति वेंकटेश्वर, कोंडपाक चारी, भाजयुमो राज्य

कार्यकारिणी सदस्य एतम शिवकृष्ण, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष बुर्रा राजशेखर गौड़, नगर मुख्य सचिव कायत राजेश, के वी एम श्रीनिवास, मधुकर, माणिक, राउत शंकर, कायत वेंकटेश, तुमा चिरंजीवी, वेंकट, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता और नगर के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सौ फीसदी हाउस टैक्स वसूली हो : डीएलपीओ

मंचेरियाल, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिला बेल्लमपल्ली मंडल पंचायत अधिकारी के. सतीश कुमार ने आदेश दिया है कि ग्राम पंचायतों में 100 प्रतिशत गृह कर एकत्र किया जाए और इस महीने की 25 तारीख तक पंचायत खाते में जमा किया जाए। गुरुवार को उन्होंने मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल की कासिपेटा ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। उपस्थिति ऐप निरीक्षण के तहत उन्होंने कासिपेटा ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पंचायत के अभिलेखों और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गांव में नियमित रूप से साफ-सफाई का कार्य किया जाए तथा मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

उन्होंने पंचायत सचिव को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायत के ट्रैक्टर के माध्यम से प्रत्येक घर से कचरा एकत्रित करें तथा सेग्रिगेशन शेड में गीला कचरा व सूखा कचरा अलग-अलग करके गुणवत्तापूर्ण जैविक खाद तैयार करें। बाद में उन्होंने वैकुंठ धाम का दौरा किया और वहाँ मौजूद जंगली पौधों को हटाने का सुझाव दिया। उन्होंने पृथक्करण शेड में खाद बनाने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में मंडल पंचायत अधिकारी शेख सफदर अली, पंचायत सचिव श्रीधर और ग्राम पंचायत के कर्मचारी शामिल हुए।

मंचेरियाल में गांजे की बिक्री मामले में दो गिरफ्तार

मंचेरियाल, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तंदूर सर्कल इंस्पेक्टर सीआई देवैया ने बताया कि मंचेरियाल जिले के तंदूर मंडल के मदाराम पुलिस थाना क्षेत्र में मारिजुआना बेचने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गोलेटी इलाके के दो युवकों, अद्दुरी जगनू और जंगमपल्ली प्रशांतू, को मदाराम वन इंक्लाइन के पास गांजा लेकर जाते हुए पकड़ा गया। मदाराम के एसआई सौजन्या ने अपने स्टाफ के साथ तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में लिया और उनके पास से 120 ग्राम गांजा बरामद किया गया। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि यदि कहीं भी गांजा बेचने की सूचना मिले तो तुरंत सूचना दी जाए, और सूचना देने वालों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग पार कर रही महिला को कार ने कुचला

इलाज के दौरान मौत

यादगिरिगुट्टा, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुली पेड्डा कंडुकुर रेलवे गेट पर एक महिला राष्ट्रीय राजमार्ग पार कर रही थी, तभी अलेरू से हैदराबाद की ओर जा रही ब्रेज़ा कार के ड्राइवर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला के सिर, पैर और हाथ में गंभीर चोटें आईं।घटना के बाद उसे तत्काल इलाज के लिए निम्स हॉस्पिटल भेजा गया, लेकिन उपचार के दौरान दोपहर 3 बजे उसकी मौत हो गई।

इस मामले में मृतका के पति चटला राजू की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

आयकेपी द्वारा 6014 म्याट्रिक टन धान खरीदी किया गया : जगदीशू

मदनूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानिक आय के प्रोजेक्ट अधिकारी जगदीश ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि तेलंगाना सरकार के निर्देशों के अनुसार, आय के पी के अधीन कुर्ला गांव में 249 किसानों के पास से 2213, महाधन हीपरगा गांव में 129 किसानों के पास से 1254, एंबुरा गांव में 109 किसानों के पास से 1480, सुल्तान पेट गांव के 115 किसानों के पास से 819, और धोती गांव के 28 किसानों के पास से 248 म्याट्रिक टन धान खरीदी की गई है। अब तक 630 किसानों के पास से 40 किलो प्रति बोरी के हिसाब से कुल 6014 म्याट्रिक टन धान खरीदी जा चुकी है।

उन्होंने आगे बताया कि कुर्ला और एंबुरा गांव के स्थानिक किसानों के बैंक खाते में 100% और महाधन हीपरगा, सुल्तान पेट, धोती के किसानों को 75% पेमेंट बैंक में जमा किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि एक सप्ताह के भीतर धान खरीदी पूरी तरह संपन्न कर दी जाएगी।

मंचेरियाल के निजी अस्पताल में चार महीने के बच्चे की मौत

परिवार ने डॉक्टरों की लापरवाही का लगाया आरोप

मंचेरियाल, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परिजनों ने एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अपने चार महीने के बच्चे की मौत का जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने इलाज में हुई लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए गुरुवार को अस्पताल के बाहर धरना दिया। कासिपेटा मंडल के यापा गाँव के शेखर और सौंदर्या ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चे को जब अस्वस्थ पाया तो अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिवार ने दावा किया है कि यदि डॉक्टरों ने सही ढंग से इलाज किया होता तो यह हादसा टाला जा सकता था। पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार को आपसी सहमति से मामले को सुलझाने की सलाह दी। परिवार और अस्पताल प्रबंधन के बीच समझौता भी बताया जा रहा है।

बेल्लमपल्ली सिशुमंदिर सड़क चौड़ीकरण का शुरुआत

बेल्लमपल्ली, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के बेल्लमपल्ली शहर में सरस्वती शीशमंदिर रोड को चौड़ीकरण करने का काम शुरू होने के बाद, स्थानीय लोगों ने नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका अधिकारियों ने गरीब मध्यवर्गीय परिवारों के घरों के सामने की सड़कों को तोड़फोड़ कर दिया है। बड़े-बड़े बिल्डिंग्स को बिना हटाए वापस जाने पर लोगों का गुस्सा फूटा है।टीपीओ चंद्रशेखर ने कहा कि वह कोर्ट के आदेश दिखा रहे हैं और उन्हें तीन दिन की डेडलाइन दी गई है। साथ ही, नोटिस भी जारी किया गया है जिसमें सड़क के दोनों ओर 30-30 फीट हटाने का मार्किंग किया गया है।

वह आगे कहा कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्य शुरू किया जाएगा, और सड़क चौड़ीकरण में सभी का सहयोग आवश्यक है। इस कार्यक्रम में टीपीओ चंद्रशेखर, वन टाउन सीआई के. श्रीनिवास, बिजली कर्मचारी बी. श्रीनिवास, और अन्य नगर पालिका कर्मचारी शामिल हुए।

केंद्र तेलंगाना को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रह्लाद जोशी

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को नलगोंडा में भारतीय खाद्य निगमके नए प्रभागीय कार्यालय का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन तेलंगाना और दक्षिणी क्षेत्र में निगम की परिचालन क्षमता और खाद्य सुरक्षा सेवाओं के लिए एक प्रमुख प्रोत्साहन है।

जोशी ने कहा कि यह नया कार्यालय एफ.सी.आई. के आधुनिकीकरण और खाद्य सुरक्षा नेटवर्क में पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण सुनिश्चित करने के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री ने तेलंगाना के लिए केंद्र के विकासात्मक समर्थन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य को केंद्रीय बजट 2024-25 के तहत रेलवे क्षेत्र विकास पहलों के लिए 5,336 करोड़ प्राप्त हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वर्तमान में 38-40 रेलवे स्टेशनों का 1,830.4 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, और राज्य ने 100 प्रतिशत रेल विद्युतीकरण हासिल कर लिया है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत, उन्होंने कहा कि केंद्र ने पहले चरण में 20,175 एससी, एसटी और बीपीएल परिवारों के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे 40.5 मेगावाट की अतिरिक्त स्वच्छ ऊर्जा क्षमता के साथ 2 किलोवाट के रूफटॉप सौर सिस्टम लगाए जाएंगे।

जोशी ने किसानों को एफ.सी.आई. द्वारा दिए जा रहे व्यापक समर्थन को रेखांकित करते हुए बताया कि संगठन एमएसपी खरीद के माध्यम से सालाना 1.27 करोड़ किसानों की सहायता करता है, और अकेले 2023-24 में 2.25 लाख करोड़ सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए।

उन्होंने बताया कि एफ.सी.आई. का विशाल वितरण नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हर महीने 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को भोजन प्रदान करता है- यह संख्या अमेरिका और यूरोपीय संघ की संयुक्त आबादी से भी अधिक है - जिसके तहत हर साल 550 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न की आपूर्ति की जाती है।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पूर्ण कवरेज हासिल कर लिया है, जिससे 1.97 करोड़ लोग लाभान्वित हुए हैं और पात्रता में कोई कमी नहीं है। राज्य को हर महीने 1.11 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न का केंद्रीय आवंटन प्राप्त होता है, जिसमें 1.07 लाख मीट्रिक टन चावल और 3,770 मीट्रिक टन गेहूं शामिल है।

केंद्र की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, जोशी ने कहा कि भारत सरकार खाद्य सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने, किसानों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास का समर्थन करने पर केंद्रित है।

श्री महासर माता भक्त मंडल भाग्यनगर के तत्वाधान में माता की जोत घाँसी बाज़ार स्थित केशवप्रशाद ओमप्रकाश तायल परिवार के निवास स्थान पर कुलदेवी महासर माता के किशोर तोषनीवाल द्वारा भजन प्रस्तुति एवं संस्था के राजकुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल,दिनेश अग्रवाल,नवरत्न कनोडिया, दिनेश सिंघल उपस्थित थे ।

तेलंगाना के फाइंड राइस मॉडल को राष्ट्रव्यापी लागू करने की अपील

हैदराबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को केंद्र सरकार से तेलंगाना के सफल बारीक चावल वितरण मॉडल को पूरे देश में लागू करने पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से पीडीएस चावल के पुनर्चक्रण में कमी आई है और खुले बाजार की कीमतों में स्थिरता आई है।

रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ होटल ताज कृष्णा में हुई एक बैठक के दौरान अपने विचार साझा किए।

उत्कृष्ट चावल वितरण: मुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जो राशन की दुकानों के माध्यम से इतने बड़े पैमाने पर उत्कृष्ट गुणवत्ता का चावल वितरित कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि लाभार्थियों को वह चावल मिले जिसे वे वास्तव में खाना पसंद करते हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा, खाने योग्य बारीक चावल की आपूर्ति करके, कल्याणकारी योजना का उद्देश्य सही मायने में प्राप्त होता है।

बाजार में स्थिरता: उन्होंने कहा कि इस मॉडल ने पीडीएस चावल के डायवर्जन को रोका है और समग्र बाजार स्थिरता में सुधार किया है। प्रह्लाद जोशी ने जवाब दिया कि केंद्र इस योजना को राष्ट्रव्यापी अपनाने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले एक विस्तृत अध्ययन करेगा।

बैठक में नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव शेशाद्री, नागरिक आपूर्ति प्रधान सचिव स्टीफन रवींद्र और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्य प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय समर्थन के लिए कई अनुरोध प्रस्तुत किए:

उबले चावल का कोटा: 2024-25 रबी सीज़न के लिए उबले चावल का कोटा 10 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त बढ़ाया जाए।

सब्सिडी जारी करना: पीडीएस के तहत आपूर्ति किए गए लेवी चावल के लिए 1,468 करोड़ की सब्सिडी जारी की जाए।पीएमजीकेएवाई बकाया: पीएमजीकेएवाई के पाँचवें चरण की लंबित राशि 343.27 करोड़ जारी की जाए।

मिलिंग समय सीमा: 2024-25 खरीफ कस्टम मिलिंग की समय सीमा बढ़ाई जाए।भंडारण सहायता: एफसीआई गोदामों में भंडारण के दबाव को कम करने के लिए अतिरिक्त उबले चावल के रैक और राज्य में भंडारण क्षमता को 15 लाख मीट्रिक टन तक विस्तारित करने के लिए सहायता प्रदान की जाए।

तेलंगाना डीजीपी ने मानव तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सेफ विलेज प्रोग्राम लॉन्च किया

हैदराबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य में मानव तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चयनित जिलों में एक बड़े पैमाने पर 'सेफ विलेज प्रोग्राम' (सुरक्षित ग्राम कार्यक्रम) लागू किया जाएगा।

डीजीपी ने यह घोषणा पुलिस आयुक्तों और जिला एसपी (अधीक्षकों) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित राज्यव्यापी अपराध समीक्षा बैठक के दौरान की। इस समीक्षा में गंभीर अपराधों, आर्थिक अपराधों और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

डीजीपी ने कहा कि सेफ विलेज प्रोग्राम को पहले चरण में (पायलट आधार पर) सात जिलों - महबूबाबाद, खम्मम, वारंगल, भद्राद्री कोठागुडेम, विकाराबाद, रंगारेड्डी और मेडक - में शुरू किया जाएगा।उद्देश्य और विस्तार: यह पहल गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) के सहयोग से चलाई जाएगी और इसके परिणामों के आधार पर इसे अन्य जिलों तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य मानव तस्करी को प्रभावी ढंग से रोकना है।

अंतर-राज्यीय अपराध: शिवधर रेड्डी ने पड़ोसी राज्यों से सटे जिलों के एसपी को भी अपने समकक्षों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने और अंतर-राज्यीय अपराधों को रोकने के लिए निवारक कदम उठाने का निर्देश दिया।अपराध विश्लेषण और मामले: उन्होंने अधिकारियों को लंबे समय से लंबित मामलों में तेजी लाने का निर्देश दिया और बताया कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपराध विश्लेषण को मजबूत करने के लिए सीआईडी में एक विशेष विंग - क्राइम इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी एनालिसिस - की स्थापना की गई है।

डीजीपी ने एक कड़ी चेतावनी जारी करते हुए, वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिसका उल्लेख उन्होंने मेडक जिले की हालिया टेक्मल घटना के संदर्भ में किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यदि निचले स्तर के कर्मचारी भ्रष्ट आचरण में लिप्त पाए जाते हैं, तो पर्यवेक्षी अधिकारियों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा।पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, समीक्षा बैठक में अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम. भागवत, अतिरिक्त डीजीपी (सीआईडी) चारू सिन्हा, अतिरिक्त डीजीपी (मल्टीजोन-2) डी एस चौहान, आईजीपी (मल्टीजोन-1) एस चंद्रशेखर रेड्डी, आईजीपी डॉ. एम रमेश और के रमेश नायडू, साथ ही एसपी नवीन कुमार, वेंकटलक्ष्मी, सतीश और कानूनी सलाहकार अजय कुमार ने भाग लिया।

नॉर्थ-ईस्ट कनेक्ट टेक्नो कल्चरल फेस्टिवल हैदराबाद में शुरू

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर जोर दिया

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और उत्तर-पूर्वी राज्यों के बीच सांस्कृतिक विविधता, ज्ञान के आदान-प्रदान और गहरे संबंधों को बढ़ावा देने वाला तीन दिवसीय नॉर्थ-ईस्ट कनेक्ट टेक्नो कल्चरल फेस्टिवल का पहला चरण आज हिटेक्स प्रदर्शनी केंद्र, माधापुर में शुरू हुआ।शाम को महोत्सव का उद्घाटन करते हुए, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के समर्थन से यह आयोजन एक छोटे से विचार से एक बड़े मंच के रूप में विकसित हुआ है।

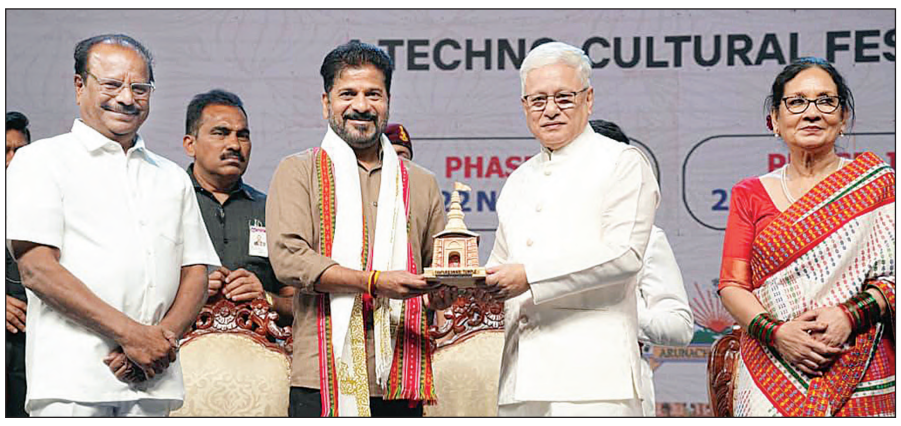

कला और विज्ञान का संबंध: उन्होंने ज़ोर दिया कि भारतीय लोकाचार में कला और विज्ञान गहराई से जुड़े हुए हैं, और इस महोत्सव का उद्देश्य नए विचारों को जन्म देना और एकता को मजबूत करना है।

प्रतीक और दर्शन: उन्होंने बताया कि महोत्सव का नौ पंखुड़ियों वाला लोगो विविधता और जुड़ाव का प्रतीक है, जो अतिथि देवो भव की भावना को दर्शाता है।आगे की योजना: राज्यपाल वर्मा ने कहा कि अगले दो दिनों में स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, सिनेमा, कला और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं की खोज पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने सहयोग और सहभागिता के माध्यम से एकता बनाने पर बल दिया और उम्मीद जताई कि यह महोत्सव तेलंगाना और नॉर्थ-ईस्ट के बीच नवीन विचार और दीर्घकालिक साझेदारी उत्पन्न करेगा।त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेना रेड्डी ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सच्चे अर्थों में दर्शाने वाला प्रयास बताया।कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना-नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट फेस्टिवल क्षेत्रों के बीच साझा एकता की भावना को प्रदर्शित करता है।

सांस्कृतिक योगदान: उन्होंने उत्तर-पूर्व की सांस्कृतिक समृद्धि पर प्रकाश डाला और कहा कि गहरी समझ और मजबूत कनेक्टिविटी इस क्षेत्र को राष्ट्र के विकास में और अधिक योगदान देने में मदद करेगी।

दूसरा घर: रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद आईटी, फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, स्टार्टअप और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तर-पूर्वी समुदाय का एक महत्वपूर्ण घर है। उन्होंने कहा, तेलंगाना आपके लिए दूसरे घर जैसा है, और घोषणा की कि आगामी भारत फ्यूचर सिटी में भारत का पहला नॉर्थ ईस्ट एफिलिएटेड सेंटर स्थापित किया जाएगा।विशेष केंद्र: प्रत्येक उत्तर-पूर्वी राज्य को अपनी संस्कृति, भोजन, शिल्प, कला को प्रदर्शित करने और छात्रावास आवास प्रदान करने वाली अपनी सुविधा के निर्माण के लिए भूमि आवंटित की जाएगी।सांस्कृतिक सेतु: मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सांस्कृतिक सेतु इस तथ्य से मजबूत होता है कि तेलंगाना का एक निवासी त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में और त्रिपुरा का एक निवासी तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में कार्यरत है।उन्होंने नॉर्थ ईस्ट कनेक्शन सेंटर को सफलतापूर्वक स्थापित करने और तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया।उद्घाटन समारोह में पेरिनी नाट्यम, पुंग चोलम (मणिपुर का शास्त्रीय नृत्य), तांगखुल लोक गीत, सत्रीय नृत्य (असम का शास्त्रीय नृत्य) और कई अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों सहित लुभावनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देखने को मिलीं।इस उद्घाटन समारोह में पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी शिवधर रेड्डी और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

राज्य में शीत लहर के कारण तापमान में गिरावट

हैदराबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य में ठंडी हवाओं का ज़ोर जारी है। खासकर उत्तरी तेलंगाना के ज़िले ठंडी हवाओं के ज़ोर से कांप रहे हैं। पूरे राज्य में मिनिमम टेम्परेचर 15 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया जा रहा है।

10 ज़िलों में सबसे कम टेम्परेचर सिंगल डिजिट में है। हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में सबसे कम मिनिमम टेम्परेचर संगारेड्डी ज़िले के कोहिर में 7.4 डिग्री और कोमुरमभीम-आसिफाबाद ज़िले के सिरपुर-ण में 8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वशीरलरव में 21 और 22 दिसंबर को यातायात प्रतिबंध अधिकारियों ने बताया है कि सरफेस सर्कुलेशन के असर से इस महीने की 22 तारीख तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, और फिर 48 घंटों के अंदर, यह लो प्रेशर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़कर और मज़बूत होकर इस महीने की 24 तारीख तक एक डिप्रेशन में बदल सकता है।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्री सुरेशजी बजाज
के जन्मदिवस के अवसर पर
मे. सन्नी क्रिएशन, मुम्बई
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री मधुसूदनजी गुप्ता
के पुण्य स्मृति में
इन्दरलाल बालमुकुन्द जेम्स एंड ज्वेल्स
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ — R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.